नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 287
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 अगस्त, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

चांद पर चंद्रयान

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग के बाद भारत वहां पहुंच गया है जहां पहले कोई देश नहीं पहुंचा है। अंतरिक्ष अभियान में बड़ी छलांग लगाते हुए भारत का चंद्र मिशन चंद्रयान-3 बुधवार शाम 6:04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा, जिससे देश चांद के इस क्षेत्र में उतरने वाला दुनिया का पहला तथा चंद्र सतह पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

चंद्रमा की सतह पर उतरने के कुछ क्षण पहले चंद्रयान-3

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान से लैस लैंडर मॉड्यूल की सॉफ्ट लैंडिग कराने में सफलता हासिल की। भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि ऐसे समय मिली है जब कुछ दिन पहले रूस का अंतरिक्ष यान लूना 25 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के मार्ग में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गत 14 जुलाई को 41 दिन की चंद्र यात्रा पर रवाना हुए चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और इस प्रौद्योगिकी में भारत के महारत हासिल करने से पूरे देश में जश्न का माहौल है। भारत से पहले चांद पर पूर्ववर्ती सोवियत संघ, अमेरिका और चीन ही सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर पाए हैं, लेकिन ये देश भी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर पाए, और अब भारत के नाम इस उपलब्धि को हासिल करने का रिकॉर्ड हो गया है।

चार साल में भारत के दूसरे प्रयास में चंद्रमा पर अनगिनत सपनों को साकार करते हुए चंद्रयान-3 के चार पैरों वाले लैंडर विक्रम ने अपने पेट में रखे 26 किलोग्राम के रोवर प्रज्ञान के साथ योजना के अनुसार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। शाम 5.44 बजे लैंडर मॉड्यूल को चंद्र सतह की ओर नीचे लाने की शुरू की गई प्रक्रिया के दौरान इसरो वैज्ञानिकों ने इस कवायद को 'दहशत के 20 मिनट' के रूप में वर्णित किया। बेंगलुरु स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मिशन संचालन परिसर (एमओएक्स) में वैज्ञानिक खुशी से झूम उठे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत अब चांद पर है तथा यह सफलता पूरी मानवता की है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने जोहानिसबर्ग गए मोदी ने इसरो वैज्ञानिकों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने 'पृथ्वी पर एक संकल्प लिया और चंद्रमा पर इसे पूरा किया।' चंद्रयान-3, चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन है और इस मिशन को भी चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित सॉफ्ट-लैंडिंग , चंद्रमा पर रोवर की चहलकदमी और वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देने के उद्देश्य से भेजा गया। चंद्रयान-2 सात सितंबर, 2019 को सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करते समय लैंडर की ब्रेकिंग प्रणाली में विसंगति के कारण विफल हो गया था।

पहले चंद्र मिशन को 2008 में अंजाम दिया गया था। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को भविष्य के और अधिक चुनौतीपूर्ण अभियानों को पूरा करने का आत्मविश्वास देती है। उन्होंने मिशन की सफलता के कुछ मिनट बाद कहा, हमने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता हासिल कर ली है। भारत चांद पर है। चंद्रयान-3 मिशन पर 600 करोड़ रुपए की लागत आई और 14 जुलाई को इसे प्रक्षेपण यान लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (एलवीएम-3) रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया था। लैंडर और छह पहियों वाले रोवर (कुल वजन 1,752 किलोग्राम) को एक चंद्र दिवस की अवधि (धरती के लगभग 14 दिन के बराबर) तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। लैंडर में सुरक्षित रूप से चंद्र सतह पर उतरने के लिए कई सेंसर थे, जिसमें एक्सेलेरेमीटर, अल्टीमीटर, डॉपलर वेलोमीटर, इनक्लिनोमीटर, टचडाउन सेंसर और खतरे से बचने एवं स्थिति संबंधी जानकारी के लिए कैमरे लगे थे। चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर विक्रम ने चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए अपेक्षाकृत एक समतल क्षेत्र को चुना। उसके कैमरे से ली गई तस्वीरों से यह पता चला है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि विक्रम के सफलतापूर्वक चंद्रमा पर पहुंचने के तुरंत बाद लैंडिंग इमेजर कैमरा ने ये तस्वीरें कैद कीं।

नए भारत की नई उड़ान: मोदी

चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के बाद ताली बजाकर खुशी का इजहार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और वैज्ञानिक समुदाय को बधाई दी और कहा कि यह नए भारत की नई उड़ान है।

भारत अब चंद्रमा पर है तथा यह चंद्रपथ पर चलने का समय है। उन्होंने इसे पूरी मानवता की सफलता करार दिया। मिशन के सफल होने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री ने इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ को फोन किया और उन्हें व वैज्ञानिकों की पूरी टीम को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर दक्षिण अफ्रीका से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने पृथ्वी पर एक संकल्प लिया और चंद्रमा पर इसे पूरा किया। प्रधानमंत्री ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जोहानिसबर्ग के दौरे पर हैं। इसरो ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान से लैस एलएम की साफ्ट लैंडिग कराने में सफलता हासिल की।

भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ। इसके बाद मोदी ने कहा कि जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं तो जीवन धन्य हो जाता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्रीय जीवन की चिरंजीव चेतना बन जाती है। उन्होंने कहा कि यह पल अविस्मरणीय है, यह क्षण अभूतपूर्व है, यह क्षण **(शेष पेज 9)**

चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग के साथ ही वैज्ञानिकों ने इतिहास रच दिया है और भारत को गौरवान्वित किया है।

द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने पर मेरी हार्थिक बधाई। यह बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और बेशक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारत की प्रभावशाली प्रगति का साक्ष्य है।

व्लादिमीर पुतिन, रूसी राष्ट्रपति

यह भारत के उत्थान का संकेत देने वाली एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस मिशन से जुड़े सभी लोगों और देश के दूरदर्शी नेतृत्व को बधाई।

जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

इससे नए रास्ते खुलेंगे और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा अन्वेषण में मदद मिलेगी। सच में, यह चंद्र लैंडिंग हमारे राष्ट्र के आगे बढ़ने में एक मील का पत्थर साबित होगी।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़

नया अंतरिक्ष सफर भारत की खगोलीय महत्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है और यह इसे अंतरिक्ष परियोजनाओं के लिए दुनिया के लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करता है।

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

भारत विश्व को भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार की प्रगति की राह पर अग्रसर करेगा, यह बात अब सत्य होने जा रही है।

मोहन भागवत, आरएसएस प्रमुख

सारा देश उन वैज्ञानिकों पर गर्व महसूस कर रहा है जिन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता, मेहनत और प्रबल इच्छाशक्ति से इस मिशन की सफलता के साथ इतिहास रच दिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

इसरो के वैज्ञानिकों ने वह कर दिखाया जो अबतक किसी ने नहीं किया था। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव मे जो दुनिया के लिए असंभव था, उसपर उतरकर एक असंभव कार्य करके दिखाया है।

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नासा प्रमुख ने भारत और इसरो को बधाई दी

वाशिंगटन(एजेंसी)। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने बुधवार को भारत को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट-लैंडिंग कराने वाला चौथा देश बनने पर बधाई दी और कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इस मिशन में भारत का 'साझेदार' बनकर खुश है। भारत का चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला अंतरिक्ष मिशन बन **(शेष पेज 9)**

अब हमारी नजर मंगल पर : इसरो प्रमुख

● एक समय मंगल ग्रह पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी और हो सकता है कि भविष्य में शुक्र और अन्य ग्रहों पर भी यह कोशिश हो: सोमनाथ

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख एस.सोमनाथ ने चंद्रयान-3 की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए इसका श्रेय वैज्ञानिकों को दिया, जिन्होंने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए बेहद कष्ट और पीड़ा सही। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में इसरो का यान इसी तरह मंगल ग्रह पर उतरेगा।

सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता इसरो नेतृत्व और वैज्ञानिकों की पीढ़ियों की मेहनत का नतीजा है और यह सफलता बहुत बड़ी और प्रोत्साहित करने वाली है। इसरो प्रमुख ने कहा कि भारत ने यह सफलता केवल दो मिशन में हासिल कर ली है। चंद्रमा पर यान उतारने की पहली कोशिश मिशन चंद्रयान-2, अंतिम समय में असफल रहा था जबकि चंद्रयान-3 मिशन पूरी तरह से सफल हुआ। चंद्रयान-1 का उद्देश्य केवल मानव रहित अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की कक्षा में स्थापित करना था। सोमनाथ ने कहा कि यह सफलता (चंद्रयान-3 मिशन की) हमारा न केवल चंद्र मिशन के लिए आत्मविश्वास बढ़ाएगी बल्कि यह मंगल तक जाएगी। एक समय मंगल ग्रह पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी और हो सकता है कि भविष्य में शुक्र ग्रह और अन्य ग्रहों पर भी यह कोशिश हो।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 कठिन मिशन है और हम इसके लिए बहुत ही पीड़ा और कष्ट से गुजरे। सोमनाथ बताया कि यह वैश्विक स्तर के उपकरणों के साथ पूरी तरह से मेक इन इंडिया मिशन रहा। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 में हमारे पास जो प्रौद्योगिकी है, वह चंद्रमा पर जाने वाली किसी भी अन्य प्रौद्योगिकी से कम जटिल या कमतर नहीं है। हमारे पास चंद्रयान-3 **(शेष पेज 9)**

चंद्रयान के रोवर के दो कैमरों में लगा नोएडा में बना सॉफ्टवेयर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चंद्रयान-3 के रोवर पर लगे दो कैमरे नोएडा के एक प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप के सॉफ्टवेयर का उपयोग कर उसकी सतह का अन्वेषण करेंगे। चंद्रयान के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ निकटता से काम कर रही ओम्नीप्रेजेंट रोबोट टेक्नोलॉजीस ने प्रज्ञान रोवर के लिए पर्सेप्शन नेविगेशन सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जो विक्रम लैंडर मॉडयूल में लगा है, जिसने बुधवार शाम को **(शेष पेज 9)**

भारत की चार दशक में दूसरी बड़ी उपलब्धि

● भारत के लिए चांद पर पहुंचना उसी तरह है जैसे 1984 में अंतरिक्ष में पड़े थे राकेश शर्मा के कदम

राकेश कुमार सिंह। नई दिल्ली

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान 3 की सॉफ्ट लैंडिंग के साथ भारत ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली। भारत का चांद पर पहुंचना उसी ऐतिहासिक उपलब्धि के समान है जिस प्रकार करीब चार दशक पहले एकमात्र भारतीय राकेश शर्मा अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे। भारतीय वायु सेना

राकेश शर्मा का फाइल चित्र

(आईएएफ) के विंग कमांडर शर्मा ने 3 अप्रैल, 1984 को अंतरिक्ष की यात्रा कर इतिहास रच दिया था।

वह स्पेस में कदम रखने वाले पहले भारतीय बन गए थे। वह सात दिन, 21 घंटे और 40 मिनट तक चले भारतीय मिशन का हिस्सा बने। इस मिशन के साथ ही भारत अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया था। उन्होंने सोवियत इंटरकोस्मोस कार्यक्रम के तहत सोयुज टी-11 रॉकेट पर उड़ान भरी थी। इसरो के कामकाज के तरीके पर भरोसा जताते हुए शर्मा ने कुछ दिन पहले ही में कहा था कि वह गर्व से कह सकते हैं कि चंद्रयान-3 चंद्रमा पर सुरक्षित उतर जाएगा। शर्मा ने कथित तौर पर हाल ही में कहा था कि पिछले 40 वर्षों में सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने एक शानदार सफर तय किया है। हमने पिछले कुछ वर्षों में जो कार्यक्रम संचालित **(शेष पेज 9)**

तमिल कनेक्शन व वैज्ञानिक पेलोड

एजेंसी। चेन्नई

चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की योजना के अलावा चंद्रयान मिशन का तमिल कनेक्शन और इसके मॉड्यूल पर वैज्ञानिक पेलोड की मौजूदगी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के महत्वाकांक्षी चंद्र अभियानों की दो प्रमुख विशेषताएं हैं।

चंद्रयान मिशन के तमिल कनेक्शन का संदर्भ इस बात से है कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े महत्वाकांक्षी चंद्र अभियानों का नेतृत्व तमिलनाडु के तीन वैज्ञानिकों ने किया है। भारत के मून मैन कहलाने वाले मयिलसामी अन्नादुरई ने 2008 में पहले चंद्रयान मिशन और एम वनिता ने 2019 में चंद्रयान-2 मिशन का नेतृत्व किया था, जबकि एम वीरमुथुवेल मौजूदा चंद्रयान-3 मिशन की कमान संभाल रहे हैं।

चंद्रयान-3 के 14 जुलाई को दोपहर 2.35 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरने के बाद वीरमुथुवेल रॉकेट पर नजर रखने के लिए वापस बेंगलुरु के इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) चले गए। उन्होंने मीडिया से कहा कि वह चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग मॉड्यूल की सॉफ्ट-लैंडिंग सुनिश्चित करने के बाद ही उससे बात कर पाएंगे। प्रणोदन मॉड्यूल का एसएचएपीई पेलोड इस **(शेष पेज 9)**

पंद्रह साल में भारत का तीसरा चंद्र अभियान

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने 15 साल में तीन चंद्र अभियान भेजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि मानो चंद्रमा इसरो को अपने यहां बार-बार आमंत्रित करता है। और ऐसा क्यों न हो? वैज्ञानिकों को 2009 में चंद्रयान-1 से मिले डेटा का पहली बार इस्तेमाल कर चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों में अंधकार वाले और सबसे अधिक ठंडे हिस्सों में बर्फ के अंश का पता चला था।

चंद्रयान-1 भारत का पहला चंद्र अभियान था। इसका प्रक्षेपण 22 अक्टूबर, 2008 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से हुआ था। यान में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन और बुल्गारिया निर्मित 11 वैज्ञानिक उपकरण थे जिसने चंद्रमा के रासायनिक, खनिज विज्ञान और फोटो-भूगर्भीय मानचित्रण के लिए उसकी सतह से 100 किलोमीटर की ऊंचाई पर चारों ओर परिक्रमा की थी।

अभियान के सभी अहम पहलुओं के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद मई 2009 में कक्षा का दायरा बढ़ाकर 200 किलोमीटर कर दिया गया। उपग्रह ने चंद्रमा के आस पास 3,400 से अधिक कक्षाएं बनाईं। कक्षीय अभियान की अवधि दो साल थी और 29 अगस्त 2009 को यान के साथ संचार संपर्क टूट जाने के बाद समय से **(शेष पेज 9)**

सफल लैंडिंग के साथ जश्न में डूबा देश

● सीधा प्रसारण देखने के लिए शिक्षण संस्थानों कार्यालयों, शहर के चौराहों और धार्मिक स्थलों पर एकत्र हुए लोग

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली

श्रीनगर में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर जश्न मनाते पर्यटक

जब चंद्रयान -3 चंद्रमा की सतह के करीब पहुंचा था तब समूचे देश ने अपनी सांस रोक ली थी और जैसे ही भारत ने चंद्रमा के सतह को सफलतापूर्वक स्पर्श कर लेने वाला चौथा देश बनकर इतिहास रचा, लोग खुशी के मारे उछल पड़े। लोग चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान -3 के उतरने के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा किए गए सीधा प्रसारण को देखने के लिए शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों, शहर के चौराहों और धार्मिक स्थलों पर एकत्र हुए थे। अभी तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कोई भी देश नहीं पहुंचा है।

जब लैंडिंग मॉड्यूल ने चंद्रमा की सतह को स्पर्श किया तब दिल्ली में स्कूलों समेत शिक्षण संस्थानों और आवासीय इलाकों में लोगों में खुशियां की लहर दौड़ गई। सॉफ्ट लैंडिंग इसरो की वेबसाइट, यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज और डीडी नेशनल टीवी चैनल समेत विभिन मंचों पर दिखाई गई। देशभर में विद्यार्थी अपने विद्यालयों तथा महाविद्यालय परिसरों में चंद्रयान -3 की लैंडिंग का सीधा प्रसारण देखने के **(शेष पेज 9)**

हिंडन एयरबेस पर उतरेंगे राष्ट्राध्यक्षों के विमान

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन, गाजियाबाद से प्रगति मैदान तक सड़क मार्ग से ले जाया जाएगा

● सुरक्षा को लेकर दोनों राज्यों की पुलिस, एयरफोर्स सहित अन्य सभी सुरक्षा एजेंसियों ने शुरू किया मंथन

हिंडन एयरबेस की सुरक्षा में तैनात जवान। (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जी-20 शिखर सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को प्रगति मैदान स्थित नवनिर्मित स्टेट ऑफ आर्ट कंवेंशन कॉप्लेक्स भारत मंडपम में होगा। इसमें 29 देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे। कई राष्ट्राध्यक्षों के एयरक्राफ्ट दिल्ली से सटे जिला गाजियाबाद में भारतीय वायुसेना के हिंडन एयरबेस पर उतरेंगे। फिर वे यहां से सड़क मार्ग से दिल्ली बैठक में शामिल होने के लिए जाएंगे। ऐसे में दोनों राज्यों की पुलिस, एयरफोर्स सहित अन्य सभी सुरक्षा एजेंसियों ने सिक्योरिटी प्लान पर मंथन शुरू कर दिया है।

इस मीटिंग में मेजबान भारत के अलावा संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्र ांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त 9 आमंत्रित देशों बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड्स, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात भी इस बैठक में आएंगे। साथ ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, यूक्रेन राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इंग्लैंड के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नाम प्रमुख रूप से शामिल हैं। सूत्रों ने बताया, ज्यादातर राष्ट्राध्यक्षों के एयरक्राफ्ट गाजियाबाद में भारतीय वायुसेना के हिंडन एयरबेस पर उतरेंगे।

कुछ विमानों को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर भी उतारा जाएगा। दरअसल, जिस प्रगति मैदान में जी.20 की प्रमुख बैठक होने जा रही है, वहां से हिंडन एयरपोर्ट सिर्फ 20 किलोमीटर दूर है। यानि सड़क मार्ग से अधिकतम 20 मिनट में ये दूरी तय की जा सकती है। वहीं एयरपोर्ट से प्रगति मैदान की दूरी 16 किलोमीटर है। दोनों हवाई अड्डे प्रगति मैदान के दोनों तरफहैं। दिल्ली पर ट्रैफिक ज्यादा न रहे, इसलिए हिंडन एयरबेस गाजियाबाद पर भी कुछ एयरक्राफ्ट उतारने का फैसला लिया गया है। गाजियाबाद पुलिस के शुभम पटेल ने बताया, हिंडन एयरबेस पर वीवीआईपी फ्लाइट लैंड होने पर सिक्योरिटी की जिम्मेदारी खुद एयरफोर्स के पास रहेगी।

एयरफोर्स के बाहर से लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान तक पूरे रूट की सिक्योरिटी का जिम्मा गाजियाबाद पुलिस के पास रहेगा। अभी ये कन्फर्म नहीं हो सका है कि यहां पर कितने एयरक्राफ्ट उतरेंगे। गाजियाबाद नगर निगम के आयुक्त नितिन गौड़ ने बताया, 9.10 सितंबर को दिल्ली में जी.20 की बैठक है। राष्ट्रों के अध्यक्ष 8 सितंबर को ही आने शुरू हो जाएंगे। ज्यादातर एयरक्राफ्ट हिंडन एयरबेस पर उतरेंगे। इस संबंध में मंगलवार को हिंडन एयरबेस पर एक महत्वपूर्ण बैठक भारतीय वायुसेना के कमांडिंग ऑफिसर एयर कोमडोर ने ली है। नगरायुक्त ने बताया, 3 सितंबर तक हम सभी रास्तों पर ग्रीन बेल्ट ब्यूटीफिकेशन, रोड मेंटिनेंस, जी.20 के लोगों और साइन बोर्ड लगाने का काम पूरा कर लेंगे।

दुनिया के 20 सबसे ताकतवर देशों के राष्ट्राध्यक्षों और अन्य मेहमानों की सुरक्षा व्यवस्था चुस्त.दुरुस्त रखने के लिए उत्तर प्रदेश और दिल्ली में खास इंतजाम किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि दिल्ली के स्कूलों में 8 से 10 सितंबर तक छुट्टी रहेगी। प्रगति मैदान इलाके के शॉपिंग मॉल, मार्केट बंद रहेंगे। बसों का रूट डायवर्जन रहेगा। इसका सीधा प्रभाव गाजियाबाद पर भी पड़ेगा। वीवीआईपी काफिला हिंडन एयरबेस से एलिवेटेड रोड होते हुए मेरठ.दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर निकलेगा और वहां से अक्षरधाम मंदिर होते हुए प्रगति मैदान पहुंचेगा। ऐसे में इस 20 किलोमीटर के रूट को आमजन के लिए बंद रखा जा सकता है। यूपी से दिल्ली की तरफ जाने वाली बसों को गाजीपुर और आनंद विहार डिपो पर ही रोकने की तैयारी है।

विदेशी मेहमानों का स्वागत करने को गाजियाबाद तैयार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जी-20 समिट में हिस्सा लेने के लिए अगले महीने की आठए नौ और दस सितंबर से विदेशी मेहमान आना शुरू हो जाएंगे। इन सभी देशों के विभागध्यक्ष के विमान हिंडन एयर फोर्स स्टेशन पर उतरेंगे। यहीं से ही वह दिल्ली जाएंगे। इसके लिए नगर निगम को खास तरह की तैयारी करने के लिए कहा गया है। कल हुई हिंडन एयर फोर्स स्टेशन में बैठक मे यह फैसला लिया गया।

नगर निगम के चीफ इंजीनियर एनके चौधरी ने बताया कि नगर निगम को कहा गया है कि वह छह सितंबर तक एयर फोर्स स्टेशन से लेकर राजनगर एक्सटेंशन में एलिवेटेड रोड तक सडक को नए सिरे से बनाएगा। फिलहाल जो सडक बनी है वह जगह जगह टूटी हुई है। हाल ही में हुई बरसात के कारण सडक खराब है जिसे नए सिरे से इंटरनेंशल मानक के हिसाब से बनाया जाएगा। इस सडक को बनाने के बाद विदेशी तर्ज पर इसे ट्रैफिक मुमैंट के लिए डिजाइन किया जाएगा।

साथ ही निगम को निर्देश दिया गया कि वह सड़क के सभी डिवाइडरों को ठीक करेगा। साथ ही उसकी पेंटिंग करानी होगी। इस पूरी रोड पर नगर निगम अलग से स्ट्रीट लाइट लगाएगा। इसके लिए जल्दी ही पहले सर्वे होगा और देखा जाएगा कि कितने वॉट की लाइट लगाना उचित होगा। पूरी रोड पर ट्रैफिक सिग्नल को नए सिरे से लगाने का कार्य किया जाएगा। ताकी विदेश से आने वाले राष्ट्राध्यक्षों को गाजियाबाद की छवि अच्छी देखने को मिले।

संक्षिप्त समाचार

कामकाज ठप कर मालियों ने दिया साईं उपवन में धरना

गाजियाबाद। नगर निगम कर्मचारी संघ के धरने में शामिल होने वाले सीएलसी के माध्यम से रखे गए 12 मालियों पर कार्रवाई हो चुकी है। इसके विरोध में कल उद्यान कर्मचारी संघ की ओर से मोहननगर जोन में कामकाज ठप कर आंदोलन किया गया था। आज से पूरे पर नगर निगम एरिया में कार्य ठप कर मालियों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। सीएलसी से जुड़े सभी मालियों ने आज साई उपवन में साईं बाबा मंदिर के पास धरना दिया और यहां एक बैठक की। बैठक की अगुवाई संघ के अध्यक्ष जगतराज अनुरागी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अभी तक सीएलसी की ओर से 12 मालियों को नौकरी से हटाने का नोटिस दिया गया है। इसमें उनका भी नाम शामिल है।

नोएडा की फैक्ट्री में हादसा दो कर्मचारियों की मौत

नोएडा। थाना फेस .2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि सी. 41 सेक्टर.81 में यूनाइटेड ड्रिलिंग टूल्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक फैक्ट्री है। यहां पर लोहे का पाइप बनाया जाता है। उन्होंने बताया कि लोहे का पाइप बनाने के बाद लीकेज चेक करने के लिए उसमें हवा का प्रेशर डालकर चेक किया जा रहा था। टेस्ट करते समय मनोज कुमार पुत्र चाहर सिंह निवासी जनपद जनपद एटा उम्र 45 वर्ष, ईश्वर दत्त शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम धुममानीक पुर थाना बादलपुर जनपद गौतम बुद्धनगर उम्र 55 वर्ष, तथा राजवीर सिंह पुत्र गरीबू राम उम्र 45 वर्ष निवासी जनपद बहादुरगढ़ हरियाणा मौजूद थे। पाइप टेस्ट करते समय प्रेशर ज्यादा होने की वजह से प्रेशर रोकने के लिए लगाया गया लोहे का सॉकेट निकल गया तथा तीनों को जा लगा। इस घटना में मनोज कुमार तथा ईश्वर दत्त शर्मा की मौत हो गई, जबकि राजवीर गंभीर रूप से घायल है।

संस्कार भारती संकुल में साहित्य-कला संवाद का आयोजन

नई दिल्ली। संस्कार भारती के कला संकुल ने अमर्त्य साहित्य-कला-संवाद के भाग-1 का आयोजन किया। इस सारस्वत आयोजन की मुख्य अतिथि साहित्य जगत की सुप्रसिद्ध व्यक्तित्व, साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष और हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा रहीं। उन्होंने जलज कुमार अनुपम के साथ हुए संवाद में कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई हिन्दी में लड़ी गयी है। संस्कार भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री अभिजीत गोखले ने कहा कि आज इस संवाद श्रृंखला की शुरुआत की गई है। संस्कार भारती के अशोक तिवारी ने कहा कि युवाओं को साहित्य और कला के पक्ष में मार्गदर्शन के लिए ऐसे कार्यक्रमों की जरुरत है। कार्यक्रम का सह संयोजन और मंच संचालन भूपेन्द्र कुमार भगत ने किया और धन्यवाद ज्ञापन हर्षित कुमार ने किया।

स्कॉर्पियो के स्टाइलिश नंबर पर 24 हजार का चालान

गाजियाबाद। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एक स्कॉर्पियो को 24 हजार रुपए का चालान काटा है। काले रंग की स्कॉर्पियो की नंबर प्लेट पर नंबर स्टाइल से लिखा था, नंबर प्लेट के बराबर में ही गुर्जर शब्द लिखा हुआ था। इस स्कॉर्पियो का फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने तुरंत स्कॉर्पियो की जांच शुरू कर दी। पता चला कि इसका प्रदूषण प्रमाण पत्र भी वैध नहीं है। जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने प्रदूषण फैलाने पर 10 हजार रुपए, दोषपूर्ण नंबर प्लेट पर 10 हजार रुपए, बिना इंश्योरेंस ड्राइविंग करने पर दो हजार रुपए और गलत तरीके से गाड़ी चलाने पर दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

चांद पर भारत का झंडा लहराते ही उत्साह से झूमा एनसीआर

● सफल लैंडिंग के बाद घरों से निकलकर लगाए भारत माता जय के नारे

नोएडा में चंद्रायन-3 की सफलता के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करते लोग।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/गाजियाबाद

भारत के मिशन चन्द्रयान-3 ने इतिहास रच दिया है। चांद पर चन्द्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग ने हर भारतीय का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग होते ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में रहने वाले झूम उठे। शहर में कई सोसायटियों व सेक्टरों में लोगों ने घरों से निकलकर चन्द्रयान-3 मिशन की सफलता पर मिठाईयां बांटी और भारत माता की जय के नारे लगाये। कुछ लोग अपने घरों में टीवी स्क्रीन चन्द्रयान-3 की लैंडिंग देखते रहे तो कुछ इंटरनेट पर चन्द्रयान-3 की लैंडिंग के बारे में जानकारियां लेते रहे। एनसीआर के लोगों ने ने इसरो के वैज्ञानिकों को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई दी है।

नोएडा के सेक्टर-28 में रहने वाले अरूण सोलंकी ने चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि आज हर भारतवासी के लिए गर्व का दिन है। भारत दुनिया का ऐसा पहला देश है जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने में सफलता हासिल कर अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ को भी पीछे छोड़ दिया है।

सेक्टर-34 में रहने वाली महिला उद्यमी रशमी शर्मा ने चन्द्रयान-3 की सफलता के लिए केन्द्र सरकार तथा इसरो के वैज्ञानिकों को सराहा। उन्होंने कहा कि आज भारत ने इतिहास रच दिया है। हमारा देश इतने कम समय में अंतरिक्ष में ऐसा बड़ा इतिहास रचेगा इसका आभास दुनिया भर को नहीं था। इसरो के वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाई है।

व्यवसायी राघव मेहता चन्द्रयान-3 की सफलता पर कहा कि चांद तो केवल शुरूआत है इसरो को तो मंगल और शुक्र तक जाना है। भारत के इस मिशन ने महाशक्ति अमेरिका और चीन को भी दिखा दिया है कि आने वाला समय भारत का है।

हनुमान मंदिर में हवन

गाजियाबाद। चंद्रायन-3 की चांद पर लैंडिंग होते ही देश इतिहास रच दिया। चंद्रायन की सफल लैंडिंग को लेकर देश भर में हवन पूजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गाजियाबाद के संजयनगर स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान सेवा ट्रस्ट द्वारा हवन कराया गया। चंद्रयान की सफल लैंडिंग की कामना को लेकर पंडित सुरेन्द्र तिवारी, पंडित संजय चतुर्वेदी, पंडित इन्द्रेश कुलश्रेष्ठ, मुकेश शर्मा ने हवन कराया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने यज्ञ में आहूति दी।

दूधेश्वर मंदिर में चंद्रयान-3 की सफलता के लिए यज्ञ-पूजा

● महंत नारायण महाराज ने मंत्रोच्चार के साथ किया रुद्राभिषेक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

विश्व भर में भारत के लिए चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाया गया। इसी क्रम में गाजियाबाद में प्राचीन दूधेश्वर मंदिर में महंत निधि गिरी नारायण महाराज द्वारा चंद्रयान तीन की सफलता के लिए हवन यज्ञ वैदिक मंत्र उच्चारण की पूजा पाठ किया। महंत गिरी महाराज ने कहा कि आज विश्व भर में यह भारत के लिए गौरव का क्षण है कि जब भारत के वैज्ञानिक चंद्रमा पर चंद्रयान तीन उतार कर हिंदुस्तान के स्वर्णिम इतिहास लिखा है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए भगवान शिव का रुद्राभिषेक करके हवन यज्ञ और मंत्र उपचार के साथ सभी मिल बैठकर कामना की। मैनपुरी नारायण महाराज ने देशवासियों को चंद्रयान तीन की सफलता के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं।

मेयर ने जीडीए से मांगी कम्युनिटी सेंटर की रिपोर्ट

गाजियाबाद। कम्युनिटी सेंटर को लेकर मामला अब जीडीए तक पहुंच गया। मेयर सुनीता दयाल की ओर से इस संबंध में एक पत्र जीडीए को भेजा गया। मेयर ने जीडीए से कहा है कि वर्ष 1995 से लेकर अब तक पूरे शहर में जीडीए ने कितने कम्युनिटी सेंटर बनाए है। इनमें से कितने और कहां बने कम्युनिटी सेंटर को बनाने के बाद जीडीए ने नगर निगम को हैंडओवर किया है। यह पत्र मेयर ने हाल ही में जीडीए वीसी आरके सिंह को लिखा है। इसके पीछे मेयर का मकसद सीधा है। उनका मानना है कि अगर जीडीए यह डिटेल देगा तो इससे पहा चलेगा कि नगर निगम ने ऐसे कितने कम्युनिटी सेंटर शहर में जिन कम्युनिटी सेंटर नगर निगम ने अपने अंडर में नहीं लिया है।

बांग्लादेशी सानिया वकील के साथ पहुंची पति के घर

● कहा- सौरभ ने शादी करके मुझे धोखा दिया, वह मुझे पत्नी माने सिर्फ यही डिमांड

बच्चे के साथ बांग्लादेशी महिला। (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सीमा हैदर के बाद बांग्लादेशी सानिया का नोएडा कनेक्शन सामने आया है। वह 1 साल के बच्चे को लेकर पूरी प्लानिंग के साथ भारत आई है। उसने पहले वकील हायर किया। फिर नोएडा के सौरभ कांत तिवारी के घर पहुंची। इसके बाद उसने सौरभ के खिलाफमहिला थाने में शिकायत की।

सानिया कहना है कि सौरभ ने उसे धोखा दिया है। उसने झूठ बोलकर निकाह किया, फिर छोड़कर चला आया। तब से वह फोन नहीं उठा रहा है। मेरी सिर्फ यही डिमांड है कि वह मुझे पत्नी मानें। सानिया ने पुलिस को शादी की फोटोज भी दिखाए हैं।

सानिया के वकील ने बताया, 2017 में सौरभ तिवारी नोएडा से बांग्लादेश जॉब पर गए था। वहां सोनिया और सौरभ की मुलाकात हुई। इसके बाद दोस्ती हुई। सौरभ ने सोनिया को प्रपोजल दिया। उन्होंने सोनिया को बताया था कि उनकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। इसके बाद कानूनी रूप से धर्म बदला और दोनों ने निकाह किया। वकील ने बताया दिसंबर 2022 को सौरभ वापस भारत आ गए। इसके बाद से उन्होंने सोनिया का फोन उठाना बंद कर दिया। 1 मई 2023 को सानिया ने हमसे संपर्क किया। मैंने कहा कि आप पूरे डॉक्यूमेंट के साथ भारत आइए। 3 अगस्त को सानिया भारत आई। इसके बाद से सौरभ से मिलने का प्रयास कर रही है। उनकी सिर्फ एक मांग है कि सौरभ उन्हें अपनी पत्नी स्वीकार कर ले। उनका एक साल का बच्चा है। इसके बाद वकील ने उनके कुछ फोटोग्राफ और पर्यटक स्थलों के फोटो भी दिखाए। सानिया ने दावा किया कि एक साल का बच्चा सौरभ कांत तिवारी का है। पूछताछ के बाद सौरभ कांत ने बताया, सोनिया और उसके परिवार ने हनीट्रैप किया है। बांग्लादेश में उसके साथ मारपीट की गई। जबरदस्ती निकाह के कागजों पर साइन कराए गए। महिला के आरोप निराधार है। परिवार और महिला ने प्लान कर मुझे फ साया। बांग्लादेश कोर्ट में मैंने तलाक के लिए याचिका दायर की हुई है। फैसला आने का इंतजार है। सोनिया ने एक करोड़ की डिमांड की थी, जिसे मैं पूरा नहीं कर पाया। इसलिए वह ऐसा कर रही है। सौरभ ने बताया, कोविड की वजह से मैं भारत नहीं आ पाया। ये मेरे घर में आने लगे। मेरे पूजा पाठ पर रोक लगाने लगी।

एक्सपो मार्ट में लगेगा उत्तर प्रदेश का पहला इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

● 21 से 25 सितंबर के बीच में यूपी की सामाजिक सांस्कृतिक विरासत, खानपान की दिखेगी झलक

ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट। (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश का पहला इंटरनेशनल ट्रेड फेयर ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में 21 से 25 सितंबर के बीच आयोजित होगा। इस ट्रेड फेयर में प्रदेश की सामाजिक व सांस्कृतिक विरासत, खान.पान, वेश.भूषा, पर्यटन व प्रमुख उत्पादों की झलक देखने को मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, ईपीसीएच के चेयरमैन राकेश कुमार और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आनंद वर्धन, ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव समेत सभी वरिष्ठ अधिकारियों संग एक्सपो मार्ट में बैठक की और संबंधित महकमों को आवश्यक निर्देश दिए।

सीईओ एनजी रवि कुमार ने ईपीसीएच से कहा कि आधुनिक उत्तर प्रदेश की झलक दिखाने के लिए इससे बि?या प्लेटफ र्म नहीं हो सकता। इसलिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश हो या फिर, पूर्वांचल, अवध क्षेत्र हो या फि र ब्रज क्षेत्र, सभी जगहों की सामाजिक व सांस्कृतिक विरासत, खान.पान, वेश.भूषा, पर्यटन व प्रमुख उत्पादों की प्रस्तुति इस इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में दिखनी चाहिए।

अलग-अलग टीमें बनाकर इन लोगों से संपर्क करने और ट्रेड फेयर में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित करने को कहा है। सीईओ ने एनसीआर के सभी शिक्षण संस्थानों, जिनमें स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय सभी शामिल हैं, संपर्क करने को कहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद व एनसीआर के अन्य शहरों की आरडब्ल्यूए व सामाजिक संगठनों को ट्रेड फेयर में बुलाने को कहा है। ट्रेड फेयर में जन सहभागिता के लिए सभी मेट्रो स्टेशनों, प्रमुख चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग.बैनर लगाए जाएंगे। ट्रेड फेयर में नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण के खुद के स्टाल होंगे, जिन पर तीनों प्राधिकरणों की उपलब्धियां, वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट व भावी परियोजनाओं के बारे में जानकारी साझा की जाएगी।

ट्रेड फेयर के दौरान लोक कलाकार प्रतिदिन सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी कलाओं को प्रदर्शित करेंगे। सीईओ ने ट्रेड फेयर से युवाओं को जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। ट्रेड फेयर में हिस्सा लेने के लिए प्रदेश भर से उद्यमियों व व्यापारिक संगठनों को भी आमंत्रित किया जाएगा। मंगलवार को बैठक में मेहमानों के ठहराने, सुरक्षा, परिवहन, ट्रैफिक व्यवस्था आदि विषयों पर भी चर्चा की गई।

रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना, उमस से राहत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और गाजियाबाद में सुबह से आकाश में काले घने बादल छाने के साथ रुक रुक कर तेज और हल्की बारिश हो रही है। बारिश ने लोगों को भीषण उमस से राहत दी है। बुधवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की उम्मीद है। वहीं बारिश के दौरान सुबह 9 बजे का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान एनसीआर में मंद गति से हवाएं चली हैं जिससे लोगों को गर्मी और उमस से थोड़ी राहत मिली।

अनुमान के तहत दोपहर बाद तक बारिश होगी। अगस्त में चार साल बाद तापमान 38.1 डिग्री को छू गया। यह सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। आईएमडी के मुताबिक नोएडा में 12 घंटे तक बारिश का अनुमान है। इसके बाद बादल और धूप का सिलसिला रहेगा। अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक रहेगा। यानी बारिश के बाद एक फिर लोगों को तेज गर्मी और उमस झेलनी पड़ेगी। वही नमी की मात्रा 95 प्रतिशत और हवा की रफ्तार 5 से 6 किमी प्रतिघंटा रिकार्ड की जा रही है। बारिश की वजह से नोएडा की प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक थोड़ा धीमा रहा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

चंद्रयान-3 की सफलता पर उमड़ा भावनाओं का समंदर, छात्रों में उत्साह

पोस्टर,स्लोगन, पेंटिंग, मानव श्रृंखला बनाकर शुभकामनायें भेज रहे बच्चे, स्कूलों में उत्सव जैसा माहौल, केजरीवाल ने कहा- हमारे वैज्ञानिक हमारा गौरव

- चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए सरकारी स्कूलों के हजारों बच्चे इसरो को अपनी शुभकामनायें दीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के लिए 23 अगस्त का दिन ऐतिहासिक है। आज के दिन अपने अन्तरिक्ष कार्यक्रम के माध्यम से दुनिया के विकसित देशों को पछाड़ते हुए भारत का चंद्रयान, चंद्रमा की सतह पर सफलता पूर्वक अपना कदम रखा। इस मिशन की सफलता को लेकर के लेकर स्कूलों के बच्चों में जबरदस्त उत्साह दिखा। साथ ही स्कूलों में उत्सव जैसा माहौल रहा। चंद्रयान-3 के सफल लैंडिंग के लिए सरकारी स्कूलों के हजारों बच्चे इसरो को अपनी शुभकामनायें दे रहे है। बच्चे चंद्रयान-3 की सफलता के लिए न केवल प्रार्थना कर रहे है बल्कि पोस्टर, पेंटिंग, स्लोगन, मानव श्रृंखला बनाकर मिशन की सफलता के लिए अपनी भावनाएं भी व्यक्त कर रहे है और इसरो को अपनी शुभकामनायें दे रहे है।

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि, दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के उत्साह को देखकर प्रसन्नता हो रही है। स्कूली बच्चे चंद्रयान-3 की लैंडिंग का इंतजार कई दिनों से कर रहे थे। इन बच्चों के शुभकामनाओं ने शाम के उत्साह और बढ़ा दिया। देश वासियों को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व हैं। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि स्कूली बच्चों की ओर से इसरो को चन्द्रयान-3 की लैंडिंग के इस ऐतिहासिक दिन पर लगातार शुभकामनाएँ आ रही है। देश के वैज्ञानिक हमारा सबसे बड़ा गौरव और हमारे बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

चंद्रयान-3, चाँद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का सरकारी स्कूलों के बच्चे इस ऐतिहासिक पल का गवाह बने इसके लिए शिक्षा निदेशालय ने अपने बहुत से स्कूलों में सीधा प्रसारण दिखाने का विशेष प्रबंध किया था जहाँ बड़ी-बड़ी स्क्रीन पर बच्चों को लाइव ब्रॉडकास्ट दिखाया गया। इस कड़ी में सर्वोदय को-एड बाल विद्यालय (कौटिल्य), चिराग एन्क्लेव ने छात्रों के लिए चंद्रयान-3 की चंद्रमा लैंडिंग कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने के लिए विशेष व्यवस्था गई थी। जहाँ शिक्षा मंत्री आतिशी स्वयं छात्रों के साथ कायक्रम में हिस्सा लिया।

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के ऐतिहासिक क्षण पर राजधानी स्थित नेहरू प्लेनेटोरियम में खुशी का इजहार करते बच्चे व युवा। फोटो : रंजन डिमरी

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद गुरुद्वारा बंगला साहिब में हाथ जोड़कर धन्यवाद करते केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी।

देश के लिए बड़ी उपलब्धि : केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग को ऐतिहासिक और देश के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को बधाई दी। केजरीवाल ने एक्स पर कहा यह ऐतिहासिक है। देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। हम सबके लिए गर्व की बात है। चंद्रयान-3 की सफलता के लिए सभी देशवासियों, इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियर और कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई। भारत माता की जय।

व्यापारियों ने मनाया जश्न

नई दिल्ली। देश भर के व्यापारियों ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा भेजे गये चन्द्रयान-3 के चंद्रमा पर सफलतापूर्व उतरने पर दिल्ली समेत देशभर में खूब जश्न मनाया और इसरो के वैज्ञानिकों को देश का गौरव बताते हुए उन्हें बधाई दी। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी के नेतृत्व में रायपुर पहुँचे देश के सभी राज्यों के 150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने जमकर रायपुर एयरपोर्ट पर खूब जश्न मनाते हुए भारत माता की जय के नारे लगाए।

जगह-जगह विशेष प्रार्थना, स्कूलों में कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल के चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने को लेकर दिल्ली के कई हिस्सों में मंदिरों, मस्जिदों और गुरुद्वारों में बुधवार को विशेष प्रार्थनाएं की गईं। केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अभियान की सफलता के लिए बंगला साहिब गुरुद्वारे में अन्य लोगों के साथ विशेष अरदास की।

इस बीच, विश्व हिंदू परिषद ने भारत की महत्वाकांक्षी परियोजना की सफलता के लिए प्रार्थना करते हुए संत नगर बुराड़ी में एक यज्ञ का आयोजन किया। आर्य समाज मंदिर के वैदिक आचार्य विमलेश बंसल ने कहा, हमें अटूट विश्वास है कि शुद्ध मन और वेदों के विशेष मंत्रों के साथ की गई हमारी सामूहिक प्रार्थना भगवान निश्चित रूप से सुनेंगे। मंडोली में अल जमीयतुल इस्लामिया इस्लाहुल बनत मदरसा की लगभग 150 छात्राएं भी चंद्रयान लैंडर की निर्धारित लैंडिंग से कुछ घंटे पहले आयोजित एक विशेष प्रार्थना का हिस्सा बनीं। दिल्ली सरकार के स्कूली बच्चे भी विशेष पोस्टर बनाकर चंद्रयान लैंडर की सफल लैंडिंग के लिए प्रार्थना करने में देश के साथ शामिल हुए।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्कूली बच्चों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, चंद्रयान-3 की लैंडिंग का इंतजार कर रहे दिल्ली सरकार के स्कूली बच्चों की सच्ची दिलचस्पी और उत्साह देखकर खुशी हुई। इनकी हार्दिक शुभकामनाएं शाम के उत्साह को और बढ़ा देती हैं। हमारे वैज्ञानिक हमें बेहद गौरवान्वित कर रहे हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता के लिए हवन-पूजा करते श्रद्धालु। वहीं सफल लैंडिंग के बाद बच्चों के साथ खुशी मनाती मंत्री आतिशी।

विज्ञान की नई चेतना का उदय : प्रो. योगेश

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने देश वासियों समेत इसरों के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि इस सफलता से भारत में विज्ञान की नई चेतना का उदय हुआ है। इससे देश में रिसर्च के नए आयाम खुलेंगे। योगेश सिंह ने कहा कि इसरो ने मिशन चंद्रयान-3 को सफल करके इतिहास रच दिया है। उन्हें गर्व है कि भारत चंद्रमा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। यह सभी भारतियों के लिए गर्व के पल हैं। आज हम अपने प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों की बदौलत चाँद पर पहुँच गए हैं। कुलपति ने कहा कि भारत की यह सफलता अंतरग्रहीय मिशनों के लिए आवश्यक नई तकनीकों को विकसित और प्रदर्शित करने में भविष्य में बहुत मददगार साबित होगी।

वैज्ञानिकों ने की मिशन की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के महत्वाकांक्षी चंद्रयान-3 मिशन की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की वैज्ञानिक समुदाय ने सराहना की है। प्रमुख वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कहा कि यह शानदार उपलब्धि न केवल चंद्र अन्वेषण पर भारत की विशिष्ट छाप को दर्शाती है, बल्कि मानव सहयोग, दृढ़ संकल्प और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की शक्ति को भी प्रदर्शित करती है।

भारतीय तारा भौतिकी संस्थान बेंगलुरु के वैज्ञानिक डॉ. क्रिसफिन कार्तिक ने मीडिया से बातचीत में कहाचंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग अंतरिक्ष यात्रा की दिशा में हमारी सामूहिक प्रगति का प्रमाण है। यह विविधता में एकता की सुंदरता को दर्शाता है क्योंकि हम एक साथ ब्रह्मांड में यात्रा करते हैं। कार्तिक ने कहा, धीमे ही सही, लक्ष्य तक पहुंचना यह कहने से बेहतर है कि हमने दौड़ जीत ली। शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली-एनसीआर में प्रोफेसर और ओम्निप्रेजेंट रोबोट टेक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आकाश सिन्हा ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की कामयाबी को ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सराहा, जो नई पीढ़ी के भावी वैज्ञानिकों को प्रेरित करेगी।

खगोल भौतिकी विद संदीप चक्रवर्ती ने कहा कि चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। भारतीय अंतरिक्ष भौतिक विज्ञान केंद्र, कोलकाता के निदेशक ने कहा, सॉफ्ट लैंडिंग चंद्रमा से भविष्य की गतिविधियों के लिए एक शुरुआत है।

आईजीआई रनवे पर पहुंचे विस्तारा के दो विमान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- डीजीसीए ने हवाई यातायात नियंत्रक को ड्यूटी से हटाया

इंदिरा गांधी हवाईअड्डे पर बुधवार को उस वक्त एक बड़ा हादसा टल गया जब हवाई यातायात नियंत्रक की चूक की वजह से एक ही रनवे पर विमानन कंपनी विस्तार के दो विमान पहुंच गए। मामले की जानकारी होने पर नियंत्रक ने एक विमान की उड़ान को तत्काल रोकने का निर्देश दिया।

इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के अधिकारी ने बताया कि विमानन नियामक डीजीसीए इस घटना की जांच करेगा और संबंधित हवाई यातायात नियंत्रक को ड्यूटी से हटा दिया गया है। इस घटना में अहमदाबाद से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी एक उड़ान और यहां से बागडोगरा के लिए उड़ान भरने वाली एक अन्य उड़ान शामिल थीं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विस्तार का विमान वीटीआई926 जिससे अहमदाबाद-दिल्ली उड़ान संचालित की जानी थी इस मामले में शामिल था। अधिकारी ने कहा कि विमान रनवे 29एल पर उतरा और हवाई यातायात नियंत्रक द्वारा उसे रनवे 29आर पार करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा, उसी समय नियंत्रक ने रनवे 29आर से विस्तार के ही एक अन्य विमान वीटीआई725 को भी उड़ान भरने की अनुमति दे दी।

अधिकारी के अनुसार, संबंधित वायु नियंत्रक को ड्यूटी से हटा दिया (डीरोस्टर) गया है और नियामक घटना की जांच करेगा। क्षण भर के लिए, टॉवर नियंत्रक विमानों के एक ही समय वहां से गुजरने की बात को भूल गया और रनवे 29आर से विस्तार की एक अन्य उड़ान वीटीआई725 (दिल्ली-बागडोगरा) को उड़ान भरने की मंजूरी दे दी। उड़ान संख्या वीटीआई926 से मिली जानकारी के आधार पर त्रुटि का एहसास होने के बाद टावर नियंत्रक ने उड़ान संख्या वीटीआई725 को उड़ान रद्द करने का निर्देश दिया।

सिख दंगा: सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगे के दौरान एक गुरुद्वारे को जलाने से संबंधित एक मामले में मुख्य उकसाने वाला शख्स करार देते हुए दिल्ली की अदालत ने बुधवार को उनके खिलाफ आरोप तय किए जिससे उनपर मुकदमे का रास्ता साफ हो गया।

विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने कहा कि प्रथम दृष्टया उन्हें लगता है कि अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए सबूत यह मानने के लिए पर्याप्त हैं कि एक नवंबर, 1984 को नवादा क्षेत्र के गुलाब बाग में एक गुरुद्वारे के समीप डंडों, लोहे की सरिया, ईंटों और पत्थरों आदि से लैस सैंकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे।

एनडीएमसी ने दी सातवें वेतन आयोग के प्रस्तावों को मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मुख्य गोल मार्केट भवन को संग्रहालय बनाने समेत विभिन्न प्रस्ताव किए पास

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने बुधवार को एक बैठक में अपने कर्मचारियों को सातवें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) के अनुसार वेतनमान देने और मुख्य गोल मार्केट भवन को संग्रहालय बनाने समेत विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गोल मार्केट की पुनर्विकास योजना को मंजूरी दी गई है और वहां की मुख्य इमारत को संग्रहालय में बदल दिया जाएगा। आज परिषद की बैठक के बाद हमने गोल मार्केट के पुनर्विकास की योजना को मंजूरी दी। हम मुख्य भवन को एक संग्रहालय में बदलने की भी योजना बना रहे हैं जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हो सकता है। हमने अतिथि शिक्षकों और सलाहकारों के वेतन में असमानता को समाप्त करने का भी निर्णय लिया है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में एक कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को चुनाव आयोग का नेशनल आइकॉन बनाए जाने पर सम्मानित करते मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, अन्य चुनाव आयुक्त अरुण गोयल और अनूप चंद्र पांडेय।

तीर्थ यात्रा योजना के तहत ट्रेन द्वारकाधीश के लिए रवाना

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत बुधवार को 74वीं तीर्थ यात्रा ट्रेन 780 बुजुर्गों को लेकर द्वारकाधीश का दर्शन कराने के लिए रवाना हुई। तीर्थ यात्रियों के लिए त्यागराज स्टेडियम में भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री आतिशी यहाँ पहुंचकर तीर्थ-यात्रियों से मुलाकात की और उन्हें यात्रा टिकट व किट सौंपा। अब तक 73 ट्रेनों के माध्यम से लगभग 72 हजार बुजुर्गों को तीर्थ-यात्रा पर भेजा गया है।

न्यायमूर्ति प्रकाश ने एनजीटी अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली। कोलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने बुधवार को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव की नियुक्ति को केंद्र सरकार की मंत्रिमंडल नियुक्ति समिति ने 14 अगस्त को मंजूरी दी थी। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने दिल्ली के कॉपरनिकस मार्ग स्थित एनजीटी के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पद की शपथ ली।

जी-20 : प्रगति मैदान तक कार काफिले के साथ किया रिहर्सल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ट्रैफिक पुलिस ने सम्मलेन में मेहमानों के लिए यातायात व्यवस्था को किया जा रहा दुरुस्त

राष्ट्रीय राजधानी में सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मलेन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सम्मलेन के लिए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। यातायात पुलिस ने बुधवार को कई होटलों से प्रगति मैदान तक कार काफिला निकालकर फुल ड्रेस रिहर्सल किया। काफिला विभिन्न होटलों से शुरू होकर प्रगति मैदान में समाप्त हुआ।

इस कार के रिहर्सल का रूट यातायात पुलिस द्वारा तैयार किया गया था। जिसमें रिहर्सल के हिस्से के रूप में सलीमगढ़ बाईपास, महात्मा गांधी मार्ग, भैरों मार्ग, मथुरा रोड, सी-हेक्सागन, सरदार पटेल मार्ग और गुरुग्रम रोड शामिल थे।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि यह अभ्यास जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करनेके लिए था। रिहर्सल से पहले, यातायात पुलिस ने यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वाहनों काफिले की आवाजाही सुनिश्चित करने और विशेष यातायात व्यवस्थाओं के कारण सुबह 11 बजे तक इन प्रमुख मार्गों पर भीड़भाड़ रहने की उम्मीद जताई थी।

कैलाश गहलोत के आवास के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ओएसडी नियुक्त करने पर उनके इस्तीफे की मांग

भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सिविल लाइंस में मंत्री कैलाश गहलोत के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया तथा नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी एक अधिकारी को तत्कालीन महिला एवं बाल विकास मंत्री पद पर रहते हुए अपना विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त करने पर उनके इस्तीफे की मांग की। भाजपा प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जिस अधिकारी पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप है, वह उस समय मंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्यरत था। उस वक्त गहलोत महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) मंत्री थे।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि जिस अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है, उसे गहलोत ने चुना था। अधिकारी को डब्ल्यूसीडी विभाग के उप निदेशक के पद से निलंबित कर दिया गया है।

इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) नेता की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

राजधानी के सिविल लाइंस स्थित मंत्री कैलाश गहलोत के घर प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकता।

आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, प्रेमोदय खाखा नामक व्यक्ति को पिछले साल 29 मार्च को तत्कालीन डब्ल्यूसीडी मंत्री कैलाश गहलोत के ओएसडी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। उक्त विभाग आतिशी को सौंपे जाने के बाद इस साल 10 मार्च को डब्ल्यूसीडी मंत्री के ओएसडी के पद से हटाया गया। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद सोमवार को खाखा को निलंबित कर दिया गया तथा बाद में, पुलिस ने डब्ल्यूसीडी अधिकारी और उसकी पत्नी से पूछताछ करने और पीड़िता का बयान दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
एन एफ एल NFL
ए-11, सेक्टर-24, नोएडा - 201301
फोन: 0120-2412294, 2412445, फैक्स: 0120-2412397
निविदा सूचना
प्रर्याप्त अनुभव रखने वाले संभावित बोलीदाताओं से एनएफएल कॉरपोरेट कार्यालय नोएडा के सिविल कार्यो हेतु वार्षिक रेट कांट्रेक्ट के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 13.09.2023, 3.30 बजे अपराह्न है।
संपूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट www.nationalfertilizers.com or https://etenders.gov.in देखें। इस निविदा के लिए किसी भी संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट को केवल हमारी वेबसाइटों पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया श्री अनुराग राठी, मु.प्र. (तकनीकी), 9650350069 से संपर्क करें।
महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट)
@NFL_Kisan @nationalfertilizers National Fertilizer Limited

विधायक मामन खान की पत्नी बता महिला ने घर में घुसने का किया प्रयास

अज्ञात महिला के खिलाफ विधायक की पत्नी ने दी शिकायत

राजनीतिक विरोधियों के कहने पर वसूली केस में फंसाने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक मामन खान।

जिस कांग्रेस विधायक मामन खान पर नूंह दंगों को भड़काने के आरोप लगे हैं, एक महिला ने खुद को उनकी पत्नी बताकर जबरदस्ती उनके घर में घुसने का प्रयास किया। उस समय घर पर मौजूद विधायक की पत्नी शमशाद ने इस बारे में पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक विरोधियों की साजिश है। उनके पति से जबरन वसूली करने का प्रयास किया गया है।

पुलिस को दी शिकायत में विधायक मामन खान की पत्नी शमशाद ने कहा कि वह मकान नंबर-5बी, वाइन स्ट्रीट सेक्टर-47 मालिबू टाउन गुरुग्राम में रहती हैं। 22 अगस्त को शाम करीब 7:47 बजे उनके पति के पास एक अज्ञात मोबाइल नंबर-9354120206 से कॉल आई। कॉल करने वाले ने उनके पति मामन खान से कहा कि मैं आपकी पत्नी को ऑटो रिक्शा से घर लेकर आ रहा हूं। आप अपनी लोकेशन भेज दो। जवाब में उनके पति ने कहा कि मेरी पत्नी को घर पर ही है। यह सुनकर उस व्यक्ति ने कॉल काट दी। विधायक की पत्नी के मुताबिक उनके पति ने इस बारे में पुलिस कमिश्नर को फोन करके व वाट्सअप पर मैसेज करके इस सारी घटना की जानकारी दी।

वह अज्ञात औरत रात को करीब 8 बजे उनके घर के बाहर एक ऑटो से उतरी और 10-15 बार घंटी बजाई। जबरदस्ती घर में घुसने की कोशिश की। उनकी बेटी ने यह बात अपने पिता मामन खान को बताई। पूछा कि क्या वे घंटी बजा रहे हैं। जवाब में मामन खान ने कहा कि वह घर से अभी बाहर हैं। वे घंटी नहीं बजा रहे। जब मालिबू टाउन के सुरक्षाकर्मियों को वहां भेजा और घंटी बजा रही अज्ञात महिला को अपने साथ ले गई। विधायक मामन खान ने रात को घर आकर डायल 112 पर कॉल की। आरोप है कि वह महिला बार-बार विधायक मामन खान के मोबाइल पर कॉल करती रही। मामन खान की पत्नी शमशाद ने कहा कि इसी तरह वर्ष 2018-19 में भी उनके पति के राजनैतिक विरोधियों ने इसी तरह के झूठे एक्सटॉर्शन केस में अज्ञात महिला के माध्यम से फंसाने की कोशिश की थी। यह महिला उनके पति को बदनाम करना चाहती है। उनके परिवार का उससे कोई लेना-देना नहीं है। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की शमशाद ने मांग की है।

सरकार को विधानसभा सत्र में घेरने की कांग्रेस की पूरी तैयारी

मेवात। विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा - जजपा गठबंधन की सरकार को घेरने की विपक्षी दल कांग्रेस ने पूरी तैयारी कर ली है। कांग्रेस विधायक एवं सीएलपी उपनेता आफताब अहमद ने बातचीत के दौरान कहा कि इस बार कांग्रेस सरकार को घेरने की कोई कमी नहीं छोड़ेगी। विधायक आफताब अहमद कांग्रेस नूंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि नूंह हिंसा में कानून - व्यवस्था की सरकार की जो फेलियर है। बार - बार हरियाणा में पिछले 9 सालों में विभिन्न कानून - व्यवस्था पर सवालिया निशान लगते रहे हैं। गत 31 जुलाई की घटना ताजा उदाहरण है। वह बहुत बड़ा मुद्दा विधानसभा में इस बार रहने वाला है। बाढ़ का जो नियंत्रण व निपटारा या मुआवजा होना चाहिए था। उस पर सरकार को घेरने की पूरी कोशिश होगी। किसानों के साथ जो इस बेदर्द सरकार ने असली चेहरा उभरकर दिखाया है, वह भी विधानसभा में रहने वाला है। कांग्रेस नेता आफताब अहमद में कहा कि सीईटी तथा बेरोजगारी का मुद्दा भी मजबूती के साथ उठाया जाएगा।

जैन बिरादरी में विधायक सुधीर सिंगला ने जैन संतों से लिया आशीर्वाद

श्री 1008 भगवान पार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव में पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जैन बारादरी में जैन संतों से आशीर्वाद लेते विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जैकमपुरा में आयोजित श्री 1008 भगवान पार्श्वनाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव में शिरकत की। यहां उन्होंने जैन संतों का आशीर्वाद लिया और जैन समाज के लोगों को इस दिन की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में महाराज श्री 108 अनुमान सागर जी से विधायक सुधीर सिंगला ने आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि समाज को सन्मार्ग दिखाने के लिए जैन संतों की भूमिका बहुत बड़ी है। संतों के प्रवचनों पर अमल करके समाज सेवा और संस्कारों से मजबूत हुआ है। विधायक ने जैन संतों की वाणी को सांझा करते हुए कहा कि मन की पवित्रता से जीवन आगे बढ़ता है। क्योंकि जीवन में मन ही है जो भटकता है और भटकाता है। यदि मन अपने वश में हो जाता है तो सब कुछ सही रहता है। जीवन का उत्थान होता है। उन्होंने कहा कि- भगवान महावीर कहते हैं कि तीर्थंकर की वाणी तुमने कितनी ही बार सुनी हो, उसका क्या फर्क पड़ा। अगर उसका कोई असर नहीं हुआ तो सुनने से क्या फायदा। मनुष्य को मनुष्यत्व को प्राप्त करने के लिए धर्म श्रवण करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि धरती पर जन्म लेने वाले हर व्यक्ति अहम होता है। चाहे हम किसी भी क्षेत्र में काम करते हों, चाहे कितने भी ऊंचे ओहदे पर हों, लेकिन हमारे भीतर आत्मीयता का भाव नहीं है तो हमारे जीवन का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा, इसमें कोई दोराय नहीं कि समाज सेवा के क्षेत्र में जैन समाज सदा अग्रणी रहता है। धर्म के साथ कर्म में भी समाज की भूमिका मजबूत रहती है। सभी के साथ प्रेम भाव से रहना, नेकी, ईमानदारी से काम करना हमारे जीवन को सुगम बनाता है। इस दौरान संदीप रमेश चंद जैन, विनय जैन आदि मौजूद थे।

छह साल से नहीं हुआ पेट्रोल-डीजल के मार्जिन मनी में संशोधन

हरियाणा व पंजाब के पेट्रोल पंप मालिकों ने उठाई मांग

नए जीएसटी नियमों के दायरे में आएं पेट्रोलियम उत्पाद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मार्जिन मनी में संशोधन को लेकर बैठक करते एसोसिएशन के पदाधिकारी।

हरियाणा व पंजाब के पेट्रोल पंप मालिकों ने पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री पर अपना मार्जिन बढ़ाने की मांग करते हुए कहा है कि छह साल में इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन ने एक राष्ट्र-एक कर के अनुरूप पेट्रोलियम उत्पादों को भी नये जीएसटी प्रावधानों के अंतर्गत लाने की मांग की।

पेट्रोलियम डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि इसमें आखिरी संशोधन वर्ष 2017 में ही हुआ था। विभिन्न एसोसिएशन पिछले छह वर्षों से तेल विपणन कंपनियों के साथ लगातार बातचीत कर रही हैं। मार्जिन में संशोधन के लिए अनुरोध कर रही हैं। मार्जिन में संशोधन प्रत्येक छह माह में निर्धारित किये गये थे, लेकिन पिछले छह वर्षों से इसमें कोई संशोधन नहीं हुआ है। कोविड के दौरान लगे विभिन्न प्रतिबंधों के कारण, पेट्रोलियम डीलरों को काफी नुकसान हुआ है,जबकि तेल कंपनियों ने रिकॉर्ड मुनाफा कमाया।

पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन पंजाब के प्रवक्ता मोंटी सहगल का कहना है कि भारत में ईंधन स्टेशनों का सबसे बड़ा नेटवर्क है। देशभर में 70 हजार से अधिक पेट्रोल पंप हैं। सरकार द्वारा इलैक्ट्रिक वाहनों के प्रसार पर जोर के बावजूद, यह अनुमान लगाया गया है कि निकट भविष्य में अर्थव्यवस्था की वृद्धि में पेट्रोलपंपों का योगदान भी बढ़ता रहेगा। कोरोना व लॉकडाउन और विभिन्न प्रतिबंधों के दौरान भी आपातकालीन सेवाओं के पहिए लगातार चलते रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल डीलर्स ने दिन-रात काम किया। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव मौजूदा परिदृश्य में भी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें मई 2022 से अपरिवर्तित बनी हुई हैं। इस बीच, तेल विपणन कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में अच्छा मुनाफा कमाया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह ने कहा कि 200 किलोलीटर से कम थ्रूपुट वाले छोटे डीलरों को तेल कंपनियों द्वारा विशेष पैकेज मिलना चाहिए। कई खराब पेट्रोल पंपों को देखते हुए तेल कंपनियों द्वारा नये पंप खोलने के फैसले को वापस लिया जाए।

हरियाणा के छोरे-छोरियां जाएंगे जर्मनी, डिप्टी सीएम ने दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़। हरियाणा के करीब तीन दर्जन छोरे व छोरियां जर्मनी में उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए जल्द ही उड़ान भरेंगे। ये युवा निशुल्क पढ़ाई के साथ-साथ करीब 80 हज़ार रुपए प्रतिमाह प्राप्त भी करेंगे। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को चंडीगढ़ में अपने सरकारी आवास पर प्रदेश भर के 32 लड़के एवं लड़कियों को जर्मनी का वीजा वितरित किया। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने इस अवसर पर वीजा हासिल करने वाले युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सबके माता-पिता ने दिन रात मेहनत करके आपको अच्छी शिक्षा दिलवाई है, ऐसे में आप सबका फर्ज बनता है कि जर्मनी में पहुंचकर आगे की शिक्षा बेहतर ढंग से लें और देश-प्रदेश के साथ ही अपने परिवार का नाम गौरवान्वित करें। उन्होंने अपने अनुभव सांझा करते हुए युवाओं को प्रेरित किया कि पढ़ाई के साथ-साथ काम करने से आपके परिवार पर भी आर्थिक बोझ नहीं बढ़ेगा और परिश्रम की भी आदत बनेगी।

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में हनुमान चालीसा पाठ करते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

चंद्रयान-3 की लैंडिंग की मिलेनियम सिटी में मनाई गई खुशी

प्रशासन ने सरकारी स्कूलों के बच्चों के साथ देखी चंद्रयान की लैंडिंग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम स्थित लघु सचिवालय में विद्यार्थियों के साथ चंद्रयान-3 की लैंडिंग देखते डीसी निशांत कुमार यादव।

भारत के महत्वाकांक्षी तीसरे चन्द्र मिशन के तहत चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल की लैंडिंग का साक्षी गुरुग्राम जिला बना। भारत की इस उपलब्धि का विभिन्न स्थानों पर सीधा प्रसारण किया गया। डीसी निशांत कुमार यादव व सोहना के एसडीएम प्रदीप सिंह लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में श्रवण एवं वाणी निःशक्त जन कल्याण केंद्र के विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। वहीं जिले में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने मिठाई बांटकर, पटाखे छुड़ाकर खुशियां मनाई।

अंतिरक्ष की दुनिया में भारत की श्रेष्ठतम उपलब्धि यानी चंद्रयान-3 के चांद की सतह पर उतरने के ऐतिहासिक क्षणों के का साक्षी बनने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को विभिन्न स्थानों पर लाइव प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई। डीसी निशांत कुमार यादव व सोहना के एसडीएम प्रदीप सिंह स्वयं लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में श्रवण एवं वाणी नि:शक्त जन कल्याण केंद्र के विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम में मौजूद रहे। डीसी निशांत कुमार यादव ने देश को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि पर सभी जिलावासियों को बधाई देते हुए कहा कि अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश है।

खिलाड़ियों को खेल सुविधा में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी: प्रदीप सिंह

सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में शुरु हुई चार दिवसीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से मिलते हुए एसडीएम प्रदीप सिंह।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना एसडीएम प्रदीप सिंह ने कहा खिलाड़ी और उसके सिखाने वाले गुरु की लगन और मेहनत कभी फेल नहीं जाती। एक दिन तीरंदाजी करने वाला क्षेत्र का खिलाड़ी ओलम्पिक में गोल्ड मेडल जीतकर लाएगा। खिलाड़ियों को स्थानीय स्टेडियम में सुविधाओं की कमी नहीं होने दी जाएगी।

बुधवार को स्थानीय खेल स्टेडियम में खंड स्तरीय चार दिवसीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। जिसका उद्घाटन एसडीएम प्रदीप सिंह ने किया। इस अवसर पर कोच भगवत सिंह, नगर परिषद के एसडीओ राजपाल सिंह और खेल स्टेडियम कमेटी के सदस्य और अधिकारी मौजूद थे। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 और 19 उम्र वाले खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी। चार दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में एक सौ के लगभग तीरंदाज निशाना साधेंगे। इस अवसर पर उद्घाटन करते हुए एसडीएम एंव खेल स्टेडियम कमेटी के प्रधान प्रदीप सिंह ने कहा कि स्थानीय स्टेडियम में कोच की कड़ी मेहनत से खिलाड़ी के अंदर छूपे हुनर अब तक शानदार प्रर्दशन रहा है। जिस प्रकार की लगन और मेहनत यहा के कोच और खिलाड़ियों में देखने को मिली है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ओलम्पिक में जाकर गोल्ड मेडल जीत कर लाएगा।

घर है नहीं, फिर भी चार मीटर दिखा बीपीएल सूची से किया बाहर

दो बच्चों की सिंगल पेरेंट है महिला कविता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

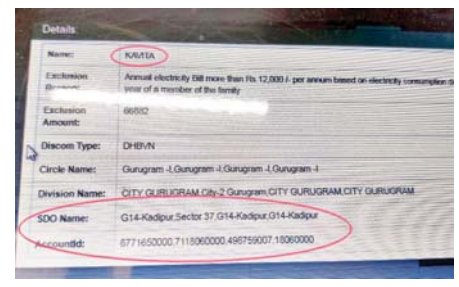

कविता के नाम पर ऑनलाइन साइट पर दर्शाए गए बिजली के चार मीटर।

पूरी दुनिया में उसके नाम पर कोई प्लॉट, मकान, दुकान नहीं है, फिर भी उसके नाम पर बिजली के चार मीटर दिखाकर उसे बीपीएल सूची से बाहर कर दिया गया। अब पीड़िता यह सफाई देती घूम रही है कि उसका बीपीएल गलत तरीके से काटा गया है। फिर से बीपीएल सूची में शामिल होने के लिए वह कभी बिजली विभाग तो कभी बीपीएल कार्ड से संबंधित विभाग में चक्कर काटने को मजबूर है। एक किसी एक के साथ नहीं, बल्कि और भी कई लोगों के साथ हुआ है।

सिंगल पेरेंट कविता के एक बेटा, एक बेटी दो बच्चे हैं। अपनी गरीबी से संबंधित सभी सरकारी नियम और शर्तों को पूरा करते हुए उन्होंने अपना बीपीएल कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया। सभी दस्तावेजों की जांच आदि के बाद करीब एक साल पहले उनका बीपीएल कार्ड बन गया। अब एकाएक उनको बीपीएल की सूची से बाहर कर दिया गया है। जब उन्होंने संबंधित विभाग में जाकर इसका कारण पूछा तो वे जवाब सुनकर खुद अचंभित रह गई। उन्हें विभाग के कर्मचारियों की ओर से बताया गया कि उनके नाम से दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के चार मीटर लगे हुए हैं। पीड़ित कविता ने सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इस बारे में ट्वीट किया है। इसके बाद खाद्य आपूर्ति विभाग से उन्हें कॉल आई। विभाग की ओर से कहा गया कि उनके स्तर पर कोई गलती नहीं हुई है। इसके लिए वे परिवार पहचान पत्र कार्यालय से संपर्क करें। जब वे परिवार पहचान पत्र कार्यालय गई तो पता चला कि उनके नाम से बिजली के चार मीटर हैं। गत सप्ताह वे कादीपुर बिजली कार्यालय में एसडीओ विपिन यादव से मिलीं। उन्होंने पंकज नाम के कर्मचारी से मिलने को कहा। उन्होंने कहा कि आज ही चारों मीटर रिकॉर्ड से हटा देंगे, लेकिन अब तक उनके नाम पर चार मीटर ही रिकॉर्ड में दर्ज हैं। कविता की तरह ही एक अन्य महिला को भी बीपीएल सूची से बाहर कर दिया गया। सरोज नाम की महिला नई बस्ती की रहने वाली है। वह भी अति गरीब महिला है। उसके नाम पर एसडीओ जी-24 मारुति के क्षेत्र में बिजली मीटर दर्शाया गया है, जबकि वह नई बस्ती में रहती है।

संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा व मंत्री राव इंद्रजीत ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ किया कार्यक्रमों पर मंथन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बुधवार को गुरुकमल कार्यालय में प्रदेश और जिला के पदाधिकारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों पर मंथन किया। इस बैठक में इसी सप्ताह शुरू होने वाले वोटर चेतना महाअभियान के अलावा आगामी दिनों में होने वाले सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव भी संगठन मंत्री के सामने रखे।

पहली बैठक गुरुग्राम जिला में रहने वाले प्रदेश पदाधिकारियों और फिर दूसरी बैठक जिला पदाधिकारियों तथा तीसरी बैठक मोर्चा जिला अध्यक्ष, विभाग एवं प्रकोष्ठ के जिला संयोजकों के साथ हुई। इन तीनों ही बैठकों की शुरुआत पदाधिकारियों के परिचय से हुई और फिर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा शुरू हुई।

मृत्यु के बाद भी जीवन दिया जा सकता है, ऐसी है सीपीआर तकनीक

सीपीआर तकनीक के प्रति जिलावासियों को जागरुक करेगा सीपीआर जागरुकता रथ

कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में व्यक्ति का जीवन बचाने में भूमिका निभाती है सीपीआर तकनीक

संजय कुमार मेहरा गुरुग्राम

गुरुग्राम के जिला के टीकली गांव के स्कूल में विद्यार्थियों को सीपीआर तकनीक की जानकारी देते एक्सपर्ट।

बात चौंकाने वाली है लेकिन यह सच है कि आपात स्थिति में मृत्यु होने के बाद भी व्यक्ति को जीवन दिया जा सकता है। बशर्ते व्यक्ति को तुरंत सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दी जाए। उसे घर से अस्पताल तक ले जाते समय सीपीआर रुकनी नहीं चाहिए। हमारे देश में कार्डिएक अरेस्ट से 30 से 40 हजार लोग मृत घोषित कर दिए जाते हैं, जबकि उन्हें सीपीआर की तकनीक से बचाया भी जा सकता है।

इसी तकनीक के प्रति जागरुक करने के लिए हरियाणा में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 9 सितम्बर तक चलेगा। भारतीय रेड क्रॉस समिति हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ की ओर से गुरुग्राम से जागरुकता रथ को एडीसी हितेश कुमार मीणा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जागरुकता अभियान में लोगों को बताया जाएगा कि सीपीआर एक जीवन रक्षक तकनीक है। आपात स्थिति में हम सबको इस तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। स्कूल, कालेजों में भी विद्यार्थियों को सीपीआर के बारे में जानकारी दी जा रही है।

व्यक्ति की तुरंत मौत नहीं होती: डा. विपिन अरोड़ा

रेड क्रॉस सोसायटी से लेक्चरर डा. विपिन अरोड़ा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को आकस्मिक तबियत बिगड़ने पर सीपीआर दी जानी बहुत जरूरी होती है। कई बार व्यक्ति के शरीर से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिल पाता, ऐसी स्थिति में उसे सीपीआर देनी चाहिए। व्यक्ति की तुरंत मौत नहीं होती। उसका ब्लड सर्कुलेशन रुक जाता है। अगर सीपीआर ठीक से दी जाए तो काफी हद तक उस व्यक्ति की सांसें वापस लायी जा सकती हैं। जैसे ही तरीके से सीपीआर दी जाएगी, वैसे-वैसे दिमाग में रक्त की आपूर्ति होगी। सीपीआर देना बहुत मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसके लिए प्रशिक्षण लेना जरूरी है। प्रशिक्षण लेकर ही हम इसे सही तरीके से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक मिनट में 120 बार सीपीआर देना होता है। इसमें दो से ढाई ईंच तक छाती पर दबाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि देश में 30 से 40 हजार लोग मृत घोषित कर दिए जाते हैं। उन्हें सीपीआर की तकनीक से बचाया भी जा सकता है। किसी भी व्यक्ति को लेकर हम अस्पताल के लिए तो चल देते हैं, लेकिन उसको सीपीआर नहीं देते।

घर से अस्पताल तक हम बिना कोई उपाए किए व्यक्ति को ले जाते हैं। तब तक उसका जीवन खतरे में पड़ चुका होता है। कईयों की जान भी चली जाती है। हमें समझना चाहिए कि कार्डिएक अरेस्ट या अन्य कोई दुर्घटना होने पर अचेत हुआ व्यक्ति जिंदा रहता है। हम उसे मरा हुआ समझ लेते हैं। अगर उसी समय सीपीआर देना शुरू कर दें तो उसे बचाया जा सकता है।

खरीफ की फसलों के लिए लाभदायक साबित होगी बारिश

धान की फसल के लिए यह बारिश सोने पर सुहागा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में हुई बारिश खरीफ की फसलों के लिए लाभदायक साबित होगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पलवल के एसडीओ डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि बारिश से खरीफ की फसलों जिनमें धान, कपास, ज्वार, बाजरा सहित दलहनी फसलों को लाभ पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि धान की फसल के लिए यह बारिश सोने पर सुहागा साबित होगी। उन्होंने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि कपास की फसल में आवश्यकता एवं फसल की अवस्था के अनुसार सिंचाई करें तथा अधिक बरसात के बाद पानी निकासी का प्रबंध अवश्य करें अन्यथा कपास की फसल पर बुरा प्रभाव पडेगा।

किसान शेर सिंह

गांव डाढोता के किसान शेर सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह से ही धीमी धीमी बारिश होती रही। बारिश से धान की फसल लहलहा उठी है। यह बारिश धान की फसल के लिए लाभदायक है। इसके अलावा अन्य फसलों के लिए भी वरदान साबित हो रही है। बारिश को लेकर किसान खुश नजर आ रहे हैं।

किसान मदन सिंह

गांव जनौली के किसान मदन सिंह ने बताया कि बारिश नहीं होने के चलते सूखा पड़ रहा था। लेकिन अब बारिश के कारण फसलों में दोबारा रौनक पैदा हो गई है। यह बारिश सभी फसलों के लिए लाभदायक है। बारिश के कारण फसलों का उत्पादन बढ़ेगा।

कपास की फसल का देखभाल करना जरूरी है

मनजीत सिंह एसडीओ

डॉ. मनजीत सिंह ने कहा कि बारिश के बाद फसलों में बीमारियों आने की संभावनाएं अधिक होती हैं। कपास की फसल में गुलाबी सुंडी रोग का प्रकोप भी इस महीने दिखाई देगा ऐसे में किसानों को कपास की फसल का देखभाल करना जरूरी है। जिन किसानों की कपास की फसल यदि 100 दिन से ऊपर की हो गई है तो 13.0.45 दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से दो स्प्रे 10 दिन या 15 दिन के अंतराल पर जरूर करें। अगर फसल 100 दिन से कम है तो आप जिंक और यूरिया का स्प्रे भी कर सकते हैं। 2.5 प्रतिशत यूरिया व 0.5 प्रतिशत जिंक (21 प्रतिशत वाला) का घोल बनाकर स्प्रे करें। अगर रेतीली मिट्टी में मैग्नीशियम की कमी के लक्षण हैं तो आधा प्रतिशत मैग्नीशियम सल्फेट का छिड़काव भी अवश्य करें। ड्रिप विधि के द्वारा लगाई गई कपास में हर सप्ताह ड्रिप के द्वारा घुलनशील खाद्य, जिसमें दो पैकेट 12:61:0 के, तीन पैकेट 13:0:45 के, छह किलो यूरिया व 100 ग्राम जिंक प्रति एकड़ के हिसाब से 10 सप्ताह तक अवश्य डालें। गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए दो फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं तथा इनमें फंसने वाले गुलाबी सुंडी के पतंगों की गिनती तीन दिनों के अंतराल पर करें। यदि इनमें कुल 24 पतंगे प्रति ट्रैप तीन दिन में आते हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता हैं।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में विद्यार्थियों को बताए योगासन के लाभ

पलवल। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन पलवल के तत्वावधान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घर्रोट में योग विज्ञान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन गुरमेश सिंह के सानिध्य में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रामदेव तंवर ने की तथा संयोजन नरेंद्र सौरोत ने किया। इस अवसर पर शिविर के दौरान योगाचार्य छात्र छात्राओं को ताड़ासन, त्रिकोणासन, उत्कटासन, पादहस्तासन, गरुड़ासन, वृक्षासन, गोमुखासन, चक्रासन, पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, हलासन, भुजंगासन, धनुरासन, वज्रासन, उष्ट्रासन , शवासन आदि के साथ प्राणायाम में भस्त्रिका कपालभाति अनुलोम विलोम, शीतली, शीतकारी, उदगीर के अभ्यास कराए गए। योग प्राकृतिक चिकित्सा मानव शरीर पर सार्थक प्रभाव के लिए मिट्टी, पानी, धूप, हवा यही सब रोगों की दवा की विस्तृत जानकारी दी गई। अंकुरित आहार में चना, मूंग, मोठ, सोयाबीन का प्रयोग बताया। इसके साथ कुंजल, जलनेति, रबड़ नेति, तेल नेती, सूत्र नेति का अभ्यास बताया गया। इस अवसर पर रामदेव तवर, सुमित्रा, निहार रंजन मुद्गल, मोहन प्रकाश, बच्चू सिंह, सुनीता, सुदीप, अनिल कुमार, अमित कुमार, मनोज कुमार, विनोद कुमार, पवन पांचाल, नरेंद्र सौरोत, रामेश्वर सिंह, रोहताश, मुकेश, सुनील कुमार, ओमपाल आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

होडल कार्यालय में 25 अगस्त को लगेगा रोजगार मेला

पलवल। जिला रोजगार अधिकारी शक्तिपाल ने बताया कि उपमंडल रोजगार कार्यालय होडल में 25 अगस्त को सुबह 11 बजे एक रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पृथला की ऑटो लेक प्राइवेट लिमिटेड, टोकई इंपीरियल रबड प्राइवेट लिमिटेड, सुपर स्क्रू प्राइवेट लिमिटेड मीतरोल, इनोविजन प्राइवेट लिमिटेड, सेंचुरी एनएफ कास्टिंग समेत विभिन्न कंपनियां भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में दसवीं, बारहवीं पास आदि प्रार्थी अपने रिज्यूम व फोटोग्राफ की दोहरी प्रतियां अपने साथ लेकर सुबह 11 बजे तक उपमंडल होडल के कार्यालय में उपस्थित होवें। उन्होंने प्रार्थियों से आह्वान किया कि वे निर्धारित तिथि व समय पर अपने सभी दस्तावेजों को साथ लेकर आएं और इस रोजगार मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

नौ सितंबर को आयोजित होगी तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत

पलवल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव कुनाल गर्ग ने बताया कि नौ सितंबर को इस वर्ष की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम कुनाल गर्ग ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यहीं है कि कोर्ट में पेंडिंग अधिक से अधिक केसों को आपसी सहमति से निपटाया जा सके। नौ सितंबर को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी केस, लेबर डिस्प्यूट, बिजली व पानी बिल के संबंधी मामले, आपराधिक, वैवाहिक, दुर्घटना संबंधी, भूमि अधिग्रहण मामले तथा अन्य दावे संबंधी और अदालत में लंबित अधिक से अधिक केसों का निपटान किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिलास्तर के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर स्थित अदालतों में भी किया जाएगा।

कैंटर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, भाई घायल

पलवल। अलीगढ़ मार्ग पर सपना ढाबा के पास कैंटर की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि छोटा घायल हो गया।चांदहट थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर कैंटर के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।चांदहट थाना प्रभारी कैलाश चंद भड़ाना के अनुसार, सिहौल गांव निवासी लोकेश ने दी शिकायत में कहा है कि वह और उसका भाई राकेश रात को पलवल से बाइक पर अपने घर सिहौल गांव जा रहे थे। लेकिन जब उनकी बाइक अलीगढ़ मार्ग स्थित सपना ढाबा के निकट पहुंची, तभी एक कैंटर चालक तेज व लापरवाही से चलाता हुआ आया और उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगने से वह उछलकर दूर झाड़ियों में जा गिरा। जबकि, उसका भाई राकेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से पीड़ित अपने भाई को लेकर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने राकेश को मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में ग्राम दर्शन पोर्टल की रहेगी अहम भूमिका

पलवल। डीसी नेहा सिंह ने बताया कि ग्रामीण परिवेश में रहने वाले नागरिक अब सरकार को विकास कार्यों संबंधी मांग, शिकायत और सुझाव सीधे ऑनलाइन माध्यम से दे सकते हैं। इसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है। डीसी ने बताया कि ग्राम दर्शन पोर्टल सरकार की एक व्यापक, सहभागी, पारदर्शी और जवाबदेह पहल है। इसका उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों, सरकार और ग्रामीण निवासियों के बीच संबंध स्थापित करना है। यह पोर्टल ग्रामीणों को अपनी मांग, शिकायत व सुझाव देने का एक सुविधाजनक एवं सरल माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल पर ग्रामीणों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर भविष्य की विकास योजनाओं का खाका तैयार किया जाएगा।नेहा सिंह ने बताया कि ग्राम दर्शन पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति केवल अपने स्थाई निवास के गांव के संबंध में शिकायत दर्ज कर सकता है। ग्रामीणों द्वारा दिया गया सुझाव और मांग सीधे सरपंच/पंचायत समिति सदस्य/जिला परिषद सदस्य/विधायक और सांसद को दिखाई देंगे। सभी जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार क्षेत्र के ही सुझाव डैशबोर्ड पर दिखाई देंगे, जिन्हें संबंधित जनप्रतिनिधि संस्तुति के साथ आगे बढ़ा सकेंगे। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर सुझाव/शिकायत दर्ज कराने के साथ ही एक आईडी जनरेट होगी, जो संबंधित आवेदक को उसके मोबाइल फोन पर एसएमएस के माध्यम से मिलेगी। इसके साथ ही आवेदक को समय-समय पर सुझाव/शिकायत पर हुई कार्रवाई की अपडेट की सूचना एसएमएस के माध्यम से मिलती रहेगी।

सुरमयी शाम, मेरी आवाज मेरी पहचान का होगा आयोजन

पलवल। देश की आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा द्वारा सुरमयी शाम, मेरी आवाज मेरी पहचान का आयोजन किया जा रहा है। भारतवर्ष के सुविख्यात गायक व गायिकाओं मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मन्ना डे, हेमंत कुमार, सुरेश वाडेकर, मुकेश कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोंसले, हेमलता, साधना सरगम, ऊषा तिमुथी आदि द्वारा गाए गए गीतों का एक कार्यक्रम सुरमयी शाम, मेरी आवाज मेरी पहचान से संबंधित ऑडिशन सितंबर माह में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। डीसी नेहा सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न मापदंड निर्धारित किए गए हैं। इनमें आवेदनकर्ता 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग का हो, हरियाणा के मूल निवासी होने के साथ-साथ उसे आयु प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। ऑडिशन में भाग लेने के लिए कोई यात्रा/दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। कलाकारों का ऑडिशन/चयन विभागीय गठित कमेटी द्वारा किया जाएगा। इच्छुक प्रार्थी चार सितंबर तक विभागीय आईडी पर अपना नाम, पता तथा मोबइल नंबर के साथ आवेदन कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि यद्यपि कलाकारों का चयन पारदर्शिता के आधार पर किया जाएगा, तथापि चयन कमेटी द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा।

पानी छिड़कने पर हुए विवाद के चलते की थी होमगार्ड की हत्या

होमगार्ड की हत्या करने के आरोपी को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच-65 प्रभारी ब्रह्म प्रकाश व उनकी टीम ने बल्लभगढ़ के गढ़खेड़ा निवासी दिल्ली पुलिस में तैनात होमगार्ड धर्मपाल की हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सुनील उर्फ पवन निवासी गढ़खेड़ा बल्लभगढ व उसके पुत्र का नाम शामिल है। आरोपी सुनील अग्रवाल स्कूल मुजेड़ी में प्यून की नौकरी करता है। 19 अगस्त को छांयसा एरिया में स्थित गढ़खेड़ा निवासी होमगार्ड धर्मपाल कि उसके पड़ोसी आरोपी सुनील व उसके पुत्र ने मिलकर हत्या कर दी थी। आरोपी सुनील मृतक धर्मपाल का पड़ोसी है। सूचना मिलते ही एसीपी क्राइम अमन यादव, एसीपी तिगांव राजेश लोहान, थाना प्रभारी व क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना कर आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। मृतक के भतीजे की शिकायत पर छांयसा थाने में आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपी ने तलवार से हमला करके धर्मपाल की हत्या कर दी थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी सुनील को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया।

पूछताछ में सामने आया कि मृतक धर्मपाल जो दिल्ली पुलिस में होमगार्ड था, उसके साथ आरोपी सुनील की किसी ने किसी बात को लेकर कहासुनी होती रहती थी। आरोपी सुनील काफी समय से धर्मपाल पर रौब जमाता रहता था। होमगार्ड धर्मपाल अपने घर में बाथरूम बनवा रहा था, जिसके लिए वह बाजार से सीमेंट व रोड़ी लेकर आया था। 19 अगस्त को आरोपी सुनील का बेटा मकान के बाहर पानी से छिड़काव कर रहा था कि कुछ पानी धर्मपाल की रखी सीमेंट व रोड़ी पर पड़ जाने के कारण उनकी आपस में कहासुनी हो गई।

जिसमें आरोपी सुनील ने तैश में आकर अपनी तलवार निकाली और तलवार से धर्मपाल के सर, गर्दन छाती व पेट पर वार किए। जिससे धर्मपाल बुरी तरह घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयोग तलवार बरामद की गई है। पुलिस द्वारा नाबालिग को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया है, वहीं आरोपी सुनील को रिमांड पूरा होने के बाद जेल भेजा जाएगा।

हसनपुर में लगा मापतोल एवं पंजीकरण शिविर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शिविर में 55 दिव्यांगों का किया गया पंजीकरण

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी पलवल की चेयरपर्सन नेहा सिंह के मार्गदर्शन और सचिव वाजिद अली के नेतृत्व में जिला रेडक्रॉस सोसायटी व एलिम्को के सहयोग से खंड हसनपुर के उपकार मंडल विद्यालय में दिव्यांग मापतोल एवं पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के कुशल संचालन में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी उपमा अरोड़ा का विशेष सहयोग रहा, जिनके निर्देशन में सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, पार्षद, ब्लॉक मेंबर, सरपंच आदि जुड़े तथा अपने-अपने क्षेत्र के सभी दिव्यांगजनों को इन शिविरों के बारे में जानकारी दे रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग की मापतोल हो सके।

शिविर के सफल आयोजन में रेडक्रॉस सोसायटी से जिला प्रशिक्षण अधिकारी नीतू सिंह, राम निवास, नितिन, हरबंश तथा उमा शंकर, एलिम्को की आसरा टीम से पवन कुमार, सौरभ, स्वयंसेवक नरेश शर्मा, प्रधानाचार्य सत्यदेव सिंह, बिक्रम सिंह यात्री, राजेंद्र आदि का विशेष योगदान रहा। शिविर में 55 दिव्यांगों का पंजीकरण किया गया, जिन्हें जल्द ही उनकी आवश्यकता अनुसार एलिम्को की तरफ से सहायक उपकरण उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। इसके अलावा बुधवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में आयोजन किया जाएगा।

नकली सोना देकर लिया 60 हजार का लोन, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

बस स्टैंड स्थित धन वर्षा गोल्ड लोन बैंक में एक व्यक्ति सोने की अंगूठी व दो जोड़ी झुमकी लेकर आया और गोल्ड लोन की बात कहने लगा। बैंक कर्मियों ने आभूषण लेकर आरोपी को 60 हजार रुपए दे दिए, लेकिन जब बैंक का ऑडिट हुआ तो पता चला कि सोना नकली है। पुलिस ने बैंक मैनेजर की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, फाटनगर पलवल निवासी बैंक सहायक मैनेजर सागर ने दी शिकायत में कहा है कि वह धन वर्षा गोल्ड लोन बैंक की शाखा पलवल में बतौर मैनेजर तैनात है। गुलाबद गांव निवासी कौशल किशोर उनके बैंक में आया और गोल्ड लोन की मांग करने लगा। बैंक के कर्मचारी गोविंद शर्मा ने उससे जेवरात लेने के बाद 60 हजार रुपए दे दिए। पैसे लेने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

बैंक में ऑडिट हुआ तो पता चला कि कौशल किशोर द्वारा रखी हुई सोने की एक अंगूठी व दो जोड़ी सोने की झुमकी नकली हैं। जिसे हम आधार कार्ड व पैन कार्ड के आधार पर दिए हुए पते पर तलाश कर रहे हैं। लेकिन अभी तक आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका है। मैनेजर ने शिकायत में कहा है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उनकी रकम बरामद कर दिलाई जाए। कैंप थाना पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल की कोशिश

विरोध करने पर परिजनों को पीटा, छह पर केस

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मुंडकटी थाना क्षेत्र के एक गांव में पड़ोसियों ने महिला के नहाते समय अश्लील वीडियो बना ली। जिसके बाद ब्लैकमेल कर शोषण करने का प्रयास किया, लेकिन ऐसा न होने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर परिजनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर छह नामजद के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुंडकटी थाना प्रभारी सचिन कुमार के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने दी शिकायत में कहा है कि उसके घर में बने बाथरूम के सामने वाले घर वालों ने एक सीसीटीवी कैमरा उनके बाथरूम की तरफ लगाया हुआ है। पीड़िता अपने बाथरूम में जब स्नान कर रही थी, तभी उसके बच्चे स्कूल से आ गए और घर के मुख्य गेट को खोलने के लिए आवाज लगाने लगे।

पीड़िता बिना कपड़ों के ही बाथरूम से बाहर निकली और बच्चों को घर के अंदर लेकर स्नान करने लगी। जिसके कुछ दिन बाद सोनू, नरेश, रामअवतार व शिवन ने उसका रास्ता रोक लिया। अपने फोन में पीड़िता की उस दिन की नहाते समय बिना कपड़े दरवाजा खोलने की वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करके शोषण करने की कोशिश की। वीडियो वायरल करने व जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता ने एक दिन सोनू के फोन से चिप निकाल कर देखी तो उसकी वीडियो तो उसमें नहीं थी, लेकिन कई लड़कियों की अश्लील वीडियो थी। उसे जब चिप के बारे में पता चला तो उसने वापस मांगी, लेकिन उसने नहीं दी। जिसके बाद नरेश, सोनू, शिवम, राम अवतार व विशाल ने उसके घर पर हमला कर दिया। उसे रास्ते में खींचकर उसके कपड़े फाड़कर अश्लील हरकतें कीं। पीड़िता को बचाने जब उसका पति व ससुर आए तो उनके साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने डायल 112 पर पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस पहुंची और उन्हें थाने आने के लिए कहकर चली गई। जब वे थाने जाने लगे तो आरोपियों ने फिर उनके साथ मारपीट कर दी। दोबारा 112 पर फोन किया तो पुलिस पहुंच गई और उन्हें अपने साथ बैठाकर मुंडकटी थाना ले गई और केस दर्ज कर जांच शुरू की।

पूंजीपतियों की कठपुतली बन गरीबों को उजाड़ रही भाजपा : लखन सिंगला

कांग्रेसी नेता ने मिल्हार्ड कॉलोनी में सुनीं लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद विधानसभा के अंतर्गत आने वाली मिल्हार्ड कॉलोनी में स्थानीय निवासियों ने एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने शिरकत की। इस दौरान सभा के आयोजक महेंद्र सिंह व सौंदई देवी ने सभा में पहुंचने पर लखन सिंगला का फूल मालाओं से स्वागत किया और उनके समक्ष कॉलोनीवासियों की समस्याओं को रखा। लोगों ने श्री सिंगला को बताया कि फैमिली आईडी में गलत जानकारियां दर्ज होने के कारण सही पात्र लोग बीपीएल कार्ड से वंचित हो गए है। वहीं बिजली बिल पर लगने वाले सिक्योरिटी राशि ने लोगों की जेब पर बोझ बढ़ा दिया है और कॉलोनी के लोग इसे भरने में असमर्थ है। वहीं उन्होंने प्रॉपर्टी आइडी बनवाने में आ रही धांधलेबाजी, रेलवे विभाग द्वारा आए दिन कॉलोनी में की जाने वाले तोडफोड़ के साथ-साथ बढ़ती महंगाई को लेकर भी अपना दुखड़ा रखा।

लोगों की समस्याएं सुनने के बाद लखन सिंगला ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से जनविरोधी सरकार है, इस सरकार ने नौ सालों में महंगाई और भ्रष्टाचार के अलावा लोगों को कुछ नहीं दिया। पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली बनकर भाजपा सरकार ने गरीबों को उजाड़ने का काम किया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार की तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में जनता फिर से कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। फिर से हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने का मन बना चुकी है, क्योंकि इस सरकार में गरीब, दलित, पिछड़े सहित हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किए जाते थे। उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कमान संभाली है, तब से हरियाणा में कांग्रेस में शामिल होने वालों का तांता लगा हुआ है। आए दिन लोग कांग्रेस पार्टी की विचाारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हो रहे है। इस अवसर पर बालू सिंह एडवोकेट, कांग्रेस ओबीसी राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रेनू चौहान, लाला शर्मा, प्रदेश महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष खुशबू खान आदि मौजूद थे।

रोटरी क्लब व सांई धाम ने महिलाओं को बांटे सेनेटरी पैड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोटरी क्लब फरीदाबाद एनआईटी व साई धाम फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में गांव सोलडा व बागपुर में 1200 से अधिक महिलाओं को लगभग ढाई हजार सेनेटरी पैड, साबुन, बिस्किट, फ्रूटी के पैकेट निशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब फरीदाबाद एनआईटी के प्रधान वीरेंद्र मेहता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीडीपीओ उपमा अरोड़ा ने भी महिलाओं को सेनेटरी पैड के उपयोग व महिलाओं में होने वाली बीमारी के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सेनेटरी पैड के निरंतर उपयोग से महिलाओं की बड़ी से बड़ी बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि महिलाइओं को एक साल तक क्लब द्वारा निशुल्क सेनेटरी पैड दिए जाएंगे। इस अवसर पर रोटरी 3011 से डिस्ट्रिक्ट चेयर एडमिन डॉ. अंजलि जैन व रोटेरियन सचिन जैन ने कहा कि सेनेटरी पैड के निरंतर उपयोग से सर्वाइकल कैंसर से बचा जा सकता है। हर दो महीने बाद हम गांव में आकर महिलाओं को एक साल तक मुफ्त सेनेटरी पैड देंगे। वहीं क्लब के प्रधान वीरेंद्र मेहता ने कहा कि क्लब द्वारा 1200 महिलाओं को गांव की गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार दिया जाएगा। वहीं सोलडा गांव की 300 महिलाओं को भी क्लब हाइजीन किट देगा। गांव में जो टीबी के मरीज हैं, उनको भी क्लब द्वारा मुफ्त में डाइट दी जाएगी। इस अवसर पर क्लब सचिव राजन गेरा, डिस्ट्रिक्ट से सचिन जैन, साईं धाम से आजाद, शशि शर्मा, शिवम शर्मा, सुषमा आहुजा मौजूद रहे।

चंद्रयान-3
साहस एवं क्षमता

चंद्रयान-3 प्रक्षेपण से भारत ने बहुत कम बजट में चंद्रमा तक पहुंचने का साहस और क्षमता प्रदर्शित की है। जब इसरो का चंद्रयान-3 बुधवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'साफ्ट लैंडिंग' और इतिहास बनाने की तैयारी कर रहा था तब दुनिया सांस रोक कर इसकी प्रतीक्षा कर रही थी। हालांकि, इसरो के वैज्ञानिक रूस के लूना-25 'मून मिशन' में समस्यायें आने और सप्ताहान्त में इसके चंद्रमा की सतह से टकराने से थोड़ा बेचैन भी थे। यह पिछले 47 साल में रूस के पहले मून मिशन की विफलता है। भारत का चंद्रयान-2 भी लैंडिंग के ठीक पहले थोड़ी कमी के कारण चंद्रमा से टकरा गया था। लेकिन विफलतायें भी सीखने में महत्वपूर्ण योगदान करती हैं और इससे हमें बेहतर मिशनों के लिए परिष्कृत रणनीति बनाने में सहायता मिलती है। इसे ध्यान में रखते हुए इसरो ने सभी सावधानियां बरतीं तथा कोई समस्या होने पर लैंडिंग के लिए 27 अगस्त की वैकल्पिक तिथि भी रखी। साफ्ट लैंडिंग की परिस्थितियां विपरीत होने पर तथा कोई समस्या आने पर वैकल्पिक तिथि का निर्धारण जरूरी था। चंद्रयान-3 बिल्कुल ठीक काम कर रहा था और इसके कामकाज पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। इसरो ने इसके लिए 'फेल्योर-बेस्ड डिजाइन' की थी जिसका अर्थ सभी संभावित परिदृश्यों पर विचार कर यह निर्धारित करना था कि चंद्रयान-3 मिशन विपरीत स्थितियों से भी कैसे निपट कर सुरक्षित व सफल रहेगा तथा साफ्ट लैंडिंग करेगा।

हालांकि, चंद्रमा की सतह पर भारतीय चंद्रयान अकेला नहीं होगा। चीन का चेंग-4 भी जनवरी में लैंड करने के बाद चंद्रमा की सतह पर सटीक काम कर रहा है। उसके पहुंचने के बाद इस्त्राइली अलाभकारी संगठन 'स्पेसइल' ने चंद्रमा पर एक मिशन 'बेरेशीट' भेजा था। यह चंद्रमा पर अप्रैल में पहुंचा, पर उससे टकरा गया। इसके साथ ही अमेरिका ने जल्द ही चंद्र प्रयोगशाला स्थापित करने की बात कही है, जबकि यूरोप और रूस ने भी जटिल मिशन भेजने की घोषणा की है। ऐसा लगता है कि अचानक चंद्रमा सबके आकर्षण का केन्द्र बन गया है। चंद्र मिशन का उद्देश्य न केवल तकनीकी क्षमता प्रदर्शित करना, बल्कि देश का सम्मान बढ़ाना तथा उसके भू-राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करना है। वास्तव में चंद्र मिशनों में दिलचस्पी का कारण यह भी है कि चंद्रमा से बहुत कुछ प्राप्त हो सकता है। चंद्रमा के संसाधनों की खोज व उनके विकास की दौड़ शुरू हो गई है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि जो देश चंद्रमा पर पहुंचने की क्षमता रखते हैं, वे अंतरिक्ष खोज में भी अग्रणी हैं। हालांकि, वैज्ञानिक प्रयोगों के साथ ही चंद्रमा पर पुन: ध्यान देने के अन्य कारण भी हैं। यदि हम अंतरिक्ष में अगली लंबी छलांग लगाना चाहते हों तो चंद्रमा की खोज तथा उसके अब तक अज्ञात संसाधनों का प्रयोग जरूरी है। भारत ने इस दिशा में सही कदम उठाया है। चंद्रयान-3 अभियान ने बता दिया है कि अंतरिक्ष हमारी पहुंच में है तथा अब हम जटिल मिशनों के लिए पूरी तरह तैयार हो रहे हैं। यह नए अंतरिक्ष की दौड़ में भारत के प्रवेश का प्रतीक है जिसके लिए चंद्रमा पर स्थाई ढांचागत संरचना का निर्माण करना होगा। चंद्रयान मिशन के माध्यम से भारत ने दिखा दिया है कि उसमें साहस तथा क्षमता की कमी नहीं है। भारत के चंद्रयान मिशन का बजट बहुत कम था। इस मिशन के लिए इसरो के वैज्ञानिकों, सभी देश वासियों तथा अंतरिक्ष से प्रेम रखने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। चंद्रयान मिशन से भारतीय नागरिकों, खासकर नौजवानों व बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति और कौतूहल पैदा होगा।

विश्व अर्थव्यवस्था का भविष्य डांवाडोल

विश्व अर्थव्यवस्था का भविष्य डांवाडोल है। तकनीक और उद्योगों को प्राकृतिक नियमों के अनुकूल तथा पर्यावरण हितैषी बना कर ही इसका भविष्य उज्जवल होगा।

अतुल सहगल
(लेखक, प्रबंधन सलाहकार हैं)

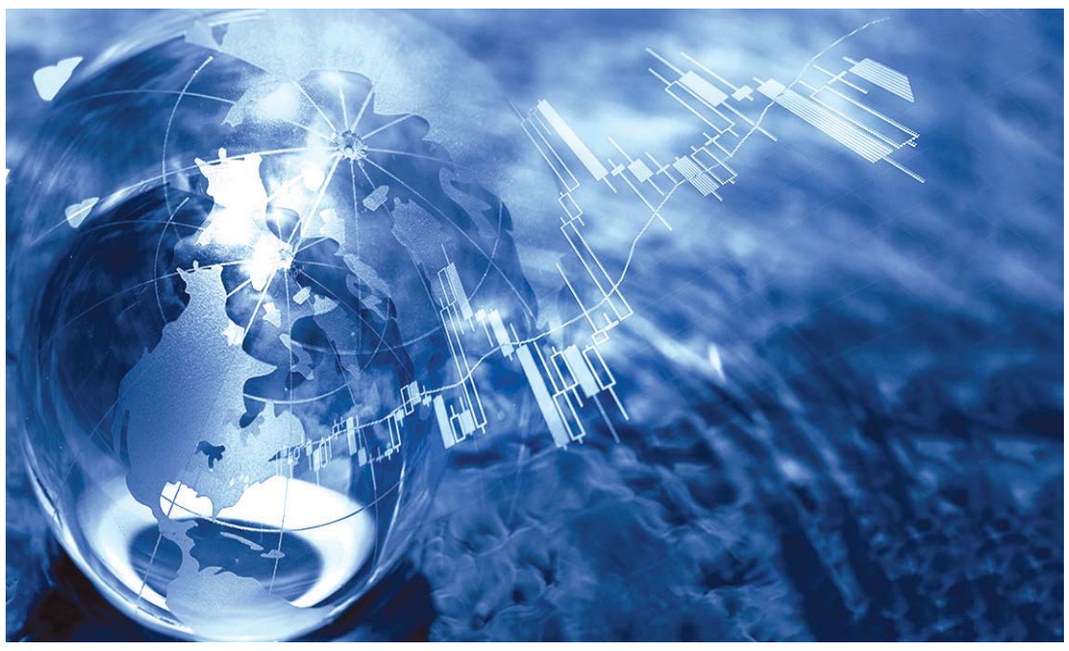

विश्व अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही है। दुनिया में संसाधन सीमित हैं तथा यहां रहने वाले मनुष्यों का लालच नई ऊंचाइयां छू रहा है। संपदा कहे जाने वाले भौतिक संसाधनों के प्रति यह लालच पहले के किसी भी समय की तुलना में ज्यादा संघर्ष, प्रतियोगिता तथा मनुष्यों में टकराव बढ़ा रहा है। चाहे जमीन हो अथवा तेल या गैस या खनिज, राष्ट्रीय सीमाओं द्वारा इनकी स्थिति परिभाषित होने के बावजूद व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा ज्यादा से ज्यादा प्राप्त करने के प्रयास हो रहे हैं जिसके कारण अंतर्निहित रूप से अराजकता व अव्यवस्था पैदा हो रही है। आने वाले समय में यह अव्यवस्था और ज्यादा बढ़ती जाएगी। सवाल है कि क्या यह विश्व अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए ठीक है? इस प्रश्न का उत्तर सबको स्पष्ट है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था परंपरागत रूप से मनुष्यों के लिए तीन आवश्यक तत्वों-भोजन, कपड़ा और मकान पर आधारित रही है। इसके साथ ही भौतिक संसाधनों व व इनको प्रदान करने की सेवाओं का अधिकाधिक वाणिज्यीकरण हुआ है। विश्व इतिहास का लंबा परंपरागत कालखंड छोटी समुदाय-आधारित इकाइयों, यानी गांवों पर केन्द्रित रहा है जहां ऐसे संसाधन पाए जाते थे। विभिन्न क्षेत्रों की अर्थव्यवस्थायें केवल गांवों के आसपास केन्द्रित थीं। लेकिन गांवों के भीतर संपदा का अस्तित्व महत्वपूर्ण था क्योंकि ये गांव आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र थे। इसका अर्थ है कि आर्थिक गतिविधियों का आयाम कम तथा सीमित था। उस समय आज की तुलना में दुनिया की जनसंख्या भी बहुत कम थी। आधुनिक औद्योगीकरण आने के साथ ही तेज शहरीकरण हुआ। मृत्यु दर में कमी आने का कारण जनसंख्या तेजी से बढ़ी। खेती में मशीनीकरण तथा अकार्बनिक उर्वरकों के प्रयोग से खेती के परंपरागत तरीके बदले। तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण यह आवश्यक हो गया था।

विश्व मानव समुदाय की मूल अर्थव्यवस्था पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि ग्रह पर सीमित संसाधन हैं। आज की विशाल जनसंख्या अकार्बनिक उर्वरकों, अकार्बनिक कीटनाशकों तथा फसलों की जेनेटिक इंजीनियरिंग के बिना अपने लिए समुचित खाद्य पदार्थ पैदा करने में अक्षम है। कृषि स्थानीय है, पर कृषि उत्पादों का वितरण कार्पोरेट बिजनेस हाउसों के पास है जो पूंजीवादी तरीके से विशाल पैमाने पर काम करते हैं। मानव जीवन के लिए आवश्यक अन्य दो चीजों-कपड़े और आवास के मामले में भी यही स्थिति है। टेक्सटाइल व कपड़ा उद्योग तथा रियल स्टेट उद्योग आज मोटेतौर से बड़े कार्पोरेट हाउसों के हाथ में है जिसकी फंडिंग बैंक व वित्तीय संस्थान करते हैं। शिक्षा, यात्रा, मनोरंजन, स्वास्थ्यरक्षा, आदि अन्य मानवीय आवश्यकताओं के 'कार्पोरेटीकरण' से और अधिक बड़े बिजनेस तैयार हुए हैं। इसने सदियों पुराने व स्थाई ग्राम आधारित बंद अर्थव्यवस्था माडल को नष्ट कर दिया है तथा शहरी माडल के खुले विस्तार का प्रचार किया है। लेकिन यह माडल अस्थिर तथा अस्थाई है। इसका कारण बहुत सरल है।

हमारे पृथ्वी ग्रह पर सीमित भौतिक संसाधनों तथा आधुनिक तकनीकों के साथ शहरी माडल का दृष्टिकोण है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचा कर भी आर्थिक प्रगति होती रहेगी। हालांकि, यह मानना उचित नहीं, बल्कि मूर्खतापूर्ण है कि नई तकनीक के साथ विश्व जीडीपी बढ़ती रहेगी। ये नई तकनीकें क्या हैं? इनमें डिजिटल कंप्यूटेशन व संचार व्यवस्थायें, कृत्रिम बुद्धि-एआई व नैनोटेक्नोलोजी शामिल हैं। ये तकनीकें केवल मानव सेवाओं की आवश्यकता घटाती हैं। चैट जीपीटी डिजिटल कंप्यूटेशन तथा संचार व्यवस्थाओं का स्थान लेने जा रही है। ये तकनीकें मनुष्यों को कुशल उत्पादक बनाने के बजाय लगातार सेवा-प्रदाता बना कर बड़े पैमाने पर रोजगार समाप्त करेंगी, जबकि मनुष्यों के स्थान पर रोबोट व एआई-आधारित मशीनें आएंगी।

युद्धों में प्रयोग करने पर ये तकनीकें अत्यधिक घातक हथियारों का काम करेंगी जिनमें रोबोट सैनिक व ड्रोन युद्धों का लंबा तथा ज्यादा विनाशकारी बनाएंगे। पूरे इतिहास में आर्थिक, सैनिक व राजनीतिक वर्चस्व के माडल सामने आते रहे हैं। लेकिन मानवतावादी व्यवस्थायें तथा प्रकृति-हितैषी तकनीकें बिना किसी का शोषण किए सबको आर्थिक लाभ दे सकती हैं।

हमारी सभी वर्तमान तकनीकें अधकचरी, क्रूर व निकृष्ट हैं। तकनीकों को ब्रह्मांड के वैज्ञानिक नियमों और प्रकृति के अनुकूल होना चाहिए, लेकिन इस दृष्टिकोण से हमारी अधिकांश वर्तमान तकनीकें निकृष्ट सिद्ध होती हैं। हमारी अनेक तकनीकें पर्यावरण-विरोधी तथा पर्यावरण के लिए विनाशकारी हैं। पर्यावरण-विरोधी तथा अत्यधिक 'विखंडनकारी' तकनीकें औद्योगिक उत्पादन की गुणवत्ता को भारी नुकसान पहुंचाती हैं। गुणवत्ता के प्रति लापरवाही लगातार स्पष्ट होती जा रही है। विश्व अर्थव्यवस्था का भविष्य उस समय तक उज्जवल नहीं रह सकता है, जब तक हमारी तकनीकें और उद्योग स्वयं को प्राकृतिक नियमों के अनुकूल ढालना नहीं शुरू करते हैं तथा पर्यावरण हितैषी नहीं बनते हैं।

हम अपनी वर्तमान तकनीकों से पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं और विडंबना है कि हम पर्यावरण क्षरण का खामियाजा भुगतने के बावजूद इस नुकसान को पूरी तरह नहीं समझ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के रूप में प्रकृति द्वारा बदले की कार्रवाइयों के कारण हमें जबरन पर्यावरण-हितैषी तकनीकों की ओर जाना पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन की भयानक विभीषिका विश्व स्तर पर हमारे सामने है। उपरोक्त परिदृश्य में देखने पर स्पष्ट होता है कि विश्व अर्थव्यवस्था का भविष्य रेखांकित करने वाली कुछ चीजों में ये शामिल हैं- रोजगारों की भारी कमी, आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ना या उसका नकारात्मक होना, भारी मुद्रास्फीति, बड़े कार्पोरेट बिजनेस हाउसों का ध्वस्त होना, कर्ज-आधारित औद्योगिक व आर्थिक व्यवस्थाओं पर संकट, बैंकों जैसे अनेक पूंजीवादी संस्थानों का ध्वस्त होना तथा बंद ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं की वापसी।

विश्व अर्थव्यवस्था का भविष्य तकनीक के बजाय पर्यावरणीय कारकों से निर्धारित होगा क्योंकि पर्यावरण प्रकृति का अंग है और विकास तकनीकों का आविष्कार करने वाले मनुष्यों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली है। जब तक तकनीकें प्रकृति-हितैषी तथा इकोस्फेयर से जुड़ी नहीं होती है, वे अच्छाई के बजाय नुकसान ज्यादा करेंगी तथा अंतत: खारिज कर दी जाएंगी। आर्थिक वृद्धि का सच्चा अर्थ मानव जीवन में मूल्यों व गुणवत्ता का योगदान है, लेकिन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा कर जीवन संभव नहीं है। इसलिए अंतिम विश्लेषण इस तथ्य पर आधारित होगा कि क्या व्यवस्थायें, तकनीकें और प्रक्रियायें प्रकृति तथा पर्यावरण-हितैषी हैं या नहीं।

लेकिन विडंबना है कि दुर्भाग्य से आने वाले समय में प्रकृति की भयानक प्रतिक्रिया सारी दुनिया के मनुष्यों को झेलनी होगी। आने वाले वर्षों में जिन भयानक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ेगा, उनका पहले से अनुमान लगाना कठिन है। यह स्थिति विश्व अर्थव्यवस्था के लिए किसी प्रकार भी ठीक नहीं कही जा सकती है। नई औद्योगिक तकनीकों के साथ मानव जाति की 'प्रसन्नता' मुश्किल से लगभग 200 साल तक जारी रह सकती है। लेकिन इन तकनीकों के विनाशकारी परिणाम अभी से मानवजाति के समक्ष आने लगे हैं। ऐसे में आर्थिक नीतियों के असली निहितार्थों पर भी गौर करना पूरी मानवजाति के लिए जरूरी हो गया है।

अर्थव्यवस्थाओं का उद्देश्य मानव जीवन में गुणवत्ता तथा मूल्यों का सृजन होना चाहिए, लेकिन दु:ख की बात है कि वर्तमान समय में इसे भुलाया जा रहा है तथा जीडीपी वृद्धि व कार्पोरेटीकरण तथा शहरीकरण को 'विकास' का पर्याय मान लिया गया है। हमें याद रखना चाहिए कि मानव जीवन में गुणवत्ता पैदा करने तथा मूल्यों का सृजन करने में प्रकृति की महत्वपूर्ण व केन्द्रीय भूमिका है। ऐसे में हमें इसमें बहुत विलंब होने से पहले ही अपनी अर्थव्यवस्थाओं की योजनाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं को प्रकृति के अनुकूल ढालना होगा।

समय की मांग है शैक्षणिक सुधार

> समय की मांग सिर्फ नैतिक शिक्षा शुरू करने की नहीं है, बल्कि चेतना या स्वयं की प्रकृति को जानने की भी जरूरत है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

महात्मा गांधी ने शैक्षिक नीति पर स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त किए जब उन्होंने कहा : मुझे पता है कि एक विचारधारा है जो केवल सार्वजनिक स्कूलों में दी जाने वाली धर्मनिरपेक्ष शिक्षा में विश्वास करती है। मैं यह भी जानता हूं कि, भारत जैसे देश में, जहां सबसे अधिक हैं दुनिया भर के धर्मों का प्रतिनिधित्व किया जाता है, और जहां एक ही धर्म में इतने सारे संप्रदाय हैं, वहां धार्मिक शिक्षा के लिए प्रावधान करने में कठिनाई होनी चाहिए।

लेकिन अगर भारत को आध्यात्मिक दिवालियापन घोषित नहीं करना है, तो युवाओं की धार्मिक शिक्षा को माना जाना चाहिए कम से कम धर्मनिरपेक्ष निर्देश के रूप में आवश्यक है।

हम सभी जानते हैं कि भारत की शिक्षा प्रणाली हर पांच साल में बदल जाती है जब कोई नई सरकार शासन करती है। यह एक तथ्य है जिसे हम सभी ने पिछले कुछ वर्षों में विशेष रूप से देखा है। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि जब से भारत ने वर्तमान संविधान को अपनाया है, नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा शुरू करने के सभी प्रयासों को अवरुद्ध करने के लिए धर्मनिरपेक्षता शब्द को गलत तरीके से प्रचारित किया गया है। भले ही एक के बाद एक शिक्षा आयोग ने नैतिक शिक्षा शुरू करने की सिफारिश की है, सरकार झूठी धर्मनिरपेक्षता के काल्पनिक हित में उनकी सिफारिशों की उपेक्षा कर रही है। नतीजा यह है कि चीजें पहले से भी अधिक तेजी से बिगड़ती जा रही हैं।

श्री अरबिंदो ने स्पष्ट रूप से कहा था कि नैतिक और धार्मिक शिक्षा की पूरी तरह से उपेक्षा करना जाति को भ्रष्ट करना है। स्वदेशी आंदोलन के बचत स्पर्श से पहले हमारे युवाओं में कुख्यात

नैतिक भ्रष्टाचार, दिए गए विशुद्ध मानसिक निर्देश का प्रत्यक्ष परिणाम था। उन्हें शिक्षा की अंग्रेजी प्रणाली के तहत। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा से रहित व्यक्ति एक अमानवीय व्यक्ति है जिसके जीवन का मूल्य एक पैसा भी नहीं है। उपरोक्त तर्क के समर्थन में कई अन्य राष्ट्रीय नेताओं जैसे डॉ. राधाकृष्णन, विनोबा भावे आदि के विचारों को बड़े पैमाने पर उद्धृत किया जा सकता है। लेकिन इसकी कोई जरूरत नहीं लगती क्योंकि नीति-निर्माताओं को इन सभी विचारों के बारे में भली-भांति पता है. तो फिर अड़चन कहां है?

यह केवल एक सुसंगत शिक्षा नीति बनाने की आवश्यकता के अहसास की कमी है जिसमें नैतिक शिक्षा और ध्यान का अभ्यास हमारी शैक्षिक प्रणाली का हिस्सा है। हालांकि, अगर इसे जल्द ही महसूस नहीं किया गया, तो इससे नैतिक शून्यता पैदा हो सकती है जो आगे चलकर अपराध, भ्रष्टाचार, क्रूरता, हिंसा और उग्रवाद को जन्म दे सकती है।

समय की मांग सिर्फ नैतिक शिक्षा शुरू करने की नहीं है, बल्कि चेतना या स्वयं की प्रकृति को जानने की भी जरूरत है क्योंकि भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और विज्ञान पढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, शिक्षा को व्यक्ति को स्वयं या मन के बारे में प्रबुद्ध करना चाहिए। अरबिंदो ने कहा है : शिक्षा का सच्चा आधार मानव मस्तिष्क का अध्ययन है। शैक्षणिक पूर्णता के सिद्धांतों पर आधारित कोई भी शिक्षा प्रणाली, जो अध्ययन के साधन (मन) की उपेक्षा करती है, उससे बौद्धिक विकास में बाधा और हानि होने की अधिक संभावना है। एक पूर्णत: सुसज्जित मस्तिष्क का निर्माण करें। आज वैज्ञानिक अनुसंधानों ने यह स्पष्ट रूप से स्थापित कर दिया है कि ध्यान से व्यक्ति और समाज को अनेक लाभ होते हैं, तो फिर सरकार इसे स्कूलों और कॉलेजों में क्यों नहीं लागू करती?

इस प्रश्न का उत्तर, शायद, यह हो सकता है कि ध्यान की बहुत सारी प्रणालियां या प्रकार प्रचलन में हैं और सरकार को नहीं पता कि किसे शुरू किया जाए। हालांकि, यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सर्वकालिक उपयोगी विषय के परिचय को अवरुद्ध करने का पर्याप्त कारण प्रतीत नहीं होता है। यदि परिणामों का मूल्यांकन अभ्यासकर्ताओं को उनके शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वास्थ्य के संबंध में मिलने वाले लाभों से किया जाता है, तो कम से कम परीक्षण के आधार पर कुछ स्कूलों में इसे शुरू करने पर विचार करने के लिए यह पर्याप्त आधार होना चाहिए। दूसरी कसौटी यह हो सकती है कि जिन सिद्धांतों पर यह आधारित है वे सार्वभौमिक, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक रूप से सही हैं या नहीं। तो, आइए हम शिक्षा सुधारों की मांग उठाएं और ज्ञानोदय के युग में जाने के लिए अपने ढुलमुल रवैये से छुटकारा पाएं

आप की बात

रिजर्व बैंक का फैसला

रिजर्व बैंक ने लोन अकाउंट्स पर लगने वाले दंडात्मक शुल्क में बदलाव किया है। अब 2024 से दंडात्मक ब्याज नहीं लगेगा। यह नियम ऋण अनुबंध की शर्तों का पालन न करने पर लागू हो सकता हैए जिससे दंडात्मक शुल्क लिया जा सकता है। रिजर्व बैंक चिंतित है कि बैंक दंडात्मक ब्याज को अपने राजस्व बढ़ाने का माध्यम बना सकते हैं। यह निर्देश एक सकारात्मक कदम है। इससे उन उद्यमियों और व्यापारिक गतिविधियों को सहायता मिलेगी जो अपनी विकास योजनाओं को पूरा करने के लिए कर्ज लेने की योजना बना रहे हैं। इन नए नियमों से बिजनेस सुगमता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। यह कर्ज लेने वालों के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन है क्योंकि परिस्थितियों के कारण उचि समय पर किश्त न देने की स्थिति में उनको दंडात्मक ब्याज नहीं देना होगा। दंडात्मक ब्याज के कारण अपनी जरूरतों, जैसे वाहन, मकान या अन्य जरूरतों के लिए कर्ज लेने वाले लोगों को भारी दबाव और तनाव का सामना करना पड़ता था। रिजर्व बैंक के इस निर्णय की सराहना करनी चाहिए क्योंकि यह देश की आम व मध्यवर्गीय जनता, खासकर नौकरीपेशा लोगों की प्रगति की दिशा में अत्यन्त महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है।

-अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

पहाड़ों का संकट

पहाड़ मानव के लिए प्रकृति का एक अनुपम उपहार है जो 12 महीने दुनिया के वातावरण का समायोजन करके प्रकृति के अनुकूल बनता है। पहाड़ों के निर्जन क्षेत्र में घने वन, कल कल बहती पानी की धाराएं, झीलें व झरने मानव को मंत्र मुग्ध कर देते हैं। विडंबना है कि विश्व की आबादी बढ़ने के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इनका बोझ भी पहाड़ सह लेते हैं। मगर मनमानी करने वाले इंसान ने पर्यटन के आनंद के साथ-साथ पहाड़ों को कचरे व प्रदूषण से लाद दिया है। पर्यटकों की सुख सुविधा के लिए बड़े-बड़े होटल, मॉल व कई एडवेंचर उपकरण लगाए जा रहे हैं। रोपवे के बिना लोगों का पर्यटन अधूरा रहता है। इस हालत में पहाड़ों का अब और अधिक बोझ सहने से इनकार करना उचित ही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ने इस मामले में निर्देश दे कर ठीक किया है। सरकारों को भी आगे लेकर रहकर पहाड़ों पर नए निर्माण व पर्यटकों की संख्या नियंत्रित करना जरूरी हो गया है। यहां प्लास्टिक पर सख्त पाबंदी भी जरूरी है। यदि अब भी नहीं संभले तो स्थिति और ज्यादा खराब हो सकती है। अत: सरकार के साथ जनता को भी सजग रहना जरूरी है।

- सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

जेनेरिक दवायें

भारत के पास जेनेरिक दवाओं के लिए लगभग 25 बिलियन डालर का एक बड़ा घरेलू बाजार है। यह 400 बिलियन डॉलर के वैश्विक बाजार में पर्याप्त हिस्सेदारी के साथ वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2008 में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जन-औषधि योजना शुरू की। 2016 में मेडिकल काउंसिल ने सुझाव दिया था कि चिकित्सक जेनेरिक दवाएं लिखें जो आमतौर पर उनके ब्रांड-नाम समकक्षों की तुलना में 30-80 प्रतिशत सस्ती होती हैं। जेनेरिक दवाओं को आम तौर पर ब्रांडेड दवाओं का सुरक्षित व प्रभावी विकल्प माना जाता है। लेकिन कुछ स्थितियां ऐसी होती हैं जहां ब्रांडेड दवा से स्विच करने से बचने की सलाह दी जा सकती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्वास्थ्य सेवाप्रदाता अपने नैदानिक निर्णय और रोगी-विशिष्ट कारकों के आधार पर व्यक्तिगत निर्णय लेते हैं। अत: जेनेरिक दवाओं पर स्विच करने का औचित्य निर्धारित करने में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और रोगियों के बीच खुला संवाद महत्वपूर्ण है। जेनेरिक दवाएं गेम-चेंजर के रूप में उभरी हैं।

-विजय सिंह अधिकारी, नैनीताल

बेहूदा मजाक

चंद्रयान-3 के बारे में बेहूदा मजाक का कोई औचित्य नहीं है। अभिनेता प्रकाश राज ने चंद्रयान का मजाक उड़ाते हुए एक व्यक्ति को लुंगी पहने हुए मग से चाय उछालते हुए कार्टून सोशल मीडिया पर प्रदर्शित किया हैए। इसकी जितनी निंदा की जाये कम है। यह मजाक इसरो के वैज्ञानिकों के कठिन परिश्रम और भारत की उन्नति व अस्मिता का मजाक उड़ाना है। इसकी सोशल मीडिया प्रयोगकर्ताओं ने भी खूब भर्तसना की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनु सिंघवी ने भी प्रकाश राज की निंदा करते हुए कहा है कि यह सफलता इसरो के साथ ही भारत की भी सफलता है। अत: प्रकाशराज को अपने इस बेहूदा कृत्य के लिए इसरो और पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। उनको भविष्य में राष्ट्रहित के किसी भी कार्य के बारे में सोच-समझकर बोलना या ट्वीट करना चाहिए। चंद्रयान प्रक्षेपण कोई फिल्मी नाटक नहीं, बल्कि वैज्ञानिकों की दिनरात की कड़ी मेहनत और भारत की सफलता का कुशलतम कार्य है। कला व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसे फूहड़पन को कोई स्थान नहीं मिलना चाहिए।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

नौकरी में आने के बाद प्रैक्टिस न बंद करें, बेहतर प्रदर्शन की तैयारी करें: योगी

मुख्यमंत्री ने कुशल खिलाड़ी कोटे में चयनित 223 पुलिस आरक्षियों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि खेलकूद की गतिविधियां एक खिलाड़ी के लिए उसकी रचनात्मकता का प्रतीक होती है। खिलाड़ी अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से सकारात्मक ऊर्जा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से समाज में कुछ कर गुजरने की तमन्ना रखता है लेकिन जैसे ही उसे सरकारी सेवा में आने का अवसर मिलता है वो खिलाड़ी अक्सर प्रैक्टिस बंद कर देते हैं। आप सबको उत्तर प्रदेश पुलिस टीम का हिस्सा बनकर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार रहना है। मुख्यमंत्री बुधवार को लोकभवन के सभागार में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से कुशल खिलाड़ी कोटे में चयनित 233 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिस ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से आपका चयन हुआ है, आपसे भी राज्य सरकार को इसी ईमानदारी की उम्मीद है। अपनी प्रैक्टिस को निरंतर बनाए रखते हुए जब तक सामर्थ्य है उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए, राज्य सरकार के लिए खेलिए। जब आपको लगेगा कि अब इससे अलग होना है तो फिर उत्तर प्रदेश पुलिस बल में उस संबंधित खेल के कोच के रूप में युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए तत्पर रहने के लिए कार्य करना होगा। जीवन के हर क्षेत्र में शोध के कुछ अवसर आते हैं। नवाचार और शोध पर हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए, ताकि हम अपने खिलाड़ियों को अपडेट कर सकें। सीएम योगी ने कहा कि इस नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के कुशल खिलाड़ियों के साथ देश के अलग-अलग राज्यों से भी कुशल खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारतए श्रेष्ठ भारत का वह भाग है जिसके तहत खिलाड़ी की उन भावनाओं को सम्मान देना है जो अपने लिए नहीं, देश के लिए खेलता है। पूरे देश से वह उम्मीद भी रखता है कि पूरा देश उसके बारे में सोंचे। यह पहली बार नहीं है, याद कीजिए टोक्यो ओलंपिक या पैरालंपिक में जिन खिलाड़ियों ने देश के लिए मेडल जीते थे, वे चाहे देश में किसी भी राज्य के होंए उन सभी को हमने सम्मान दिया था और नकद राशि भी उपलब्ध कराई थी। हमारा मानना है कि खिलाड़ी देश के लिए खेलता है। उसकी मेहनत और परिश्रम का परिणाम वैश्विक मंच पर देश की शक्ति और सामर्थ्य के रूप में देखने को मिलता है तो स्वाभाविक रूप से इस समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि खिलाड़ी को किसी संकीर्ण दायरे में बांधकर न रखें। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने इसी विराट हृदय का परिचय दिया है और 233 खिलाड़ियों को नियुक्ति की प्रक्रिया से जोड़कर उन्हें सम्मान देने का कार्य किया है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 6 वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से बढ़ाने का कार्य हुआ है। पहले हर भर्ती पर प्रश्न उठते थेए चयन प्रक्रिया पर प्रश्न खड़े होते थे। विगत 6 वर्ष के अंदर प्रदेश में 1.54 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। इसके अलावा 2492 मृतक आश्रितों के पदों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पर उनका भी समायोजन किया गया है। प्रदेश के अंदर एक लाख 29 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों को समयबद्ध तरीके से प्रोन्नति देने का भी कार्य हुआ है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 62400 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रचलित है। पुलिस बल में खिलाड़ियों की जो कमी थी, उसे भी दूर किया जा रहा है। इससे पहले 8 जुलाई को भी हमने 227 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए थे। उसमें भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे। आज जो नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, उसमें 154 पुरुष और 79 महिलाएं उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बन रही हैं।

पदक विजेता खिलाड़ियों को दिया जा रहा नकद पुरस्कार

सीएम योगी ने खिलाड़ियों को यूपी सरकार की ओर से दी जा रही मदद के विषय में बताया कि सरकारी नौकरियों में राजपत्रित अधिकारियों से लेकर पुलिस बल व अन्य विभागों का हिस्सा बनाने तक निरंतर कार्य कर रहे हैं। जो खिलाड़ी ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्सए एशियाड या वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए मेडल जीतता है उसके लिए हमने अलग-अलग राशि का प्रावधान किया है। यही नहीं, ओलंपिक गेम्स में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ी को प्रोत्साहन राशि के रूप में 10-10 लाख रुपये की सहायता भी उपलब्ध करवा रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स में यह राशि 5-5 लाख रुपये है। प्रदेश सरकार ने खेलों के प्रोत्साहन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व खिलाड़ियों को कोच के रूप में रखने के लिए, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को भी जनपद स्तर पर और विकास खंड स्तर पर कोच के रूप में रखने की एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। खिलाड़ियों की सुविधाओं में भी वृद्धि की है। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर कार्य कर रही है।

फिल्म गदर-2 की टीम ने सीएम योगी से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फिल्म गदर-2 की टीम बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। टीम में फिल्म के निर्माता और निर्देशक अनिल शर्मा, उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, मनीष वाधवा, गौरव चोपड़ा समेत अन्य कलाकार शामिल रहे। इस दौरान टीम ने सीएम योगी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बिल्कुल अभिभावक की तरह स्नेह दिया। वहीं फिल्म के निर्माता और निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के माहौल में सकारात्मक परिवर्तन आया है। निर्माता और निर्देशक अनिल शर्मा ने गदर-2 की शूटिंग के दौरान के अपने अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान यहां के प्रशासन ने जिस तरह से सहयोग किया, ऐसा सहयोग देश के किसी अन्य राज्य में नहीं मिलता है। प्रशासन ने शूटिंग के दौरान सुरक्षा के सभी इंतजाम कर रखे थे, जहां ट्रैफिक डायवर्जन की आवश्यकता पड़ी वहां ट्रैफिक को डायवर्ट किया। हमारी टीम को कहीं भी भीड़ या हूटिंग का सामना नहीं करना पड़ा। यही वजह है कि आज निर्माता और निर्देशक उत्तर प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग को प्राथमिकता दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश की फिल्म सिटी पर अपनी बात रखते हुए निर्माता और निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश कला की जननी है। यह भूमि लीलाधारी भगवान श्री कृष्ण की है। पूरी दुनिया में उनके जैसा कलाकार कोई नहीं हुआ। नोएडा में स्थापित हो रही फिल्म सिटी उत्तर प्रदेश समेत आसपास के राज्यों के कलाकारों को बड़ा अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सीएम योगी जिस तरह से कला को प्रोत्साहन और कलाकारों को सम्मान दे रहे हैं, उसे देखते हुए यह प्रतीत होता है कि आज कला समेत हर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का भविष्य उज्ज्वल है।

नौकरी मिलने के बाद नवचयनितों ने अंतर्मन से जताया योगी सरकार का आभार

● प्रदर्शन के आधार पर दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों को भी यूपी में मिली नौकरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खेलों में भी यूपी की अब अलग पहचान बन चुकी है। पदक लाने वाले खिलाड़ियों को योगीराज में यहां भी राजपत्रित अधिकारी के रूप में नौकरी मिल रही है। सीएम योगी की निष्पक्ष कार्यप्रणाली व अपनी खेलों-प्रतिभा की बदौलत यूपी की माटी की महक दुनिया में महकाने वाले खिलाड़ियों को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से नौकरी मिली। यूपी के खिलाड़ी हों या राज्य से बाहर के, सिर्फ और सिर्फ खेल में प्रदर्शन ही उनके चयन का आधार बना। नियुक्ति पत्र पाने वाले 233 आरक्षियों ने सीएम योगी के नेतृत्व में हुई निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की न सिर्फ सराहना की बल्कि विश्वास भी दिलाया कि नौकरी के जरिए जरूरतमंदों को न्याय दिलाएंगे और खेल के जरिए यूपी का मान बढ़ाएंगे। आंध्र प्रदेश, केरल, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों के खिलाड़ी भी यूपी का हिस्सा बने।

जुलाई में भी 227 आरक्षियों को खेल कोटे से मिला था नियुक्ति पत्र: सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगातार दो महीने (जुलाई व अगस्त) खेल कोटे से आरक्षियों को नियुक्ति पत्र देकर यूपी पुलिस की नौकरी से जोड़ा। 23 अगस्त को मुख्यमंत्री ने लोकभवन में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कुशल खिलाड़ी कोटे में चयनित 233 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र दिया तो इसके पहले 8 जुलाई को भी मुख्यमंत्री ने 227 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। यही नहीं 6 जुलाई को भी मुख्यमंत्री ने खेल के इतर लोकभवन में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 1148 पदों पर नियुक्ति पत्र दिया था।

यूपी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं हुआ: हरियाणा निवासी जतिन जूडो के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। साउथ अफ्रीका में हुए कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप-2023 जतिन ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा कि खेल कोटे से उन्हें नौकरी मिली। यूपी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं हुआ। इससे अच्छे खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिला। विश्वास दिलाते हैं कि यूपी के खिलाड़ी आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर मेडल लाएंगे।

योगी जैसी सरकार किसी प्रदेश में नहीं: नवचयनित राजस्थान के मूल निवासी दिनेश चौधरी ने कहा कि योगी जैसी सरकार किसी प्रदेश में नहीं है। निष्पक्ष भर्ती हुई है और सबके सामने पारदर्शिता से कार्य हुआ है। भेदभाव जैसी चीज यहां बिल्कुल भी नहीं है। हमें सिर्फ और सिर्फ अपने चयन के आधार पर ही नौकरी मिली। यह बड़ी बात है। प्रदर्शन ही चयन का मानक बना तो यह सिर्फ योगीराज में ही संभव है।

पदक लाते रहेंगे, मान बढ़ाते रहेंगे: यूपी के देवरिया निवासी रोइंग खिलाड़ी शोभित पांडेय ने कहा कि निष्पक्ष भर्ती के कारण ही अच्छे खिलाड़ी निकलकर आए हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि यूपी के लिए पदक लाने के साथ लोगों को न्याय मिले। हम यूपी के लिए निरंतर खेलों में पदक लाते रहेंगे और अपने गांव.प्रदेश का नाम बढ़ाते रहेंगे। सीएम योगी युवाओं के स्वावलंबन और उनकी प्रतिभा का लाभ यूपी को मिलेए इसके लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

हर खेलों में यूपी के लिए आएंगे पदक: उत्तराखंड की रहने वालीं खिलाड़ी तनु मलिक ने कहा कि भर्ती के माध्यम से सभी को एकत्र किया गया। जिस प्रकार खेलों में हम सभी ने अभी तक प्रदर्शन किया। कोशिश रहेगी कि विभिन्न खेलों के खिलाड़ी आने वाले समय में भी उसी प्रकार प्रदर्शन कर पदक लाकर यूपी का गौरव बढ़ाते रहें। यह सत्य है कि यूपी में निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया के तहत ही युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

पराली को बायोकंपोस्ट में बदलने के लिए सरकार बाटेंगी 17 लाख बायो डी-कंपोजर

● हर जिले में योगी सरकार लगाएगी सीएनजी और सीबीजी का प्लांट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यंत्रीकरण के बढ़ते चलन और श्रमिकों की अनुपलब्धता की वजह से अब फसलों की कटाई कंबाइन से ही होती है। खरीफ और रबी की प्रमुख फसल धान और गेहूं की कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए इन फसलों के अवशेष जलाने की प्रथा आम है। इसके कारण, खासकर धान की कटाई के बाद मौसम में नमी के चलते यह समस्या कुछ इलाकों में गंभीर हो जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार इस समस्या का स्थायी हल निकालने के लिए शिद्दत से लगी है। इससे संबंधित योजनाएं जब तक अमल में आएं तब तक के लिए भी सरकार की यह मंशा है कि दंड, जागरूकता और अन्य संभव तरीकों से पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की समस्या को कम किया जाय। इसी क्रम में सरकार ने तय किया है कि वह धान की पराली को बायोकंपोस्ट में बदलने के लिए 17 लाख किसानों को बायो डी-कंपोजर उपलब्ध कराएगी। इस बीच जागरूकता और अन्य अभियान भी जारी रहेंगे।

सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति 2022 का जो ड्राफ्ट तैयार किया था उसके अनुसार वह कृषि अपशिष्ट आधारित बायो सीएनजीए सीबीजी ;कंप्रेस्ड बायो गैसद्ध इकाइयों को कई तरह के प्रोत्साहन देगी। मुख्यमंत्री पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस तरह की इकाइयां हर जिले में लगाई जाएंगी। इस तरह का एक प्लांट करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन ऑयल गोरखपुर के दक्षिणांचल स्थित धुरियापार में लगा रहा है। उम्मीद है कि यह प्लांट मार्च 2023 तक चालू हो जाएगा। इसमें गेहूं-धान की पराली के साथ, धान की भूसी, गन्ने की पत्तियां और गोबर का उपयोग होगा। हर चीज का एक तय रेट होगा। इस तरह फसलों के ठूंठ के भी दाम मिलेंगे। प्लांट में मिले रोजगार के अलावा प्लांट की जरूरत के लिए कच्चे माल के एकत्रीकरण, लोडिंग, अनलोडिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन के क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। सीएनजी एवं सीबीजी के उत्पादन के बाद जो कंपोस्ट खाद उपलब्ध होगी वह किसानों को सस्ते दामों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इस बीच पराली जलाने के दुष्प्रभावों के प्रति किसानों को जागरूक करने के कार्यक्रम भी कृषि विज्ञान केंद्रों, किसान कल्याण केंद्रों के जरिये चलते रहेंगे। अगर आप कटाई के बाद धान की पराली जलाने की सोच रहे हैं तो रुकिए और सोचिए।

आप सिर्फ खेत नहीं, उसके साथ अपनी किस्मत खाक करने जा रहे हैं। क्योंकि पराली के साथ फसल के लिए सर्वाधिक जरूरी पोषक तत्व नाइट्रोजनए फ स्फ ोरस और पोटाश (एनपीके) के साथ अरबों की संख्या में भूमि के मित्र बैक्टीरिया और फफूंद भी जल जाते हैं। भूसे के रूप में पशुओं का हक तो मारा ही जाता है।

मायावती ने एनडीए व इंडिया गठबंधनों से दूरी बनाए रखन के दिए स्पष्ट संकेत

● वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में उम्मीदवारों के चयन में खास सावधानी बरतने की दी हिदायत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) में से किसी का भी साथ नहीं देने के साफ संकेत देते हुए बुधवार को कहा कि दोनों ही बहुजन समाज को तोड़ने में व्यस्त रहते हैं, लिहाजा उनसे दूरी बनाए रखना ही बेहतर है।

मायावती ने बसपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक में गठबंधन को लेकर पार्टी के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि गठबंधनों से बसपा को फायदे के बजाय नुकसान ही हुआ है। उन्होंने कहा कि राजग और विपक्षी गठबंधन अगले लोकसभा चुनाव में जीत के दावे कर रहा है मगर सत्ता में आने के बाद इन दोनों के ज्यादातर वायदे खोखले ही साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, दोनों की नीतियों व कार्यशैली से देश के गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोगों का हित और कल्याण कम हुआ बल्कि उन्हें आपस में विभाजित कर उनका अहित ज्यादा हुआ है। बसपा समाज को जोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करती है जबकि वे लोग उन्हें तोड़कर कमजोर करने की संकीर्ण राजनीति में ही ज्यादातर व्यस्त रहते हैं, इसीलिए इनसे दूरी ही बेहतर है। मायावती ने कहा, वैसे भी आम्बेडकरवादी विचारधारा वाली बसपा का मजबूत गठबंधन खासकर उत्तर प्रदेश में दूसरी किसी भी पार्टी के साथ कैसे संभव है? गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में चार बार सत्ताशीर्ष पर पहुंच चुकी बसपा के इस राज्य से कुल नौ सांसद हैं। दलितों में जनाधार वाली प्रमुख पार्टी मानी जाने वाली बसपा ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। उस वक्त उसे 10 सीटों पर सफलता मिली थी।

राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक की होगी स्थापना

● 9.62 लाख प्रति महाविद्यालय के रूप में कुल 86.58 लाख रुपए की धनराशि आवंटन की स्वीकृति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लोगों को उत्तम स्वास्थ्य निदान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने राज्य में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर्स के सुधार और नवीनीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पिछले कुछ दिनों में योगी सरकार ने राज्य में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर्स के सुदृढ़ीकरण के लिए जारी कई परियोजनाओं में लंबित आर्थिक अनुदान को वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश में मेडिकल फैसिलिटीज में बढ़ोत्तरी करने की विस्तृत कार्ययोजना के तहत योगी सरकार ने अब अगले चरण में प्रदेश के 9 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। इस योजना के अंतर्गत कानपुर देहात, बिजनौर, पीलीभीत, औरैया, गोण्डा, चंदौली, ललितपुर, सोनभद्र व लखीमपुर खीरी के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक की स्थापना के लिए कुल 86.58 लाख रुपए की धनराशि जारी करने की वित्तीय व प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस तरह प्रत्येक स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक स्थापना के लिए 9.62 लाख रुपए की धनराशि प्रदान किए जाने का रास्ता साफ हो गया है।

लिक्विफ इड ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए इस वर्ष 11 जुलाई को कानपुर देहात, बिजनौर, पीलीभीत, औरैया, गोण्डा, चंदौली, ललितपुर, सोनभद्र व लखीमपुर खीरी के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों ने राज्य सरकार से आग्रह किया था कि लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक यूनिट लगाने के लिए मदद की जाए। ऐसे में योगी सरकार ने इस मांग को स्वीकृति देते हुए इस दिशा में प्रत्येक स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों को जीएसटी सहित 9.62 लाख रुपए प्रत्येक के हिसाब से कुल 86.58 लाख रुपए की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे इन सभी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में मरीजों को ऑक्सीजन की कमी से नहीं जूझना पड़ेगा और उन्हें उनके ही जिले में निदान आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में फुटओवर ब्रिज के लिए पहली किस्त जारी: लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मुख्य परिसर को एकेडेमिक ब्लॉक से जोड़ने के लिए फुटओवर ब्रिज के निर्माण का रास्ता भी साफ हो गया है। दरअसल इस मद में कुल 4.56 करोड़ की धनराशि खर्च होना अनुमानित था और अब सीएम योगी की मंशा के अनुरूप इस मद में 2.28 करोड़ की धनराशि पहली किस्त के तौर पर जारी कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले साजो-सामान की खरीद के लिए 18 प्रतिशत जीएसटी की धनराशि भी जारी कर दी है।

ईको-सेन्सिटिव जोन की सीमाओं की जिओ रेफ्रेसिंग कराई जाए: मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में राज्य वन्यजीव बारहसिंघा अभ्यारण्य-ईको सेन्सिटिव जोन की सीमाओं के निर्धारण के लिए बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि ईको-सेन्सिटिव जोन की सीमा के अन्तर्गत आने वाले ग्रामों की सीमा के निर्धारण के लिए नवीनतम टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाए। सीमाओं की जिओ रेफ्रेसिंग कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बारहसिंघा को बचाने के लिए ब्रीडिंग केंद्र स्थापित किया जाए। वन्यजीवों के प्रति जागरुकता अभियान चलाया जाए, जिससे आम जनमानस में सकारात्मकता के प्रति रूझान बढ़ेगा।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश वन अनुभाग-3 द्वारा तत्कालीन वन प्रभाग मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, मुरादाबाद एवं बिजनौर वन प्रभाग के अन्तर्गत 2073 वर्ग किमी क्षेत्र को हस्तिनापुर वन्य जीव विहार घोषित किया गया है। ईको-सेन्सिटिव जोन में आने वाले जनपद मेरठ, हापुड़, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा में ग्रामों की कुल संख्या 189 हैं। वर्तमान में एक किमी सीमा के अन्तर्गत आने वाले उद्योगों की संख्या 52 हैं। ईको-सेन्सिटिव जोन का क्षेत्रफल 239.07 वर्ग किमी हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन मनोज सिंह, सचिव कृषि राजशेखर, ग्राम्य विकास आयुक्त गौरी शंकर प्रियदर्शी, चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डेन एवं पीसीसीएफ अंजनी कुमार आचार्य, चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट मेरठ जोन एनके जानू सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम विश्वकर्मा योजना में सर्वाधिक पंजीकरण यूपी से होना चाहिए: सीएस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना में सर्वाधिक पंजीकरण उत्तर प्रदेश से होना चाहिए योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण 25 अगस्त से शुरू हो रहा है। पात्र व्यक्ति पोर्टल पर स्वयं अथवा कॉमन सर्विस सेण्टर (सीएससी) के माध्यम से पंजीकरण कर सकता है। योजना का अधिक से प्रचार-प्रसार कर जनपदों में अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों का तेजी से पंजीकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि योजना के बारे में सीएससी को भी सेंसटाइज कर दिया जाए। आगामी 17 सितम्बर से पूर्व एक लाख से अधिक लाभार्थियों का पंजीकरण कराया जाए। पंजीकरण के उपरान्त सत्यापन की कार्रवाई को भी तेजी से पूर्ण कराया जाए। पात्र लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड, क्रेडिट सपोर्ट, स्किल अपग्रेडेशन, टूलकिट इन्सेन्टिव, डिजिटल ट्रांजक्शन के लिउ इंसेन्टिव, मार्केटिंग सपोर्ट की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। बैठक में बताया गया कि योजना में पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण व सत्यापन के उपरान्त उन्हें पांच दिन के बुनियादी प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है। प्रशिक्षण पूरा होने के पश्चात उन्हें प्रमाण-पत्र तथा टूलकिट खरीदने के लिए 15000 रुपए का ई-वाउचर प्रदान किया जाएगा और वह अधिकतम एक लाख रुपये का प्रथम ऋण पांच प्रतिशत ब्याज दर पर प्राप्त कर सकेंगे, जिसे 18 महीने में जमा करना होगा।

यूपीपीसीएल की टीमें गुजरात, मध्य प्रदेश और हरियाणा डिस्कॉम के अध्ययन के लिए रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीते 6 वर्षों में प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिला है। इस सुधार की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए योगी सरकार ने देश के अग्रणी वितरण निगमों में बेहतर कार्यों का अध्ययन कर उसे प्रदेश में लागू करने का निर्णय किया है। इसके लिए सरकार ने विद्युत विभाग की तीन टीमों को अलग.अलग राज्यों में भेजा है। यह टीमें 23 से 25 अगस्त तक गुजरात, मध्य प्रदेश तथा हरियाणा डिस्कॉम में किए जा रहे अच्छे कार्यों का अध्ययन कर अपनी संस्तुति उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड को सौपेंगी।

सीएम योगी प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को बेहतर करने के प्रयास में निरंतर जुटे हुए हैं। उनकी मंशा प्रदेश को विद्युत व्यवस्था के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने की है।

उत्तर प्रदेश पावर कारापोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बताया कि यूपीपीसीएल की वितरण कंपनियों द्वारा मीटरिंग, बिलिंग, कलेक्शन एवं वितरण के कार्यों में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में पावर फाइनेंस कारपोरेशन द्वारा की जा रही डिस्कॉम की रेटिंग में देश के अग्रणी राज्यों गुजरात, मध्य प्रदेश तथा हरियाणा के डिस्काम्स में मीटरिंग, बिलिंग, कलेक्शन एवं वितरण इत्यादि से संबंधित कार्यों का अध्ययन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की तीन टीमों का गठन किया गया है। प्रबंध निदेशक (केस्को) सैमुअल पाल के नेतृत्व में 9 सदस्यीय टीम गुजरात गई है। इसी तरह मध्यांचल डिस्काम के निदेशक वाणिज्य योगेश कुमार के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम मध्य प्रदेश गई है। वहीं पूर्वांचल डिस्काम के निदेशक वाणिज्य राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम हरियाणा जाएगी।

यह तीनों टीमें डिस्काम के अंतर्गत मीटरिंग, बिलिंग कलेक्शन एवं वितरण तंत्र के विषय में अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेस का बारीकी से अध्ययन करेंगी।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों व कानून व्यवस्था पर किया मंथन

● हमारी सरकार की पहचान करप्शन और क्राइम पर जीरो टॉलरेंस की नीति है

शाहजहाँपुर। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। मंत्री ने विभिन्न विभागों के माध्यम से किये गये विकास कार्यो एवं विकास योजनाओं तथा जनपद की कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होने राजस्व एवं कर करेत्तर का संग्रह, विद्युत व्यवस्था, अमृत सरोवरों के निर्माण, सड़कों के निर्माण, सौभाग्य योजना, सेतु निर्माण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनाए स्वास्थ्य

अधिकारियों की बैठक लेते मंत्री

विभाग, अमृत योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी ली।

नरेन्द्र कश्यप ने वन विभाग द्वारा किये गये वृक्षारोपण के लक्ष्य के सम्बन्ध में जानकारी ली। वृक्षा रोपण ग्राउण्ड पर भी दिखना चाहिए, वृक्षारोपण उपरान्त वृक्षों के संरक्षण की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए डीएफओं प्रखर गुप्ता को निर्देशित करते हुये कहा कि वृक्षों के जीविकादर को बढ़ाने के लिये प्लान बनाकर उसे कार्यान्वित करना सुनिश्चित करें। राजस्व कर एवं करेत्तर राजस्व संग्रह के सम्बन्ध में राजस्व की वसूली को लेकर नाराजगी व्यक्त की। संबंधित अधिकारी को लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त कम वसूली को बढ़ाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होने सड़क परिवहन, नगर निकाय एवं विद्युत से संग्रह की भी जानकारी ली।

प्रभारी मंत्री ने जनप्रितिनिधियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कम विद्युत आपूर्ति की शिकायत को लेकर अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार करते हुये जनपद में नियमानुसार विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि खराब ट्रांसफार्मरों को निर्धारित समय 48 घण्टे के भीतर बदलाना सुनिश्चित करें। विजली बिलों के बकाया भुगतान की वसूली करने के निर्देश भी दिये। मेडिकल कालेज के निर्माण में आनियमित्ताओं को लेकर प्रभारी मंत्री ने जांच कर कार्यावाही करने हेतु निर्देशित किया। मंत्री ने स्वास्थय विभाग में महिला डॉ. की कमी को लेकर महिला डॉक्टरों की तैनाती किये जाने के निर्देश सीएमओ को दिये। किसी भी दशा में स्वास्थय सेवाएं बाधित न हो यह सुनिश्चित किया जाये। मकसूदापुर चीनी मिल पर गन्ना किसानों के बकाया भुगतान जल्द कराये जाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिये। प्रभारी मंत्री ने छात्रध्छात्राओं को दी जानी वाली छात्रवृत्ति के सम्बन्ध बताया कि नई पॉलिसी के अन्तर्गत छात्रध्छात्राओं को इस बार छात्रवृत्ति दिसम्बर माह से पहले पहले उपलब्ध कराने की योजना बनाई गयी है। प्रभारी मंत्री ने जनपद में कानून व्यस्था के संबंध में जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने जनपदस्तरीय टॉप टेन अपराधियों की सूची एवं इनामी बदमाशों की सूची तथा महिला संबंधी अपराधों व पोक्सो एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत मामलों में विवेचना तथा अभियोजन की प्रगति का विवरण दिया। पुलिस अधीक्षक ने मंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन कनविक्शन के तहत महिला एवं पोक्सो एक्ट के अंतर्गत मामलों में 10 दिवसों में ट्रायल करवाकर अपराधियों को एक माह में सजा दिलवाई गई है।

शाहजहांपुर में बारिश के बीच नगर आयुक्त ने नालों का लिया जायजा

शाहजहांपुर। अति वृष्टि के मद्देनजर नगर क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने भ्रमण कर नाले नालियों व स्थलों पर जलभराव की स्थिति को देखा । नगर आयुक्त ने निशात टॉकीज, कटिया टोला, बाडूजई प्रथम, लाल इमली चौराहा, महमंद जलालनगर, आवास विकास कॉलोनी, ईदगाह तिराहा, सुभाष नगर, महिला थाना का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त संतोष शर्मा के निरीक्षण के समय निरीक्षण स्थलों पर स्थित नालों का पानी बहता हुया पाया गया। निशात टाकीज से लाल इमली चौराहा के पास निरीक्षण कर सम्बंधित को विशेष सफाई कार्य कराए जाने के लिए सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को निर्देशित किया। सुभाषनगर व स्मार्ट रोड के पास स्थित नाले की जल निकासी की व्यवस्था ठीक पाई गई। महिला थाना के पास स्थित नाला

नालो को चेक करते नगर आयुक्त

सफाई एवं निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय नाले की जल निकासी की व्यवस्था ठीक पाई गई तथा नाले की कवरिंग हेतु निर्माणाधीन कार्य में तेजी लाये जाने हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही नगर क्षेत्र में यदि कहीं पर भी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई हो, उसको तत्काल ठीक कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त मके निरीक्षण के समय अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, मुख्य अभियंता सिविल एसके अम्बेडकर, अधिशासी अभियंता सिविल आशीष त्रिवेदी व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण

सड़क दुर्घटना में हेल्पर की मौत

बरेली। रात के समय दो ट्रैकों की टक्कर में एक ट्रक के हेल्पर की मौत हो गई पुलिस ने शव को अज्ञात के रूप में जिला अस्पताल भेजा जहां मृतक के घर वालों ने शव की पहचान कर ली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ट्रक का ड्राइवर फरार बताया जाता है। हाथरस जिले के हाथरस गेट थाना क्षेत्र के नयाबास जैन बगीची निवासी शिशुपाल के 22 वर्षीय बेटे ओमवीर की आज सुबह तड़के लगभग बरेली के देवरनिया थाना क्षेत्र में रिछा फाटक के पास हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जिला अस्पताल में मौजूद मृतक के भाई जीतपाल ने बताया कि ओमवीर एक कैंटर ट्रक पर हेल्पर के तौर पर काम करता था और कल दिन में वह अपने ट्रक पर उत्तराखंड के सितारगंज से प्लाईवुड लाद कर हाथरस जाने के लिए चला था लेकिन रास्ते में बरेली के रिछा फाटक पर उसके ट्रक को सामने से आ रही दूसरे ट्रक में टक्कर मार दी जिससे ओमवीर की मौके पर मौत हो गई दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला ट्रक फरार हो गया वही ओमकार के ट्रक का चालक भी मौके से फरार हो गया दुर्घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने ओमकार के शव को अज्ञात के रूप में जिला अस्पताल भेजा जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया और पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के घर वालों को दी जो सुबह जिला अस्पताल पहुंचे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक तीन भाइयों में छोटा था।

करंट लगने से गाय की मौत

बरेली। लगातार हो रही बरसात के चलते करंट की चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। बारादरी थाना क्षेत्र में ईसाइयों की पुलिया के पास बीती रात एक गाय डिवाइडर पर लगे कुछ हरे पेड़ों को खाने के लिए आ गई इन्हीं पेड़ों के बीच लगे एक पोल पर पहले से ही बिजली का कनेक्शन खुला हुआ था जिससे पेड़ों मे करंट आ रहा था जैसे ही गाय ने पेड़ों को पास लगी घास को खाने की कोशिश की वह करंट की चपेट में आ गई और जमीन पर गिर गई स्थानीय लोगों से बचने की कोशिश की लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मोहाना नदी के उफान से बार्डर पर बाढ़ की विभीषिका

संवाददाता। तिकुनियां.खीरी

बार्डर पर बह रही नदी की विनाशलीला शुरू हो गई है। नदी लगातार कटान कर खेतो में लहलहा रही फसलों को निगलती जा रही है। यह कटान जसनगर, रामनगर, नयापिंड और अनूप नगर में तेजी से चल रहा है। बार्डर पर बह रही मोहाना नदी जब उफान पर होती है तब बाढ़ रूपी विनाशलीला और जब घटती है तो तेजी से कटानरूपी विनाशलीला करती है। ग्रामीण दिव्यांग रिजवानए रामसहायए रामसरन और जवाहर लाल ने बताया कि पिछले दिनों में अचानक कटान बढ़ गया है गांव के लोगों की 80 प्रतिशत खेती कटान में जा चुकी है और अभी कटान जारी है।

श्रीकृष्ण मौर्य, जुगराज, सीताराम ने बताया कि गांव के सभी लोगों के परिवार का भरण पोषण खेती के माध्यम से होता है अब खेत कट रहे है तो पेट

भरने के लिए गांव से पलायन करना होगा। नदी के किनारे किसान बैठकर अपनी आँखों के सामने अपनी फसल को कटते देखकर आंसू बहाने पर मजबूर है। ग्रामीणों की मांग है कि उचित मुआवजा मिले और कटान रोकने का उचित प्रबंध किया जाए। हालांकि कई दिनों से हो रहे कटान की जानकारी होने के बाद भी सरकारी तंत्र के किसी भी नुमाइंदे के ना पहुंचने से ग्रामीणों और किसानों में रोष ब्याप्त है। इस बाबत तहसीलदार भीमचंद ने बताया कि लेखपाल को सर्वे करने के निर्देश दिए गए है, जिसके बाद कटान पीड़ितों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

इनके कट गये खेत

अजय, हुसैनी, रामअवतार, बिरजू, सीताराम, फूलमती, काशीराम, संतराम, अकील, रामसरन, भल्लर, श्रीकृष्ण मौर्य, मंशाराम, सतीश, श्रीराम, बालकराम, सरताज, क़तील, मुख्तियार, रिजवान, रामसहाय, रामसरन, जवाहरलाल, सीताराम, जुगराज, कृष्ण कुमार श्रीकृष्ण मौर्य सहित दो दर्जन से अधिक किसानों के खेत फसल सहित नदी की मुख्यधारा में समा चुके हैं।

ग्रामीणों का मानना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कटान रोकने का कोई ठोस उपाय नही किया तो वो दिन दूर नही जब विकराल रूप धारण किये नदी रेलवे लाइन को भी अपने गाल में समा लेगी हालांकि अभी नदी और लाइन के बीच की दूरी लगभग 200 मीटर शेष है।

कुछ ग्रामीणों का यह भी मानना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते नदी की तलहटी से होने वाले खनन पर अंकुश लगाया होता तो शायद आज इतनी जल्दी नदी कटान कर इधर ना आ पाती।

क्विक न्यूज

चंद्रयान-3 के प्रक्षेप के लाइव प्रसारण का कार्यक्रम स्वामी शुक्देवानंद कॉलेज में आयोजित

शाहजहांपुर। स्वामी शुक्देवानंद कॉलेज के स्वामी शुक्देवानंद सेमिनार हॉल में चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के लाइव प्रसारण का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह में, उपप्राचार्य डॉ. अनुराग अग्रवाल ने चंद्रयान.2 मिशन के महत्व को बताते हुए उसकी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की। उन्होंने छात्रों को ज्ञानवर्धन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों की महत्वपूर्णता पर भी बल दिया। इस समारोह में राजनीत शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉण् आदित्य कुमार सिंह ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रयासों की महत्वपूर्णता पर विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में उपप्राचार्य डॉ. अनुराग अग्रवाल सहित वरिष्ठ शिक्षकों डॉ. आदित्य कुमार सिंह, डॉ. मीना शर्मा, डॉ. प्रभात शुक्ला, डॉ. शालीन सिंह, डॉ. श्रीकांत मिश्रा, डॉ. आदर्श पांडेय और डॉ. रमेश चंद्र शामिल हुए। साथ ही, छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत मे उपप्राचार्य डॉ अनुराग अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शिक्षकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीवार गिरने से एक अधेड़ की मौत

मितौली। लगातार हो रही बरसात के बीच दीवार गिरने से एक अधेड की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मितौली ब्लाक की ग्राम पंचायत रसूलपुर के मजरा कमलापुर के रहने वाले जगदीश प्रसाद (55) बुधवार सुबह शौच के लिए जा रहे थे। इसी दौरान घर की चारदीवारी का कुछ हिस्सा भरभरा कर ढह गया। दीवार के मलबे की चपेट में आने से मौके पर ही जगदीश की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं क्षेत्रीय लेखपाल ने भी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। बताते है कि जगदीश जुए का आदी था। अपनी युवावस्था में ही उसने अपना घर जुए की लत के कारण ही बेच दिया था। उसकी पत्नी की मौत शादी के कुछ महीनों बाद ही हो गई थी। इन दिनों वह अपने चचेरे भाई श्रीपाल के घर के एक हिस्से में बने अपने आवास में रहता था।

बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत

मैगलगंज खीरी। थाना क्षेत्र में मैगलगंज के बेहड़ा जोरावर गांव निवासी एक युवक घर में लगे समरसेवल से बाइक धोने के लिए समरसेवल चलाने गया लेकिन तार टूटा होने के चलते स्टार का तार जोड़ने लगा। बिजली की चपेट में आ जाने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। थाना क्षेत्र मैगलगंज के बेहड़ाजोरावर गांव निवासी चंदन पुत्र फकीरे 18 वर्ष अपनी बाइक से मढियाघाट मंदिर गया था वहां से वापस आने के बाद वह अपनी बाइक धोने के लिए अपने घर पर लगे समरसेवल के स्टार की बटन दबाने गया ए लेकिन तार टूटा होने के चलते स्टार का तार जोड़ने लगा इसी दौरान बिजली सप्लाई की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

विश्वनाथ मंदिर में भक्तों ने महाकाल स्वरुप का किया दर्शन

सीतापुर। सीतापुर शहर के मोहल्ला होली नगर स्थित पौराणिक विश्वनाथ मंदिर में भक्तों ने महाकाल स्वरुप का दर्शन किया। श्रद्धालुओं ने बर्फऔर पुष्पों से महाकाल के स्वरुप को सुसज्जित करने के बाद श्रद्धालुओं के निमित मंदिर के कपाट खोले। भक्तों ने भजनों का गायन कर सभी को मोह लिया। इंडियन आइडल फेम शोभित जोगिया और उनके साथियों ने शानदार प्रस्तुति दी। भजनों का गायन नैना म्यूजिकल ग्रुप, सौरभ साहू, मां विजुअल्स के वागीश मिश्र ने किया।

मानकों को दरकिनार कर सीवर का कराया जा रहा निर्माण कार्य

सीतापुर। मानकों को दरकिनार कर सीवर लाइन का निर्माण कार्य कराए जाने पर नागरिकों ने नाराजगी जताई है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि सीतापुर शहर से सटे ग्राम पंचायत नैपालापुर आदर्श नगर में जो सीवर लाइन बन रही है उसमें मानकों की अनदेखी की जा रही है। चेंबर में पीला ईंट व कम मात्रा वाला मसाले का प्रयोग हो रहा है। यह निर्माण कार्य 15वां वित्त आयोग से कराया जा रहा है। मोहल्ले वासियों ने डीएम कार्यालय में पत्र देकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

रोजगार सेवकों ने अपनी मांगों के समर्थन में उठायी आवाज

सीतापुर। ब्लाक कसमंडा क्षेत्र के रोजगार सेवकों ने अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई है। रोजगार सेवकों की मांग है कि 4 अक्टूबर 2021 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान में मुख्यमंत्री द्वारा जो घोषणा की गई थी उसे अमल में लाया जाए। रोजगार सेवकों ने 8 सूत्रीय मांगपत्र मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के लिए बीडीओ कसमंडा मनोज कुमार शर्मा को सौंपा है।

गुड़ियों के प्रदर्शन में विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

सीतापुर। हाथों से बनाई गई गुड़ियों के प्रदर्शन में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधाशुं मिश्रा व उपाध्यक्ष शिवबालक त्रिवेदी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रिया सिंह पाल को प्रथम याशिका सिंह को द्वितीय और परी मिश्रा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। डोर फाउंडेशन प्रदेश महिला संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गुड़िया महोत्सव मनाते हुए गुड़ियों को आकर्षक झूलों में बैठाकर झुलाया गया। इस मौके पर प्रदेश महिला संगठन पूनम मिश्रा ने रजनी मिश्रा को आध्यात्मिक प्रकोष्ठ व रेखा पांडेय को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। शहर के भूरामऊ बंगला स्थित गायित्री मंदिर प्रांगण में सुनीता मिश्रा, बृजेश गुप्ता डॉ. वीरेन्द्र आर्य ममता तिवारी, प्रदेश महिला महामंत्री भावना वैश्य, दीपा कश्यप, आयुषी भारती, शिवांशी मिश्रा, खुशी सिंह, मानस मिश्रा, उपासना शर्मा अमृता यादव, शिवाशुं, कल्पना गुप्ता, आशी, काव्या, खुशी सिंह, सुभित बाजपेई मौजूद रहे।

सब रजिस्ट्रार ऑफिस से तीन लाख की चोरी, लूट का आरोप

बरेली। सब रजिस्ट्रार ऑफिस से तीन लाख की लूट मामले में पुलिस ने जांच-पड़ताल कर चोरी का मामला बताया वही घटना के दूसरे दिन भी तहरीर नहीं दी गई कैश का बॉक्स ले जाने वाले चोर और उसके साथियों की तलाश में पुलिस टीम गठित कर दी गई एसपी ग्रामीण ने जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए फरीदपुर थाने के क्राइम प्रभारी सत्या सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने सब रजिस्ट्रार ऑफिस के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और प्राथमिक जांच में लूट नहीं चोरी का मामला सामने आया है आरोपी पहले रेकी कर रहा है फिर अंदर जाकर कैश से भरा बॉक्स लेकर बाहर निकलता दिख रहा है तहरीर बुधवार को भी नहीं मिली है यदि तहरीर मिलती है तो चोरी का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। ज्ञात होगी फरीदपुर में एसडीएम, सीओ और सब रजिस्ट्रार ऑफिस आसपास स्थित हैं मंगलवार शाम सवा छह बजे सब रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारी रोहित सक्सेना ऑफिस के बरामदे में बैठकर दिनभर के कलेक्शन का हिसाब कर रहे थे इस दौरान एक युवक भी उनके सामने वकील के बिस्तर पर बैठा था अचानक वह रोहित सक्सेना के पास रखे कैश बॉक्स को लेकर भागा और डायट रोड पर खड़ी बिना नंबर की सफेद कार में दो साथियों के साथ बैठकर फरार हो गया सब रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारियों ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया लेकिन वह उसे पकड़ने में कामयाब नहीं हुए सूचना मिलते ही सीओ गौरव यादव ने तुरंत सड़कों पर चेकिंग शुरू करा दी लेकिन लुटेरे हाथ नहीं लगे सब रजिस्ट्रार करुणेश वर्मा ने बताया कि कैश बॉक्स में दिन भर के कलेक्शन के तीन लाख पांच हजार 530 रुपये रखे थे घटना की सूचना पर एसपी देहात भी मौके पर पहुंचे एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है वारदात को अंजाम देने वालों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

इफको नैनो यूरिया (तरल) उर्वरक में आधुनिक कृषि की अंतरराष्ट्रीय संभावनाएं: ग्रेगरी जे नेवेल

बरेली। इफको नैनो यूरिया (तरल) उर्वरक संयंत्र भ्रमण पर पूर्व राजदूत ग्रेगरी जे. नेवेल आंमत्रित प्रतिनिधियों के साथ आंवला पहुंचे। उच्च तकनीकि संयंत्र और उत्पादन की गुणवत्ता परखने के बाद ग्रेगरी जे नेवेल ने अंतर्राष्ट्रीय संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक कृषि क्षेत्र में भारत निर्मित इफ्को नैनो यूरिया (तरल) उर्वरक को एक क्रांतिकारी कदम है,जिसने भारतीय किसानों की प्रगति के दरवाजे खोल दिये है। गौरतलब है दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के सूरीनाम देश और श्रीलंका में इफ्को नैनो यूरिया (तरल) उर्वरक की आपूर्ति के बाद अन्य देश भी कृषि क्षेत्र मे भारत के इफ्को नैनो यूरिया (तरल) और इफ्को नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक में आधुनिक कृषि की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इफ्को के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक श्री राकेश पुरी जी ने बताया कि उच्च तकनीकि से लैस, गुणवत्ता मानकों पर खरा,

भारत का स्वदेशी इफ्को नैनो यूरिया (तरल) उर्वरक किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। प्रतिनिधि मंडल के सदस्य किरण पुरोहित, ज्योतिंद्र बहादुर, किशोर सिंह चौहान, बेनी गाला,चंद्रकला पुरोहित, मुकेश पटेल, कशिश पूजारा ने इफ्को नैनो यूरिया तरल संयंत्र भ्रमण के दौरान तरल उर्वरक की खूबियों को देखा। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक एससी गुप्ता, नैनो संयंत्र के प्रमुख मुकेश खेतान, आशीष गुप्ता सहित इफ्को मुख्यालय से गिरीश शर्मा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए।

पत्रकार पर दर्ज एफआईआर को लेकर आक्रोश

● पत्रकारों ने बीएसए कार्यालय का किया घेराव

●जिलाधिकारी खीरी एवं पुलिस अधीक्षक खीरी से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग ●पत्रकारों के घेराव से बैकफुट पर आए बीएसए खीरी गठित की जांच कमेटी

लखीमपुर खीरी। पलिया में कबाड़ में बेची जा रही किताबो के मामले में पत्रकार पर दर्ज एफआईआर के चलते जिले के पत्रकारों में आक्रोश फैल गया है और पत्रकारों ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक खीरी से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच करवाने और पत्रकार पर दर्ज एफआईआर को निरस्त कराने की मांग की गई वहीं पुलिस अधीक्षक खीरी ने निष्पक्ष जांच करवाने

का आश्वासन दिया है।पत्रकारों ने इसके बाद बीएसए ऑफिस का घेराव किया। जिले के पलिया में बीते दिन एक कबाड़ भरे ट्रक में बच्चों को पढ़ाई के लिए निशुल्क दी जाने वाली किताबों के कई बंडल एक पत्रकार द्वारा देखे गए थे जिसका पत्रकार द्वारा वीडियो बनाया गया था जब पत्रकार सुशील शुक्ला ने बीईओ नागेंद्र चौधरी से इस मामले पर बात करनी चाही तो पत्रकार शिशिर शुक्ला ने कबाड़ में बेची जा रहीं किताबों का वीडियो बी ई ओ नागेंद्र चौधरी के मोबाइल पर सेंड कर दिया इसके बाद नागेंद्र चौधरी ने पत्रकार शुक्ला के मोबाइल को आधार बनाकर एफआईआर दर्ज करा दी एफआईआर दर्ज होने के बाद लखीमपुर खीरी के पत्रकारों में आक्रोश है और लखीमपुर के पत्रकार एकत्र होकर सबसे पहले डीएम कार्यालय पहुंचे और उसके बाद एसपी कार्यालय पहुंचे और एसपी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की जिस पर पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों को निष्पक्ष जांच करवाने का आश्वासन दिया है पत्रकार बीएसए कार्यालय पहुंचे और बीएसए कार्यालय का पत्रकारों ने घेराव किया एबीएसए प्रवीण कुमार तिवारी अपने कार्यालय में मौजूद नहीं मिले बीएसए कार्यालय पहुंचे पत्रकारों में खासा आक्रोश देखा गया। वरिष्ठ पत्रकार नंदकुमार मिश्रा वरिष्ठ पत्रकार श्याम अग्निहोत्री मयंक बाजपाई धर्मेश शुक्ला प्रतीक श्रीवास्तव गोपाल गिरी शादाब राजा शिवम बाजपेई मनोज शर्मा मोहम्मद फैसल अभिषेक वर्मा दिनेश मोहम्मद सलीम ऋषभ त्यागी शारिक खान आदि तमाम पत्रकार बंधु साथ रहे।

पत्रकार पर मुकदमा दर्ज कराने की निंदा

मोहम्मदी खीरी। पलिया खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा भ्रष्टाचार की एक खबर चलाऐ जाने पर एक पत्रकार पर फर्जी मुकदमा लिखाए जाने पर युवा प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी सदस्यों ने घोर निंदा की है तथा कहा है भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए यह कृत्य किया गया है शीघ्र युवा प्रेस क्लब मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध मोर्चा खोलेगा यदि पत्रकार पर दर्ज एफआईआर निरस्त नहीं की जाती है और मुकदमा वापस नहीं लिया जाता है तो प्रदेश भर के पत्रकार धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन और शासन की होगी।

कमरे में फांसी पर लटका मिला युवक का शव

बरेली। एक युवक का शव उसके ही कमरे में फांसी पर लटका मिला उसकी पत्नी बच्चों के साथ मायके मे थी परिजनों ने हत्या कर शव को लटकाने की आशंका जताई सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी। हाफिजगंज के गांव कल्याणपुर निवासी 24 वर्षीय शान पुत्र उमा चरन मजदूरी करता था मंगलवार रात उनकी पत्नी काजल दोनों बच्चों के साथ उत्तराखंड के खटीमा स्थित अपने मायके चली गई थी परिवार के अन्य लोग दूसरे घर में रहते है शान देर रात घर में अकेला था रात में किसी समय उसने कमरे की छत के कुंड से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली देर रात परिजन उसके घर पहुंचे और आवाज लगाने के बाद इंसान का पता नहीं चला तब वह उसके कमरे में पहुंचे जहां उन्होंने शान के शव को फांसी पर लटके देखा सूचना मिलते ही मौके पर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर एकत्र हो गए जानकारी पुलिस को दी गई शान के परिजनों ने आशंका जताई कि की शान की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाया गया है उन्होंने किसी भी रंजिश से इनकार किया पुलिस ने जांच जांच शुरू करते हुए बुधवार सुबह चार बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौजूद शान के परिजनों ने बताया कि शान के कपड़े मिट्टी में सने हुए थे उसके साथ हत्यारोपियों ने मारपीट की और फिर हत्या के बाद शव को टांग दिया पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में आत्महत्या की बात सामने आ रही है।

कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष का बरेली में हुआ जोरदार स्वागत

बरेली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव के बरेली आगमन पर जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विभाग मुस्ताक गद्दी, एवं महानगर अध्यक्ष पुत्तू लाल मौर्य के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। उसके उपरांत शहर के एक होटल में पिछड़ा वर्ग के पदाधिकारी एवं नेताओ के साथ एक आवश्यक मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में पिछड़ा वर्ग का जबरदस्त उत्पीड़न शोषण किया गया है और पिछड़ा वर्ग समाज के लोग अपने आप को इस सरकार में उपेक्षित एवं ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और अपने आने वाली पीढ़ियों के उज्वल भविष्य के लिए पूरा समाज कांग्रेस की ओर अपने कदम बढ़ा रहा हैं इसलिए हम सबको 2024 में लोकसभा चुनाव जीतने हेतु संकल्प के साथ सभी ब्लाकों, नगरों, नगर पंचायतों, वार्डो में संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए जूट जाना चाहिए। मीटिंग में प्रदेश कांग्रेस के सचिव चौधरी असलम मियां ने कहा कि भाजपा ने जिस तरह हिन्दू मुस्लिम के नाम पर दंगा फसाद कर सत्ता हथियाने का तरीका अपनाया है वह राष्ट्र के कमजोर करने एवं आने वाली नस्लों को बर्बाद करेगा अब जनता ने भाजपा की ओछी सांप्रदायिक और भ्रष्ट नीतियों को समझ लिया है 2024 में भाजपा संघ कुछ भी कर ले सत्ता में नहीं आयेगी।

जिलाध्यक्ष मुश्ताक गद्दी ने दावा किया कि भाजपा सपा ने पिछड़ों का नारा देकर दुरुपयोग किया और ठगने का काम किया इसलिए इस बार पुनः अपनी पुरानी विश्वासपात्र कांग्रेस पार्टी को वोट करेगा। इस बार सांसद कांग्रेस का बनेगा। उपरोक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष पुत्तूलाल मौर्या, कांग्रेस सेवादल के सचिव मोहम्मद हसन, जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अवनीश बख्शी टोनू, जगपाल सिंह यादव, सुरेश गोस्वामी, फहीम अहमद, आमिर हुसैन ताज, इकरार अली, उस्मान अली, वली हसन, निराले अंसारी, विलियम गद्दी, यासीन अंसारी, गुड्डू अंसारी आदि के अलावा उपस्थित रहे मुश्ताक गद्दी, जिला अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग समेत अनेको मौजूद रहे।

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर जोश में झूमे लोग, लगे जयकारे

● डीएम ने अन्य अधिकारियों के साथ देखा चंद्रयान की लैंडिग का सजीव प्रसारण

संवाददाता। कानपुर देहात

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहली बार विश्व में पहले देश के रूप में भारत के चन्द्रयान की सफल लैंडिंग पर जनपदवासियों ने जमकर जश्न मनाया। जगह-जगह ढोल नताशे की धुन पर लोग थिरके, पटाखे व रोशनी चलाकर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया, भारतवर्ष की इस अभूतपूर्व ऐतिहासिक उपलब्धि सभी जनपदवासियों के चेहरे खिले नजर आये। वुधवार की दोपहर से ही लोग टीवी तथा अपने मोबाइलों पर चन्द्रयान के चन्द्रमा की दक्षिणी सतह पर उतरने के कार्यक्रम को दिल थाम कर देख रहे थे, जैसे ही शाम के 6 बजकर 4 मिनट पर चॉदयान सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी ध्रुव सतह पर उतरा लोगों की खुशी का ठिकाना न रहा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई देते हुये मिठाई खिलाई। भारतीय वैज्ञानिकों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से ॲतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने जो स्थान पाया है इससे पहले विश्व के अत्यन्त विकसित देश अमेरिका, चीन, रूस भी चॉद के दक्षिणी ध्रुव में उतरने के विषय में सोच भी नहीं पाये हैं।

जिलाधिकारी नेहा जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में चंद्रयान 3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के सजीव प्रसारण को देखा गया तथा उपस्थित जनों द्वारा उक्त सफल कार्य हेतु प्रशंसा की गई, इसी प्रकार जनपद के सभी विद्यालयों में भी चंद्रयान 3 के लाइव लैंडिंग को देखा गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ए के सिंह, समस्त एमओआईसी व अधिकारी गण आदि उपस्थित रहे।

जन्मभूमि से तपोभूमि तक चलेगी तुलसी एक्सप्रेसः पटेल

संवाददाता। चित्रकूट

चित्रकूटधाम के यात्रियों की सुविधा एवं पर्यटन विकास के मद्देनजर सांसद आर के सिंह पटेल ने अन्तरराष्ट्रीय विश्व हिन्दु के संरक्षक दिनेश, दीनदयाल शोध संस्थान के सचिव अभय महाजन, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से भेंटकर मांग की थी कि श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या से प्रभु श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट को जोड़ने को ट्रेन चलायी जाये। बुधवार को सांसद आरके सिंह पटेल ने चित्रकूटधाम के साधु-संतों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेल प्रशासन ने गाड़ी नं -22129/22130 लोकमान्य तिलक टर्मिनल प्रयागराज जंक्शन तुलसी एक्सप्रेस द्विसप्ताहिक का अयोध्या कैन्ट तक का विस्तार कराया है। ये विस्तार लोकमान्य मिलक टर्मिनल से 27 अगस्त तथा अयोध्या कैन्ट 28 अगस्त से ट्रेन चलेगी। चित्रकूट से अयोध्या तक रेल सुविधा देने पर साधु-संतों एवं तीर्थ यात्रियों में भारी उत्साह है। साधु-संत एवं क्षेत्रीय जनता ने रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव, सांसद पटेल, विश्व हिन्दु परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षक दिनेश, डीआरआई के सचिव अभय महाजन, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

धूमधाम से मना गोस्वामी तुलसीदास जयंती महोत्सव

● श्रीकामदगिरि पीठम में हुआ महोत्सव का आयोजन

● भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए संत-महंत

संवाददाता। चित्रकूट

लोक मंगलकारी ग्रंथ श्री रामचरितमानस के रचयिता संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास महाराज के 526वें जन्मोत्सव पर श्रीकामदगिरि पीठम कामदगिरि प्रदक्षिणा प्रमुख द्वार ट्रस्ट श्री कामतानाथ मंदिर में भव्य शोभा यात्रा, व्याख्यान माला एवं विशाल भंडारा हुआ। बुधवार को देश के विभिन्न जिलों से आए संत-महात्माओं, विद्वतजनों समेत जिले के साधु-संतों, गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। श्री कामदगिरि पीठम के अधिकारी संत मदनगोपाल दास महाराज ने तुलसीदास के विग्रह का पूजन-अर्चन किया। परिक्रमा पथ में दिव्य झांकियों से सुशोभित शोभायात्रा निकाली। श्रीकामदगिरि पीठम के सत्संग भवन में गोस्वामी तुलसीदास पर संत विभूतियों एवं विद्वानों के व्याख्यान हुए। ब्रह्मचारी सनकादिक महाराज ने कहा कि वर्तमान में विधर्मी जिस तरह से श्रीराम एवं रामचरितमानस जैसे पावन ग्रंथ पर अमर्यादित टिप्पणी करते दिखाई देते हैं, अब संत समाज को लंकाकांड करना पड़ेगा, तभी अपने कालखंड में राम का राज्याभिषेक कर पाएंगे।

तुलसी जन्मकुटीर से निकली शोभा यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

राजापुर, चित्रकूट। तुलसी जन्मभूमि राजापुर में बड़े ही धूमधाम के साथ व ढोल नगाड़ों की गूंज व घोड़ों की थिकरन के बीच भिन्न भिन्न देवी देवताओं की आकर्षक झांकियों के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्मोत्सव की भव्य शोभा यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। शोभा यात्रा में सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु नर नारी राम राम की धुन गाते यात्रा में चलते रहे। शोभा यात्रा शाम 4 बजे तुलसी जन्मकुटीर से प्रारम्भ की गई तथा राम दरबार, शिव पार्वती, भगवान विष्णु लक्ष्मी तथा गोस्वामी तुलसीदास जी की सजीव बाल झांकियां जुलूस में चलती रहीं। वहीं एसडीएम प्रमोद झां, मनोज द्विवेदी खटवारा, राजेन्द्र पाण्डेय बनारस, सतीष मिश्रा व अन्य श्रद्धालु गोस्वामी तुलसीदास जी की झांकी कंधे में लेकर तुलसी की जय जयकार के बीच कस्बे के मानस मन्दिर, राधाकृष्ण मन्दिर, तुलसी स्मारक रोड, यमुना रोड तथा ऐतिहासिक हनुमान मंदिर तक शोभा यात्रा निकाली गई।

बांदा में नये नोटों की कालाबाजारी ब्लैक में गड्डियां खरीद रहे हैं लोग

आलोक निगम। बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा में नए नोटों की हो रही कालाबाजारी 10 की गड्डी मिलेगी 1500 रुपए में तथा 20 की गड्डी मिलेगी 2800 रुपए में आखिर यह पैसा आ कहां से रहा है? जनता परेशान है। शादियों में नए नोट चाहिए। लड़कियों की शादियां लड़कों की शादियों में मजबूर होकर लोगों को ब्लैक में 1000 रुपए की जगह 1500 देकर 10 नोट की एक गड्डी लेनी पड़ती है। ऐसे ही 20 के नोटों में भी कालाबाजारी चरम सीमा पर है। बांदा में मुख्य ब्रांच स्टेट बैंक में कैशचेस्ट है जहां पर नया नोट रखा जाता है और लोगों को शादियों के लिए एक काउंटर बना रखा गया है, लेकिन उस काउंटर में अब नोट नहीं दिए जा रहे हैं अब यह नोट बांदा के सराय स्थिति कई दुकानों में ओपन मार्केट में मिल जाएंगे। बबेरू विधायक विशंभर यादव ने रिजर्व बैंक के गवर्नर तथा प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी मिनिस्टर को ट्वीट करके पूरा मामला संज्ञान में लाते हुए जांच की मांग की है मौके पर पहुंचे दर्शनों पीड़ित व्यक्ति जिनके बच्चों और बच्चों की शादी हो चुकी है उन्हें भारतीय स्टेट बैंक बांदा मुख्य ब्रांच से नए नोट नहीं दिए जा रहे हैं इन नए नोटों की कालाबाजारी हो रही है यह आप विधायक विशंभर यादव ने लगाया है जो समाजवादी पार्टी के बबेरू विधायक हैं बहुत सारे लोगों ने उनसे जाकर शिकायत की और यह भी बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक का खजाना कैश चेस्ट मैं मैं नोट रखने की व्यवस्था है।

सरोज कुमार मैनेजर ने ऑन कैमरा यह बताया कि हमारे बैंक से कालाबाजारी हेतु नया नोट नहीं जा रहा है। मैनेजर एस एल सरोज स्टेट बैंक बांदा ने बताया कि हमारे कैसे चेस्ट में 10 और 20 का नोट है और आगे रिजर्व बैंक ने आदेश कर दिया है तो आगे और भी मिल जाएगा और हम इसको क्रमशः जरूरतमंद जनता को बांटेंगे।

बदली जाएंगी पुरानी जर्जर लाइनें बंद रहेगी विद्युत आपूर्तिः अभियंता

अभियंता राधेश्याम यादव

उरई, जालौन। आरडीएसएस योजना के तहत पुरानी जर्जर लाइनों को बदलने का कार्य प्लान जारी होने के साथ ही जहां पर लाइनों को बदला जाएगा वहां विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। अधिषाशी अधिकारी विद्युत वितरण खंड प्रथम इंजी. राधेश्याम यादव के द्वारा जारी किए गए प्रोग्राम के अनुसार 24 अगस्त से 27 अगस्त तक जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने का काम चलते के कारण विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

विद्युत वितरण खंड प्रथम के अंतर्गत चलने वाले कार्य के तहत उप खंड कोंच नाका में बंबी रोड,आईसी फैक्ट्री 400 केबीए, लक्ष्मी माता मंदिर, हनुमान गढ़ी 630 केबीए, बंबी रोड संतोषी माता मंदिर 250 केबीए, बंबी रोड बाबूजी 400 केबीए, गीता आश्रम 400 केबीए, गीता आश्रम कांग्रेस आफ्सि 630 केबीए, गीता आश्रम कांग्रेस आ[illegible]ऊस 400 केबीए, गीता आश्रम डीएबी कालेज 630 केबीए, उप खंड करमेर रोड के अंतर्गत इंदिरा नगर एफसीआई गोदाम के पास 400 केबीए, इंदिरा नगर रेलवे स्टेशन के पास 400 केबीए, करमेर सब स्टेषन इंदिरा ही माल गोदाम के पास 63 केबीए एलटीएबी केबिल को बदला जाएगा। जिससे विद्युत विद्युत आपूर्ति ठप्प रहेगी।

गौकशी में संलिप्त संदिग्धों के घरों पर पुलिस ने रात में की छापामारी

● काशीराम कालोनी के पास जंगलों में मांस मिलने से मचा था हड़कंप

● पूछताछ के लिए आठ को लिया हिरासत में

संवाददाता। कालपी, जालौन

नगर के काशीराम कालोनी के पास जंगलों में मांस मिलने के बाद हड़कम्प मच गया था। पुलिस के द्वारा संदिग्ध अभियुक्तों के घरों में देर रात मे चेकिंग अभियान चलाया गया है तथा आठ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही हैं।

मालूम हो कि काशीराम कालौनी के समीप कचड़े में मांस मिलने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। देर रात पुलिस अधीक्षक डा. ईरज राजा जोल्हूपुर मोड़ पहुंचे तथा क्षेत्राधिकारी डा. देवेंद्र पचौरी, कालपी कोतवाल शिवकुमार सिंह राठौर, आटा थाना प्रभारी अजय कुमार को पशु तस्करी करने वालों को पकड़ने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने दोनों थानों के थानेदारों एवं पुलिस जवानों को निर्देश दिये कि गौकशी तथा पशु तस्करी करने वालों को पकड़ने के लिए तत्काल दबिश दी जाए तथा कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसमें किसी भी प्रकार की हीलाहवाली नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक निर्देशन में क्षेत्राधिकार डा. देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में कालपी तथा कदौरा पुलिस के द्वारा कालपी कोतवाली क्षेत्र के गुलौली, काशीखेड़ा, कदौरा थाना क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक ग्रामों में दबिश दी। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि अभियुक्तो के यहां कदौरा व कालपी पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से दबिश देकर आठ संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ करने के लिए हिरासत में लिया गया है।

क्विक न्यूज

लेखपालों का धरना-प्रदर्शन जारी

मौदहा, हमीरपुर। लेखपाल संघ ने बुधवार के दिन कार्य बहिष्कार करने के साथ ही तहसील प्रांगण में धरना प्रदर्शन कर तहसीलदार मुर्दाबाद के नारे लगाए है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र से आये फरियादियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा है। मंगलवार को तहसीलदार और लेखपालों के बीच हुए विवाद में आक्रोशित लेखपालों ने तहसील कक्ष का ताला बंद कर कार्य बहिष्कार की घोषणा करने के बाद हड़ताल में चले गए थे जिसकी सूचना उप जिला अधिकारी को मिलते ही तत्काल तहसीलदार कक्ष का ताला खुलवाने के बाद आए हुए फरियादियों की समस्याएं सुनी थी वहीं बुधवार के दिन लेखपाल संघ हड़ताल में जाने के साथ ही तहसील प्रांगण में दिनभर धरना प्रदर्शन व तहसीलदार हटाओ मुर्दाबाद के नारेबाजी करते रहे।

पच्चीस हजार रुपये का इनामी हत्यारोपी गिरफ्तार

मौदहा, हमीरपुर। कोतवाली पुलिस ने पच्चीस हजार रुपये का इनामी हत्यारोपी को जेल भेज दिया है। नगर के साजन तालाब के निकट लाला उर्फमुख्तार की कुछ आरोपियों के द्वारा फावड़ा से सर में कई वार किये थे जिसे पड़ोसियों ने बीच बचाओ करने के बाद नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया और उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई हुसैनिया मोहल्ला निवासी पच्चीस हजार रुपए के इनामिया अभियुक्त लल्लू को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

भारी वाहनों का सर्विस लेन से आवागमन जारी

रूरा, कानपुर देहात। भारी वाहनों के सर्विस लेन पर आवागमन को लेकर ब्लाक अभियान हवा हवाई ही साबित हो रहे है, व्यापार मण्डल के प्रयास व दावे भी वस्तुस्थिति के ठीक उलट नजर आ रहे है, वुधवार की सुबह 6 बजे ही डम्फर संख्या यूपी 92 ए टी 0252 सर्विस लेन की अपनी विपरीत साइड से ओवरब्रिज के पिलरों कभी इस तरफ से तो कभी दूसरी तरफसे मोडकर आराम से निकलता जा रहा था। अकबरपुर रोड की ओर आने वाली सर्विस लेन में पुल के साथ हलॉकि एक अवरोध के रूप में एक बोर्ड स्थापित किया गया है, यहॉ सर्विस लेन पर पहले से ही ओवरलोड भारी वाहनों के दवाब से नाला के पाइप टूट गये तथा व्यापक रूप से करीब 60 मीटर के दायरे में सर्विस लेन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो हादसे को दावत देती नजर आ रही है।

समस्याओं को लेकर सदर तहसील में गरजे किसान नेता, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

● पंचायत लगा समस्याओं को किया उजागर

संवाददाता। फतेहपुर

मूलभूत समस्याओं को लेकर सदर तहसील प्रांगण में जिले के किसान नेताओं ने पंचायत लगाकर समस्याओं को उजागर किया। तत्पश्चात डीएम को संबोधित समस्याओं का एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर समस्याओं के शीघ्र निराकरण की आवाज बुलंद की। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अशोक उत्तम पटेल एडवोकेट की अगुवाई में बड़ी संख्या में पदाधिकारी व किसान सदर तहसील प्रांगण पहुंचे। किसानों ने कहा कि यदि उनकी मांगों का निराकरण न किया गया तो आने वाले समय में वृहद आंदोलन किया जायेगा। तत्पश्चात डीएम को संबोधित समस्याओं का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर किसानों को शासनादेश के अनुसार विद्युत आपूर्ति किए जाने, कल्यानपुर मजरे उमरौड़ी विकास खंड मलवां में एनएच-2 पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराये जाने, रिंद नदी पर बनने वाले पुल को कुन्हू का डेरा व रामपुर के मध्य बनाये जाने, जनपद में आवारा पशुओं से किसानों को मुक्ति दिलाये जाने, गांव में बन रही पानी की टंकियों की पाइप लाइन डालने हेतु रास्तों को पुनः बनवाये जाने, जनपद की ग्रामीण सड़कों को ठीक कराये जाने सहित वरासत के मामलों में तत्काल कार्रवाई कराने की मांग की गई।

शहीद गुलाब सिंह लोधी का मनाया बलिदान दिवस

फतेहपुर। प्रथम झंडा नायक अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी का 88वां बलिदान दिवस प्रस्तावित मूर्तिस्थल लोधीगंज में मनाया गया। सदर विधायक समेत समाज के अन्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। बलिदान दिवस की अध्यक्षता डा. रक्षपाल सिंह लोधी ने की। संचालन मुन्ना लोधी ने किया। उपस्थित सदर विधायक चंद्र प्रकाश लोधी समेत अन्य नेताओं व समाज के लोगों ने शहीद गुलाब सिंह लोधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सातनपुर मंडी रोड पर गड्ढों की भरमार, लोगों का चलना दूभर

फर्रुखाबाद। सातनपुर मंडी रोड पर बड़े गड्ढे हैं, बाबू जी जी धीरे चलना, प्यार से 2024 में जवाब देना। यह जनता की परेशानियों को बयां कर रहा है। एशिया की नंबर बंद कहे जाने वाली आलू मंडी सातनपुर इस रोड पर सुबह जीएमटी न्यूज़ का संवाददाता सड़क से गुजर रहा था तभी आलू मंडी के निकट एक चाय के खोखे पर एक बुजुर्ग को पुराने गाने की तर्ज पर गुनगुनाते हुए देखा गयाः बाबूजी धीरे चलना, सातनपुर आलू मंडी रोड पर बड़े गड्ढे हैं, बाबूजी धीरे चलना, लोकसभा चुनाव 2024 में जन प्रतिनिधियों को बड़े प्यार से जवाब देना। इस सातनपुर आलू मंडी रोड की दुर्दशा जनपद का कोई भी जनप्रतिनिधि व आलाधिकारी अनभिज्ञ नहीं है। इसके बावजूद भी इस रोड का निस्तारण नहीं हो रहा है। सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि व नेता मौन व्रत लिए हुए हैं। विपक्षी दलों के नेता भी इस रोड को लेकर चुप्पी शाधे बैठे हैं। जनपद भर के किसान इस आलू मंडी में आलू के साथ.साथ अन्य फैसले भी बेचने आते हैं।

मनचले की अश्लील वीडियो कालों से परेशान युवती ने मांगी इच्छा मृत्यु

फर्रुखाबाद। वीडियो कॉल पर अश्लील दृश्यों को दिखाए जाने से परेशान युवती ने पुलिस अधीक्षक से इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। कोई इश्कबाज युवक करीब 2 वर्षों से नगर के मोहगा महादेव प्रसाद स्ट्रीट में रहने वाली युवती को फोन करके परेशान करता है अश्लील भद्दी बातें करके डराता व धमकाता है, युवती के मोबाइल फोन पर आये दिन वीडियो कॉलिंग कर लिंग व हस्तमैथुन करके दिखाता है। मानसिक पीड़ा एवं भय के कारण युवती का निकलना बैठना दूभर हो गया है। पीड़ित युवती ने कई बार तिकोना चौकी इंचार्ज अवधेश अवस्थी से शिकायत की। लेकिन चौकी इंचार्ज ने परेशान करने वाले के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की वल्कि पीड़िता को राय दी कि फोन करने वाले का नंबर ब्लॉक कर दो। युवती ने नंबर ब्लॉक कर दिया, इसके बावजूद भी उसे समस्या से निजात नहीं मिली। युवती ने बीते दिन पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि मैं चौकी इंचार्ज की कार्यशैली व उक्त व्यक्ति के घिनौने कृत्य से तंग आ चुकी हूं। जीवन समाप्त करना चाहती हूं, इच्छा मृत्यु की अनुमति दी जाए।

पेज एक का शेष

नए भारत...

विकसित भारत के शंखनाद का है। यह क्षण नए भारत के जयघोष का है। यह क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। यह क्षण जीत के चंद्र पथ पर चलने का है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है। ये क्षण भारत के उदयमान भाग्य के आह्वान का है। यह एक ऐसी सफलता है जिसे न केवल इसरो के शीर्ष वैज्ञानिक बल्कि भारत का हर आम और खास आदमी टीवी की स्क्रीन पर टकटकी बांधे देख रहा था। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर दुनिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का सफल चंद्र मिशन केवल भारत का नहीं है बल्कि पूरी मानव जाति का है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा वर्ष है, जिसमें दुनिया भारत की जी-20 अध्यक्षता देख रही है। एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का हमारा दृष्टिकोण दुनिया भर में गूंज रहा है। यह मानव-केंद्रित दृष्टिकोण जो हम प्रस्तुत करते हैं, उसका सार्वभौमिक रूप से स्वागत किया गया है। हमारा चंद्रमा मिशन भी उसी मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। इसलिए, यह सफलता पूरी मानवता की है। प्रधानमंत्री ने इस सफलता को भारत के उदीयमान भाग्य के आह्वान का भी बताया और कहा कि अमृत काल की प्रथम प्रभा में सफलता की यह अमृत वर्षा हुई है। उन्होंने कहा कि हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। हमारे वैज्ञानिक साथियों ने भी कहा है इंडिया इज ऑन द मून। आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। देशवासियों के उमंग और उल्लास से खुद को जोड़ते हुए मोदी ने कहा कि वह टीम चंद्रयान को, इसरो को और देश के सभी वैज्ञानिकों को जी जान से बहुत-बहुत बधाई देता हूं, जिन्होंने इस पल के लिए वर्षों तक इतना परिश्रम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में तो सभी लोग धरती को मां कहते हैं और चांद को मामा बुलाते हैं लेकिन आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक और कथानक भी बदल जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी। कभी कहा जाता था- चंदा मामा बहुत दूर के हैं, अब एक दिन वह भी आएगा, जब बच्चे कहा करेंगे, चंदा मामा बस एक टूर के हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने कई बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान महाअभियान की यह उपलब्धि भारत की उड़ान को चन्द्रमा की कक्षाओं से आगे ले जाएगी। उन्होंने कहा कि हम हमारे सौरमंडल की सीमाओं का सामर्थ्य परखेंगे और मानव के लिए ब्रह्मांड की अनंत संभावनाओं को साकार करने के लिए भी जरूर काम करेंगे। हमने भविष्य के लिए कई बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। जल्द ही, सूर्य के विस्तृत अध्ययन के लिए इसरो आदित्य एल-1 मिशन लांच करने जा रहा है। इसके बाद शुक्र भी इसरो के लक्ष्यों में से एक है। गगनयान के जरिए देश अपने पहले मानव अंतरिक्ष फ्लाइट मिशन के लिए भी पूरी तैयारी के साथ जुटा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार बताते हुए मोदी ने कहा कि आज के दिन को देश हमेशा-हमेशा के लिए याद रखेगा। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सभी को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

नासा प्रमुख...

गया। यह प्रयास रूस के मानव रहित लूना-25 अंतरिक्ष यान के नियंत्रण से बाहर हो जाने और चंद्रमा से टकरा जाने के कुछ दिनों बाद आया है। नेल्सन ने एक्स पर पोस्ट किया कि चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग पर इसरो को बधाई। और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान की सफलतापूर्वक सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनने पर भारत को बधाई। हम इस मिशन में आपका भागीदार बनकर खुश हैं। चार साल में अपने दूसरे प्रयास में चंद्रमा पर इस टचडाउन के साथ, भारत अमेरिका, चीन और तत्कालीन सोवियत संघ के बाद चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट-लैंडिंग की तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है।

अब हमारी...

में दुनिया के सबसे अच्छे सेंसर, अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ (उपकरण) हैं। मिशन परिचालन परिसर में इसरो टीम को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने मुझे फोन कॉल किया और अपनी शुभकामनाएं आप सभी को और आपके परिवारों को इसरो में किए गए आपके शानदार कार्य के लिए दी हैं।

चंद्रयान के...

चंद्रमा की सतह को सफलतापूर्वक छू लिया। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आकाश सिन्हा ने यहां कहा कि हम प्रज्ञान रोवर को हमारे सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर चंद्रमा की सतह पर घूमते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं। सिन्हा शिव नाडर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर भी हैं। उन्होंने कहा कि उनके स्टार्टअप द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर रोवर पर लगे दो कैमरों का इस्तेमाल कर चंद्रमा की तस्वीरें लेगा और चंद्रमा के परिदृष्य का 3-डी मानचित्र बनाने के लिए उन्हें एक साथ जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि यह सॉफ्टवेयर रोवर में समाहित है और इमेज प्रोसेसिंग अंतरिक्षयान में की जाएगी। अंतिम 3डी मॉडल मिशन नियंत्रण कक्ष में भेजा जाएगा। विदेशी अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अत्यधिक महंगे कैमरों के मुकाबले प्रज्ञान रोवर में केवल दो कैमरों का इस्तेमाल किया गया है जो सॉफ्टवेयर द्वारा चंद्रमा की सतह का 3डी मानचित्र बनाते वक्त उसकी आंखों के रूप में काम करते हैं।

भारत की...

किए हैं, उन्होंने दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। राकेश शर्मा ने इसरो के गगनयान मिशन के लिए राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह परिषद ऐसे अंतरिक्ष मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्री चयन कार्यक्रम की निगरानी करती थी। राकेश शर्मा को 1982 में सोवियत-भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए चुना गया था। इसके बाद वह मॉस्को में यूरी गगारिन कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में कठिन प्रशिक्षण से गुजरे थे। वर्ष 1987 में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर के रूप में सेवानिवृत्त होने के बाद वह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में मुख्य परीक्षण पायलट के रूप में शामिल हुए। उन्होंने 2001 में उड़ान भरना छोड़ दिया और तमिलनाडु के कुन्नूर चले गए। अब वह एक शांत जीवन जी रहे हैं और गोल्फ, बागवानी, योग, किताबें पढ़ना और यात्राएं करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा हैं। पंजाब के पटियाला में 13 जनवरी 1949 को जन्मे शर्मा ने सेंट जॉर्ज ग्रामर स्कूल, हैदराबाद से पढ़ाई की और हैदराबाद के निजाम कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह जुलाई 1966 में वायु सेना कैडेट के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हुए और 1970 में पायलट के रूप में भारतीय वायु सेना में नियुक्त किए गए।

तमिल कनेक्शन...

अभियान की एक और विशेषता है। इसरो के मुताबिक, एसएचएपीई यानी स्पेक्ट्रो-पोलरीमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लानेट अर्थ चंद्रयान-3 पर मौजूद एक प्रायोगिक पेलोड है, जो निकट-अवरक्त तरंग दैर्ध्य रेंज (नियर-इंफ्रारेड वेवलेंथ रेंज) में पृथ्वी की स्पेक्ट्रो-पोलरीमेट्रिक विशेषताओं का अध्ययन करेगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, यह (एसएचएपीई) चंद्रयान-3 मिशन के प्रणोदन मॉड्यूल में मौजूद एकमात्र वैज्ञानिक पेलोड है। एसएचएपीई को बेंगलुरु स्थित यू आर राव उपग्रह केंद्र के वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। इसका मुख्य लक्ष्य चंद्रमा की कक्षा के सुविधाजनक बिंदु से विभिन्न चरण कोणों पर पृथ्वी के एकीकृत स्पेक्ट्रम और ध्रुवीकरण पैमानों को चिह्नित करना है। इसरो के अनुसार, एसएचएपीई पेलोड के जरिए जिन प्रमुख वैज्ञानिक गुत्थियों को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा, उनमें पृथ्वी जैसे एक्सो-प्लानेट (बहिर्गृह यानी हमारे सौर मंडल से बाहर स्थित ग्रह) का डिस्क-एकीकृत स्पेक्ट्रम क्या हो सकता है और पृथ्वी जैसे एक्सो-प्लानेट से डिस्क-एकीकृत ध्रुवीकरण क्या हो सकता है... जैसे रहस्य शामिल हैं। एसएचएपीई पेलोड एक रेडियो फ्रीक्वेंसी स्रोत द्वारा संचालित एकॉस्टो-ऑप्टिक ट्यूनेबल फिल्टर आधारित तत्व को नियोजित करता है और इसमें इंडियम गैलियम आर्सेनाइड (आईएनजीएएस) डिटेक्टरों की एक जोड़ी मौजूद होती है। भविष्य में परावर्तित प्रकाश में छोटे ग्रहों की खोज एसएचएपीई पेलोड का एक प्रमुख लक्ष्य होगा, जिससे इसरो को ऐसे एक्सो-प्लानेट के रहस्य खंगालने में मदद मिलेगी, जो जीवन के पनपने या रहने योग्य हो सकते हैं।

पंद्रह साल...

पहले ही इसे रद्द कर दिया गया था। इसरो के तत्कालीन अध्यक्ष जी. माधवन नायर ने कहा, चंद्रयान-1 ने अपने 95 प्रतिशत उद्देश्य हासिल किए। एक दशक बाद चंद्रयान-2 को 22 जुलाई, 2019 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया, जिसमें एक ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर शामिल था। देश के दूसरे चंद्र अभियान का उद्देश्य ऑर्बिटर पर पेलोड द्वारा वैज्ञानिक अध्ययन और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग तथा घूर्णन की प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना था। प्रक्षेपण, महत्वपूर्ण कक्षीय अभ्यास, लैंडर को अलग करना, डी-बूस्ट और रफ ब्रेकिंग चरण सहित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के अधिकांश घटकों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। चांद पर पहुंचने के अंतिम चरण में रोवर के साथ लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे चांद की सतह पर उतरने का उसका मकसद सफल नहीं हो पाया। नायर ने सोमवार को बताया कि हम बेहद करीब थे लेकिन चंद्रयान-2 अभियान के दौरान चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग में) सफल नहीं हो पाए। हालांकि लैंडर और रोवर से अलग हो चुके ऑर्बिटर के सभी आठ वैज्ञानिक उपकरण डिजाइन के मुताबिक कार्य कर रहे हैं और बहुमूल्य वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध करा रहे हैं। इसरो के अनुसार, सटीक प्रक्षेपण और कक्षीय अभ्यास के कारण ऑर्बिटर का अभियान जीवन सात वर्ष तक बढ़ गया। इसरो ने सोमवार को कहा कि चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर और चंद्रयान-3 के लूनर मॉड्यूल के बीच दो तरफा सफल संचार कायम हुआ है। वर्ष 2009 में चंद्रमा पर पानी की खोज एक महत्वपूर्ण घटना थी जिसके बाद वैज्ञानिकों ने भारत के चंद्रयान-1 के साथ गए एक उपकरण के डाटा का उपयोग करके चंद्रमा की मिट्टी की सबसे ऊपरी परत में पानी का मौजूदगी का पहला नक्शा बनाया। इसरो के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह भविष्यमें चंद्रमा की खोज के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन 2009 में चंद्रमा की मिट्टी में पानी और एक संबंधित आयन हाइड्रॉक्सिल की प्रारंभिक खोज पर आधारित है। हाइड्रॉक्सिल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के एक-एक परमाणु होते हैं। अमेरिका में ब्राउन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने वैश्विक स्तर पर कितना पानी मौजूद है, इसकी मात्रा निर्धारित करने के लिए नासा के मून मिनरलॉजी मैपर से लिए गए डाटा के एक नए कैलिब्रेशन (किसी उपकरण पर मापन-इकाइयों के निर्धारण की क्रिया) का उपयोग किया। नासा का मून मिनरलॉजी मैपर 2008 में चंद्रयान-1 के साथ भेजा गया था। भारत के चंद्रयान-1 मिशन द्वारा एकत्र किए गए डाटा का उपयोग करते हुए नासा ने चंद्रमा की सतह के नीचे छिपे जादुई पानी के भंडार का पता लगाया है।

सफल लैंडिंग...

लिए टीवी स्क्रीन और बड़े टेलीविजन सेट से चिपक रहे। इसरो ने सभी विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से अपने विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के बीच इस कार्यक्रम का काफी प्रचार करने तथा सीधा प्रसारण का इंतजाम करने की अपील की थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी विश्वविद्यालयों एवं आईआईटी, आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों से इस मिशन का सीधा प्रसारण करने को कहा था। जम्मू में लॉरेंस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने यह ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग देखी। कक्षा नौ की छात्रा सुनीता ने कहा, हम चंद्रमा पर चंद्रयान 3 की लैंडिंग देखकर बहुत रोमांचित हैं। यह भारत के लिए इतिहास है। ओडिशा में जगन्नाथ मंदिर के पुरोहित 12 वीं सदी के इस धर्मस्थल के सिंहद्वारा के सामने इकट्ठा होकर इस मिशन की सफलता के लिए दीए जलाए।

ब्रिक्स के विस्तार का भारत पूरा समर्थन करता है : प्रधानमंत्री मोदी

भाषा। जोहानिसबर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ब्रिक्स के विस्तार का भारत पूरा समर्थन करता है और आम सहमति से इस दिशा में आगे बढ़ने का स्वागत किया। उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण सहित कई क्षेत्रों में समूह के सदस्य देशों के बीच सहयोग का दायरा और बढ़ाने के लिए पांच सुझाव भी दिए।

जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) की शिखर बैठक में एक पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि समूह को भविष्य के लिए तैयार होने में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने डिजिटल क्षेत्र में विशेषज्ञता साझा करने के लिए भारत की तैयारियों की भी पेशकश की। मोदी ने कहा, भारत, ब्रिक्स की सदस्यता का विस्तार करने का पूरा समर्थन करता है। और इस पर सहमति के साथ आगे बढ़ने का स्वागत करता है।

ब्रिक्स का विस्तार समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन में एक मुख्य विषय है क्योंकि सऊदी अरब, संयुक्त

अरब अमीरात (यूएई) और अर्जेंटीना सहित 23 देशों ने इसकी सदस्यता के लिए आवेदन किया है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पूर्ण सत्र को मोदी के बाद संबोधित किया और उन्होंने भी वैश्विक शासन को अधिक समतापूर्ण बनाने के लिए ब्रिक्स के त्वरित विस्तार की हिमायत की।

शी ने कहा, हमें वैश्विक शासन को और अधिक न्यायसंगत और समतापूर्ण बनाने के लिए ब्रिक्स परिवार में और भी देशों को शामिल कर समूह का विस्तार करने की प्रक्रिया तेज करने की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि ब्रिक्स देश इसके विस्तार पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि हम इस विषय का एक स्पष्ट समाधान ढूंढ लेंगे क्योंकि हमने इस विषय पर आपस में चर्चा की है।

वहीं, भारत में सूत्रों ने बताया कि देश ने समूह में नए देशों को चुनने के लिए आम सहमति बनाने में अग्रणी रहा है और प्रस्तावित विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुआ है। ब्रिक्स के विस्तार के मुद्दे पर मंगलवार शाम लीडर्स रिट्रीट में विस्तार से चर्चा हुई।

एक सूत्र ने कहा, हमारे प्रयास हमारे रणनीतिक साझेदारों को नए सदस्य के रूप में शामिल करने के लक्ष्य द्वारा दिशानिर्देशित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह उम्मीद भी जताई कि अफ्रीकी संघ को जी20 की स्थाई सदस्यता के भारत के प्रस्ताव का सभी ब्रिक्स राष्ट्र समर्थन करेंगे। मोदी ने 2016 में भारत द्वारा ब्रिक्स की अध्यक्षता करने को भी याद किया। उन्होंने समूह के नाम में शामिल अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों के आधार पर इसे बिल्डिंग (निर्माण करना), इनक्लूसिव (समावेशी) और कलेक्टिव (सामूहिक) सॉल्यूशंस (समाधान) के रूप में परिभाषित किया था। उन्होंने कहा, सात साल बाद...हम कह सकते हैं कि ब्रिक्स-- ब्रेकिंग बैरियर्स (बाधाओं को तोड़ना), रिविटलाइजिंग इकोनॉमीज (अर्थव्यवस्थाओं में नई जान फूंकना), और शेपिंग द फ्यूचर(भविष्य को गढ़ना) होगा। ब्रिक्स के साझेदार देशों के साथ मिलकर हम इस नई परिभाषा को सार्थक बनाने में सक्रियता से योगदान देना जारी रखेंगे। कोविड-19 टीकाकरण मंच कोविन जैसे डिजिटल क्षेत्र में भारत की सफलता का उदाहरण देते हुए मोदी ने कहा कि विविधता हमारे देश की बहुत बड़ी ताकत है और भारत में किसी भी समस्या का समाधान इस विविधता की कसौटी से निकलता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स ने पिछले दो दशकों में एक लंबी और अद्‌भुत यात्रा शुरू की है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि समूह का न्यू डेवलपमेंट बैंक ग्लोबल साउथ में विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मोदी ने कहा कि भारत ने रेलवे अनुसंधान नेटवर्क और एमएसएमई तथा स्टार्ट-अप के बीच सहयोग के क्षेत्रों में उपाय सुझाए हैं और इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि समूह ब्रिक्स उपग्रह समूह पर पहले से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों को एक अंतरिक्ष अन्वेषण समूह बनाने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने बैठक में कहा, ब्रिक्स को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए हमें अपने समाजों को भविष्य के लिए तैयार करना होगा।

सम्मानः मोदी ने ब्रिक्स मंच पर खड़े होने के स्थान को चिह्नित करने के लिए लगाया गया तिरंगा उठाया

जोहानिसबर्ग। भारतीय राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां ब्रिक्स की एक बैठक के मंच पर उनके खड़े होने के स्थान को चिह्नित करने के लिए लगाए गए तिरंगा को तुरंत उठा लिया, ताकि उस पर उनका पैर ना पड़ जाए। मंच पर प्रत्एक नेता के खड़े होने के स्थान को चिह्नित करने के लिए उनके देश के ध्वज का स्टीकर लगाया गया था। बैठक के एक वीडियो में, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा प्रधानमंत्री मोदी को तिरंगा उठाते देखने के बाद उनका अनुसरण करते दिख रहे हैं। रामफोसा ने अपने देश के ध्वज का स्टीकर उठाने के बाद इसे एक अधिकारी को सौंप दिया, जबकि मोदी ने तिरंगा अपने पास ही रखा। इससे पहले, मोदी ने रामफोसा के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की, जिस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

तालिबान ने पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाली छात्राओं को रोका

काबुल। तालिबान ने पढ़ाई के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने वाली सैकड़ों छात्राओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी है। उन्हें छात्रवृत्ति मुहैया कराने वाले एक समूह ने यह जानकारी दी है। अल हबतूर समूह के प्रमुख खल्फ अहमद अल हबतूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, मैं कितना मायूस महसूस कर रहा हूं यह मैं बयान नहीं कर पा रहा हूं, क्योंकि जिन्हें मैंने छात्रवृत्ति मुहैया कराई थी, वे दुर्भाग्य से दुबई हवाई अड्डा नहीं पहुंच सकीं। अल हबतूर ने कहा कि उन्होंने महिलाओं को दुबई विश्वविद्यालय में पढ़ने का मौका उपलब्ध कराया था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में दाखिला लेने और रहने की व्यवस्था होने और स्वास्थ्य बीमा समेत सभी चीज़ें पूर्ण होने के बावजूद छात्राओं की आकांक्षाओं को कुचल दिया गया।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कमलेश गोयल, उक्त सम्पति House no. D-36A / C-545 built on Plot No. 03 measuring 200 sq. yds. out of Khasra No. 18//25/2/1 situated in New Waka Mauja Saran, Tehsil Ballabhgarh, Distt. Gurgaon, Haryana, की मालिक है। उपरोक्त संपत्ति मेरे मुवक्किल एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित व बंधक प्रस्तावित है। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित मूल दस्तावेज़ Original Sale Deed dated 11.12.1972, as Doc. No. 4620, & Sale Deed dated 01.01.1979, as Doc. No. 5829, कहीं खो गए है। इस सन्दर्भ में दिल्ली पुलिस को सुचना दिनांक 23.08.2023 को NCR No. 813283/2023 में दर्ज करवाई गई है।यदि मूल दस्तावेज़ किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में दावा अमान्य माना जाएगा.

राघव तिवारी, अधिवक्ता
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.:+91-8076188328

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित गाड़ी नंबर वाली कारें जो कि अपनी लाइफ पूरी कर चुकी हैं पेट्रोल कारें 15 साल, डीजल कारें 10 साल। पाइन व्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम् सी डी ड्राइव में जब्त की गई थी और अभी तक किसी के द्वारा भी क्लेम नहीं की गयी है। इन सभी गाड़ी मालिकों को सूचित किया जाता है कि कंपनी के ऑफिस में आ कर गाड़ी की स्क्रैप वैल्यू क्लेम कर लें। अन्यथा ये सभी गाड़ियां अगले तीन दिन में स्क्रैप कर दी जाएंगी।

DL3CBV5456,	DL8ST6180,	DL3CAW4034,
DL1LF2376,	DL8SAR1153,	DL4CND1955,
DL1L1883,	DL8SH1222,	DL9CC0053,
UP53Z7187,	DL8SH3450,	DL7CH4462,
BR1K2063,	DL8SQ1097,	PB02BA0243,
DL2CW3386,	DL9CG2851,	UP12N2550,
HR26AB9358,	DL4CND4113,	HR26AB5534,
DL4CAH1950,	JH01A3673,	DL9CAA4007,
DL9CN1355,	DL3SAB9924,	AS01R3612,
PY01AK2092,	DL3SH1443,	DL3CAJ1701,
MH06AK3599,	DL3SU0339,	DL1E1920,
DL7SAB4059,	DL3SAS0184,	UAY2944,
DL8SNA4925,	BR14D3398,	UP14AQ2823,
JH01C6153,	DL1LJ1149,	DL3CBL7615,
MP04SC1459,	DL1LH4535,	DL3CAW8203,
MH02G9765,	DL3CAD1744,	WB38E9181,
AS04E8750,	DL7CK1347,	DL9CQS0898,
DL3SAG0151,	DL8CA9346,	DL8CH8997,
UGB7349,	HR26AF0416,	DL3CAL6780,
DL1K5993,	DL12C3231,	DL9CK6612,
DL8CZ2987,	DL9CR8348,	HR26X9619,
DL7CF6268,	DL1E2553,	DL2CAS0995,
MBLHA10-	PB44A4218,	DL8CX5566,
ER8GL01651,	HR36E1585,	MH01VA8756,
ME4KF078-	912910-	HR26BZ0432,
J58047036,	283760,	DL3CBA1052,
DL9ST3035,	UP14AL2464,	DL2CAE0275,
DL4SNB3575,	DL2CL3453,	DL1K5280,
DL8SAJ8108,	DL3CR8797,	HR29R3635,
DL8SAL2346,	DL2CAH6461,	NOREG90,
DL9SC3427,	DL4CNE0385,	HR06240,
DL8SAE5661,	MH04CD7144,	DL3CAA8748,
DL6ST8474,	DL3CAR1210,	HR55Q0429,
DL1SR0383,	DL3CAW5533,	DL3CAA7784,
DL7CK1293,	HR40A4791,	DL2FBX0008,
DL1LF3537,	DL1LF6533,	DL9CS0996,
BR14J2541,	DL3CV4660,	DL3C3445,
DL8CL4715,	DL3CAW2922,	DL8CQ1701,
DL3CBF1295,	DL4CAB8502,	HR12R1197,
DL3CAK8458,	DL3CAG8001,	HR69A9075,
DL4CAH1727,	DL4CAE3074,	UP53AF8478,
HR40D6789,	RRG7994,	DL9CL4039,
MAKDF152-	DL3SAL7391,	DL3CAW5280,
A7N008444,	DL3CAL5378,	DL1LH9027,
DBW1177,	HNM1239,	DL3FAE0028,
HR26M0348,	DL1K5103,	DL6SJ0330,
GJ18AQ5149,	UP128194,	DL4SBJ0650,
DL6SAB0732,	HR29P5462,	DL5SY1270,
03J20F09093,	DL9CG7203,	DL8SK4725,
DDY59,	DL10CB5258,	DL8SAN4317,
DL3ST1035,	HR26AR2066,	DL6SY9154,
DL3CY8181,	DL2CQ1695,	DL8SC7871,
DL3CAK4211,	DL2CP5988,	DL3SD5010,
DL9CT5897,	MH43A7734,	DL8SAR0970,
DL3CS6844,	HR26X5070,	DL8SAE9518,
DL12CC1994,	DL7CJ2540,	RJ14CE7498,
DL3SN0968,	HR55F8471,	DL8CS0318,
HR05Q6213,	DL2CQ3147,	HP38G5541,
DL9ST1091,	DL7CJ3327,	DL3CBA2453,
DL7SR6092,	HR55C8474,	DL1K5372,
DL3SBM0312,	DL3CV9253,	DL9CAG6066,
DL6SK7090,	CH03Y8006,	HR26BK5432,
DL4SNB5258,	HR10M4473,	UP32CD5972,
DL4SD2600,	DL3SAZ4580,	HR10T4628,
DL9SV3006,	DL3SW8780,	DL4CNC2697,
DL9SH0154,	DL3SBJ3251,	DL4CND3834,
GJ7AE433,	DL3SW4807,	DL8CW4132,
UA07C3769,	DL4SAM0808,	DL1LJ0005,
PJC1212,	UA08D2158,	DL6SB0879,
DL2CAG9260,	DL3CS2108,	DL3SAZ5703,
DL9CM7694,	DL1K1847,	AS01F8349,
DL2FFB0002,	HR26AR8104,	AP09BB3458,
DL3CAU0438,	DL4C8674,	DL3SBB2800,
HR55A0746,	DL3CAJ4424,	DL4SBL2065,
DBU5033,	DL2FBU0090,	GJ15QQ3338,
DL4SU7461,	HR41B0901,	DL9SM9433,
DL8SY5125,	PB02AU1863,	MP10F8759,
DNM5042,	DL4CNA5228,	DL7SX8278,
DL8SAJ2066,	HR26BF3600,	DL9SS4420,
DL4SAJ1750,	UP23T2758,	DL3SAV8779,
DL8ST1040,	DL8CZ5745,	DL9SS2933,
DL4CAH2232,	PBV8288,	TN01AF9705,
DL8CAB2384,	HR29P5822,	DL3SBF1440,
DL3CBF1759,	28429955591,	HR26AS3543,
DL9CQ6021,	DL8CU7300,	RJ1431M1403
DL2CAC9742,	DL4CND4340,	DL9SB1875,
MA3EWDE1	DL8SAR1478,	MP087392,
S00A85234,	DL8CNB3867,	DL3SBF5329,
DL1CJ5006,	DL7CD4066,	DL8CP2148,
DIB5476,	DL12CD1573,	WAUZGA4F4
DL3CAA-	DL3CZ9297,	AY000705,
0233,	CH03W9110,	MALA851CL
DL9C9124,	HP06A0475,	GM414291,
DL2CN8322,	DL4CAV7115,	DL8CL2141,
600137AT-	HR51AB0032,	DL3CAQ6786,
ZP04404,	DL4CNA6734,	DL3CBF1362,
DL3SAP-	DL10CB1034,	DL9CK8366,
3093,	DL1K5609,	DL9CP2331,
PB02AZ0385,	PAN4764,	DL3CBE1678,
DL9CR1339,	HR16M2764,	DL3CAW7051,
HR26AR1283,	RJ18R4108,	DL7CH3297,
MA3EVB11-	DL4CS2407,	KA01MD8740,
S01073404,	DBT5060,	DL3SAX9431,
DL1CW6593,	DL4SAC6337,	UP32AK9351,
DL8CNB3161,	MH31Y1986,	DL9SE6533,
364610,	DBJ2032,	DL8SS3436,
DL1CL0627,	MH12EJ2976,	RJ282M5697,
DL1E2518,	DL7SAS4689,	DL4SD2917,
HR55F0368,	DL4SAZ9258,	DL3SV9964,
SB308IN-	DL9SB7197,	UP12F4273,
1211473,	DL4SZ8617,	KA50E9802,
HR746922,	DL8SNB1340,	DL6SY9857,
DL3CBM-	DL6SB8605,	UA08H5471,
6375,	DL6SC7538,	JH05H6719,
DL3CBC1833,	UP75A1932,	DL5SY3419,
DL3CBF2547,	DL8SJ9545,	MH12BS4476,
DL3CCB1150,	RJ198M3999,	AS01Z1344,
DL7CE9825,	DL9SQ5531,	DL9SP6593,
HR26P8688,	UP93Q3542,	DL3CAW7636,
DL9SD3345,	GJ6EE3401,	DL3CBE1112,
TN07AJ1557,	DL6SV6606,	HR26AS1472,
DL3SAS8287,	RJ132M1853,	DL8CN9112,
CH03S8805,	AS011811,	DL3CAW7287,
DBT24,	UP16U6181,	DL7CK0366,
DL9CR3456,	CH03Q4642,	RJ14AF8046,
DL3CAD0604,	DL6CM4902,	DL3CBF2391,
DL8SQ9340,	DL4CAG2976,	DL3CBB2102,
DL9S2715,	DL3CBA1653,	DL3CAZ3518,
DBS4420,	DL3CBC1343,	SK01P5530,
DL6SF2685,	DL3SZ2436,	DL9CG7483,
HR20K2946,	UP14AQ8551,	DL8CS2630,
DL8SAB0165,	DL3CBA1193,	DL6CK1575

नाम परिवर्तन

मैं, श्रीमती प्रमिला तैरोन, श्री सुक्लेश्वर तैरान की पत्नी वर्तमान में डीडीए फ्लैट नंबर 111, ब्लॉक-ए, बिंदापुर, नई दिल्ली 110059 में रहती हूँ और बताहपुली, पंजाबारी, गुवाहाटी, असम -781037 की स्थायी निवासी हूँ, मेरी बेटी इश्विन तैरान के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम गलती से "प्रमिला तैरोन" की जगह "प्रनिला तैरान" लिख दिया गया है (अब जन्म प्रमाण पत्र में सुधार कर दिया गया है)। 'मेरा सही नाम "प्रमिला तैरोन " है।'

मोदी-रामफोसा ने क्षेत्रीय व बहुपक्षीय हित के मुद्दों पर चर्चा की

भाषा। जोहानिसबर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मुद्दों पर, और ग्लोबल साउथ की आवाज उठाने के लिए संयुक्त रूप से काम करने के तरीकों पर भी अपने-अपने विचार प्रकट किए।

मोदी ने 15वें ब्रिक्स शिखर बैठक से इतर जोहानिसबर्ग में रामफोसा से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और रक्षा, कृषि, व्यापार व निवेश, स्वास्थ्य तथा नागरिकों के बीच संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई प्रगति पर संतोष प्रकट किया।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि मोदी और रामफोसा ने बहुपक्षीय संस्थानों और परस्पर हित के क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मुद्दों में जारी समन्वय पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रामफोसा ने भारत की जी20 अध्यक्षता के लिए पूर्ण समर्थन जाहिर किया और अफ्रीकी संघ को जी20 की पूर्ण सदस्यता देने के लिए भारत की पहल की सराहना की।

इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति रामफोसा ने कहा कि वह जी20 शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली की यात्रा करने को उत्सुक हैं। जी20 शिखर सम्मेलन आठ-10 सितंबर को नई दिल्ली में होने जा रहा है। यह भारत और दक्षिण एशिया में होने वाला पहला जी20 शिखर सम्मेलन होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मोदी ने ब्रिक्स शिखर बैठक की सफल मेजबानी के लिए रामफोसा को बधाई दी और परस्पर सुविधा वाली एक तारीख पर दक्षिण अफ्रीका की राजकीय यात्रा के लिए राष्ट्रपति रामफोसा का न्योता स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका और यूनान की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। वह 22-24 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे 15वें ब्रिक्स शिखर बैठक में शामिल होने के लिए रामफोसा के न्योते पर मंगलवार को यहां पहुंचे।

मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले हुई बैठक के बाद एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ शानदार बैठक हुई। उन्होंने बैठक की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को प्रगाढ़ करने के प्रति लक्षित कई मुद्दों पर चर्चा की। व्यापार, रक्षा और निवेश संपर्क हमारी चर्चा में प्रमुख विषय थे। हम ग्लोबल साउथ की आवाज उठाने के लिए भी संयुक्त रूप से काम करते रहेंगे।

ग्लोबल साउथ के तहत ब्राजील, भारत, इंडोनेशिया और चीन आते हैं, जिन्हें नाइजीरिया और मेक्सिको के साथ भू-क्षेत्र और आबादी के लिहाज से सबसे बड़े दक्षिणी देश माना जाता है। कोविड-19 महामारी के चलते लगातार तीन साल डिजिटल माध्यम से हुई बैठकों के बाद ब्रिक्स के सदस्य देशों के नेताओं की यह ऐसी पहली बैठक है, जिसमें वे एक-दूसरे के आमने-सामने बैठ कर चर्चा करेंगे।

मंगलवार को मोदी चीन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के अपने समकक्षों के साथ लीडर्स रीट्रीट में शामिल हुए। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स देशों की वार्षिक शिखर बैठक के लिए जोहानिसबर्ग की यात्रा पर नहीं आए हैं। ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक समूह है। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, रीट्रीट नेताओं के लिए वैश्विक घटनाक्रम पर चर्चा करने और वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशने के वास्ते ब्रिक्स मंच का उपयोग करने का एक अवसर साबित हुआ। मंत्रालय ने एक अन्य विज्ञप्ति में कहा कि प्रधानमंत्री ने मंगलवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग में भी भाग लिया। जोहानिसबर्ग में मोदी ब्रिक्स-अफ्रीका आउटरीच और ब्रिक्स प्लस डायलॉग कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे, जो ब्रिक्स शिखर बैठक के तहत आयोजित किए जाएंगे।

रामफोसा ने भारत को दी बधाई

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बुधवार को यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए उपनिवेशवाद से देश की आजादी में महात्मा गांधी की भूमिका, चंद्रयान-3 मिशन की सफलता, भारत को और चीता देने के वादे और पारंपरिक औषधियों के भंडार पर बात की। मोदी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा के निमंत्रण पर 22-24 अगस्त के बीच जोहानिसबर्ग में आयोजित 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे। रामफोसा ने कहा, हम दक्षिण अफ्रीका की तरफ से आपका आभार व्यक्त करना चाहते हैं, खासतौर से हमें उस यात्रा के बारे में याद दिलाने के लिए जो महात्मा गांधी ने यहां दक्षिण अफ्रीका में शुरू की थी और दक्षिण अफ्रीका में हमारे पूर्वजों को संघर्षों के तरीकों के बारे में सिखाया था। दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के योगदान की प्रशंसा करते हुए रामफोसा ने कहा, गांधी ऐसे व्यक्ति थे जो प्रतिरोध के प्रति दृढ़ थे।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Priyanka Gupta is the owner of Property Bearing No. C-39 (Old Plot No.6), area measuring 200 Sq.Yds., i.e. 167.28 Sq.Mtrs., out of Khasra no.31/7, Situated at Gali No.2, Hardev Nagar, Village Jharoda Majra, Burari, Delhi vide Sale Deed dated 09.02.2021, Doc No. 1899. All persons are hereby informed that M/S D S Enterprises / Mrs. Priyanka Gupta want to mortgage the said property & intend to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Raj Kaur is the owner of Property bearing No. 17-A, New No. WZ-283/17-A, area measuring 100 Sq., Yds., out of Khasra No. 18/2, Situated in the area of Village Khyala and the colony known as West Block, Vishnu Garden Extn., Gali No. 4, New Delhi, vide Relinquishment Deed dated 08.06.2023, Bearing Doc. No.7517. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the said property to a person who intends to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said floor, its sale/mortgage/litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Kumesh Bidhuri is the owner of Property Bearing No. Plot Bearing No. K-61, land measuring 7 Biswas (350 sq. yards) comprised in Khasra No. 1178/151 & 1020/151 min (0-7), situated in the abadi Deh Lal Dora of Village Madanpur Khadar known as Haddu Mohalla Sarita Vihar Madanpur Khadar Tehsil Kalkaji New Delhi. vide Sale Deed dated 25.11.2005, Doc No. 18483 read with Rectification Deed dated 14.01.2008, Doc. No. 526. All persons are hereby informed that M/S Vishal Enterprises / Mr. Kumesh Bidhuri want to mortgage the said property & intend to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

जंगल में लगी आग बुझाने में लगे यूरोपीय देशों के विमान और दमकलकर्मी, 20 लोगों की मौत

एथेंस। यूनान के जंगलों में कई दिन से लगी आग बुझाने के अभियान में बुधवार को यूरोप के विभिन्न देशों के पानी की बौछार करने वाले विमानों के साथ सैकड़ों दमकलकर्मियों ने भाग लिया। यूनान में अलेक्जेंड्रोपोलिस शहर के पास पांच दिन से लगी भीषण आग बेकाबू हो गई। अधिकारी एथेंस के उत्तर-पश्चिमी छोर पर लगी आग को फैलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं ताकि रिहायशी इलाके इसकी चपेट में न आ जाएं।

वह यूनान की राजधानी के पास अंतिम हरित क्षेत्रों में शामिल पार्निथा राष्ट्रीय उद्यान तक आग की लपटें पहुंचने से रोकने में लगे हैं। पिछले तीन दिन में यूनान में जंगल में आग की 209 घटनाएं सामने आई हैं। दमकल विभाग के प्रवक्ता लोआनिस आर्टोपिस ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी।

तेज चल रहीं हवाओं और गर्म, शुष्क मौसम के कारण आग बढ़ती गई। अधिकारियों ने दर्जनों गांवों को खाली करने का आदेश दिया है, वहीं अलेक्जेंड्रोपोलिस के मुख्य अस्पताल को भी तैयार रहने को कहा गया है। अब देश के अनेक हिस्सों में हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो रही है, लेकिन नए सिरे से आग की घटनाओं का जोखिम बना हुआ है। आर्टोपिस ने कहा, हालात मुश्किल बने हुए हैं और कई मामलों में स्थिति चिंताजनक है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने शीर्ष निर्वाचन अधिकारी को चुनाव की तारीख तय करने के लिए बुलाया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने आगामी आम चुनाव की तिथि तय करने के वास्ते बुधवार को देश के शीर्ष निर्वाचन अधिकारी को बैठक के लिए आमंत्रित किया।

अल्वी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को पत्र लिखकर इस बात का हवाला दिया कि राष्ट्रपति के लिए संवैधानिक रूप से जरूरी है कि वह नेशनल एसेम्बली भंग होने के 90 दिनों के अंदर आम चुनाव की तिथि तय करें।

नेशनल एसेम्बली नौ अगस्त को भंग कर दी गई जिसके बाद पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग के लिए 90 दिनों के अंदर चुनाव कराना अनिवार्य है। लेकिन आयोग नई जनगणना के आलोक में परिसीमन के वास्ते चुनाव देर से कराने के पक्ष में है। परिसीमन भी संवैधानिक जरूरत है।

राष्ट्रपति ने आम चुनाव के वास्ते उपयुक्त तिथि तय करने की खातिर आज या कल बैठक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखा है। सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर राष्ट्रपति के एकाउंट से यह पत्र पोस्ट किया गया है।

अल्वी ने लिखा कि पाकिस्तान इस्लामी गणतंत्र के संविधान के अनुच्छेद 48 (5) के तहत राष्ट्रपति एसेम्बली के भंग होने के 90 दिनों के अंदर उसका चुनाव कराने की तारीख निर्धारित करने के दायित्व से बंधे हुए हैं। बैठक के लिए राष्ट्रपति का निमंत्रण ऐसे समय आया है जब आयोग ने नई परिसीमन प्रक्रिया की घोषणा की है। आयोग के हिसाब से यह प्रक्रिया 14 दिसंबर तक पूरी होगी जिसके बाद चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। आयोग की दुविधा है कि वह 90 दिनों में चुनाव कराने तथा नए चुनावी क्षेत्र तय करने के दोहरे दायित्व को एक साथ पूरा नहीं कर सकता।

पुतिन ने रूस पर प्रतिबंधों की निंदा की

एपी। जोहानिसबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देश पर अवैध प्रतिबंधों को लेकर दक्षिण अफ्रीका में एक आर्थिक शिखर सम्मेलन के उद्‌घाटन के दिन पश्चिमी देशों पर निशाना साधा और यूक्रेन के अनाज निर्यात को स्थाई रूप से बंद करने की चेतावनी दी।

सम्मेलन के दौरान पुतिन का पहले से रिकॉर्डेड भाषण बड़े स्क्रीन पर प्रसारित किया गया। यूक्रेन में युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय अदालत ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है जिसके चलते वह ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग नहीं आए हैं। पहले से रिकॉर्ड किया गया 17 मिनट का पुतिन का भाषण यूक्रेन में युद्ध और पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंधों पर केंद्रित था। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने कहा था कि पूर्व-पश्चिम का टकराव कोविड-19 महामारी के बाद पहली बार प्रत्यक्ष तरीके से आयोजित हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर हावी नहीं होना चाहिए। पुतिन ने कहा कि दुनिया की खाद्य आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण यूक्रेनी अनाज लदान की सुविधा को लेकर युद्धकालीन समझौता तब तक फिर से शुरू नहीं होगा जब तक कि उनकी शर्तें- रूसी खाद्य और कृषि उत्पादों पर प्रतिबंधों

में ढील- पूरी नहीं हो जातीं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में सेना भेजने को लेकर रूस को दंडित करने और आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयास मुक्त व्यापार के सभी बुनियादी मानदंडों और नियमों को रौंदने के बराबर हैं। रूस ने जुलाई में काला सागर से अनाज आपूर्ति की पहल से हाथ खींच लिया था और दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा शहर पर ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर दिए, जो समझौते में शामिल बंदरगाहों में से एक का ठिकाना है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने सीधे तौर पर रूसी कृषि निर्यात को लक्षित नहीं किया है, लेकिन कुछ प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय वित्तीय भुगतान प्रणालियों तक रूस की पहुंच को प्रतिबंधित करने के कदमों ने देश के लिए भोजन, उर्वरक और अन्य उत्पादों का बाजार में पहुंचना मुश्किल बना दिया है। पुतिन ने कहा, इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए 18 जुलाई से हमने तथाकथित समझौते को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। रूस के राष्ट्रपति ने कहा, हम इस (समझौते) पर वापस आने के लिए तैयार होंगे, लेकिन तभी जब रूसी पक्ष के प्रति सभी दायित्व वास्तव में पूरे होंगे। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भी जोहानिसबर्ग शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। पुतिन के संबोधन के कुछ मिनट बाद चिनफिंग ने कहा कि कुछ देश, अपना दबदबा बनाए रखने के जुनून में उभरते बाजारों और विकासशील देशों को पंगु बनाने का रास्ता अपना रहे हैं। चीनी वाणिज्य मंत्री वांग वेन्ताओ ने चिनफिंग का भाषण देते हुए कहा, जो कोई भी तेजी से विकास कर रहा है वह उसके प्रतिबंध का लक्ष्य बन जाता है। जो कोई भी आगे बढ़ रहा है, वह रुकावटों का निशाना बन जाता है। चिनफिंग के भाषण में परोक्ष रूप से अमेरिका का संदर्भ दिया गया।

शी चिनफिंग शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे हैं और उन्होंने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की। वह उद्‌घाटन दिवस के बिजनेस फोरम में शामिल नहीं हुए, जहां ब्रिक्स देशों के अन्य तीन नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से अपना संबोधन दिया और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। चीनी नेता की अनुपस्थिति का कोई कारण नहीं बताया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, शी चिनफिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और रामफोसा के उपनगरीय जोहानिसबर्ग में एक लक्जरी एस्टेट में रात्रिभोज पर मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि पुतिन के भी डिजिटल माध्यम से शामिल होने की संभावना है। उम्मीद है कि ब्रिक्स के नेता तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के शीर्ष एजेंडा समूह के संभावित विस्तार पर चर्चा करेंगे। वे बुधवार को शिखर वार्ता के मुख्य दिन के लिए फिर से एकत्र होने वाले हैं। पांच ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी रहती है और यह समूह वैश्विक आर्थिक उत्पादन के 30 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Ruby, W/o. Ateeq Ahmed, R/o. O-11, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have changed my son's name from Aarav Ahmed to Shifan Ahmed for all future purposes.

Pd(139)A

प्रकाशन
प्रपत्र सं. 3
[विनियम-15 (1) (क) /16 (3) देखें]
ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी 2) प्रथम तल एससीओ 33-34-35, सेक्टर-17 ए. चंडीगढ़ (तृतीय एवं चतुर्थ तल पर भी अतिरिक्त स्पेस आबंटित)

वाद सं. : ओ.ए. /2159/2022

ईएक्सएच नंबर : 16750 ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमावली, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2क) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत सम्मन

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
तारिक जमाल सिद्‌दीकी

सेवा में,
(3) यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड, 102, अंतरिक्ष भवन, 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली
अन्य पता यूनिवर्सल ट्रेड टावर 8वां तल, सेक्टर-49, सोहना रोड सी, गुरूग्राम, हरियाणा
........(प्रतिवादी सं.3)

सम्मन

जबकि, ओए/2159/2022 माननीय पीठ अधिकारी/रजिस्ट्रार के समक्ष 18-02-2023 को पेश किया गया था।

जबकि, यह माननीय न्यायाधिकरण रू. 73,98,186/- की ऋण वसूली के लिए आपके विरूद्ध दाखिल किए गए (ओए) के संबंध में, अधिनियम की धारा 19(4) के तहत, उक्त आवेदन पर सम्मन/नोटिस जारी करने का अनुग्रह कर रहा है (दस्तावेजों इत्यादि की प्रतियों सहित आवेदन संलग्न है)।

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत आप प्रतिवादी(यों) को निम्न निर्देश भी दिया जाता है :-

i) सम्मन की तामील के तीस दिन के भीतर कारण बताएं कि प्रार्थित राहत क्यों मंजूर नहीं की जाए ;
ii) मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के अतिरिक्त सम्पत्तियों अथवा आस्तियों का विवरण, प्रस्तुत करें ;
iii) आप को, सम्पत्ति की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई तथा आवेदन के निस्तारण के दौरान, प्रत्याभूत आस्तियों अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के संबंध में संव्यवहार अथवा निपटान करने की मनाही की जाती है ;
iv) आप किसी भी आस्ति जिस पर कोई प्रतिभूति हित सृजित किया गया है तथा/अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट अथवा खुलासा की गई सम्पत्तियों तथा आस्तियों का अंतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से, आपके व्यवसाय के साधारण कोर्स को छोड़कर, न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, नहीं करेंगे ;
v) आप व्यवसाय के साधारण कोर्स में प्रत्याभूत आस्तियों अथवा अन्य आस्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का हिसाब रखने तथा ऐसी बिक्री प्राप्तियां इन आस्तियों पर प्रतिभूति हित धारक बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं में अनुरक्षित खाते में जमा करने हेतु जिम्मेदार होंगे।

आपको लिखित बयान दाखिल करने, उसकी प्रति आवदेक को मुहैया कराने तथा दिनांक 25-08-2023 को पूर्वा. 10.30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हाने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर लगाकर 16-03-2023 को दिया गया।

सम्मन जारी करने हेतु प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

प्रपत्र सं. 3
[विनियम-15 (1) (क) /16 (3) देखें]
ऋण वसूली न्यायाधिकरण
चंडीगढ़ (डीआरटी 2)
प्रथम तल एससीओ 33-34-35, सेक्टर-17 ए. चंडीगढ़ (तृतीय एवं चतुर्थ तल पर भी अतिरिक्त स्पेस आबंटित)
वाद सं. : ओ.ए./1449/2022
ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमावली, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2क) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत सम्मन
ईएक्सएच. नंबर : 18807
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
गोपाल दास

सेवा में,
(1) गोपाल दास
डी/डब्ल्यू/एस/ओ- जागीर दास
गोपाल दास पुत्र श्री
जागीर दास, निवासी बी-5, बाबा आर्केड, हरोला, गौतम बुद्ध नगर, सेक्टर-5, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301. पैन नंबर एजीएचपीडी5758पी.
दूसरा पता :- सी/ओ जीडीएस इलेक्ट्रॉनिक्स, आर/ओ बी-5, आर्केड, हरोला, गौतम बुद्ध नगर, सेक्टर-5, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301
गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
अन्य पता :
जीडीएस इलेक्ट्रॉनिक्स, बी-5, बाबा आर्केड, हरोला, गौतम बुद्ध नगर, सेक्टर-5, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
(2) सुजीत कुमार दास
एस/ओ गोपाल दास बी-5, बाबे आर्केड, हरोला, गौतम बुद्ध नगर, सेक्टर-5, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

सम्मन

जबकि, ओए/1449/2022 माननीय पीठ अधिकारी/रजिस्ट्रार के समक्ष 16-03-2023 को पेश किया गया था।

जबकि, यह माननीय न्यायाधिकरण रू. 36,52,811/- की ऋण वसूली के लिए आपके विरूद्ध दाखिल किए गए (ओए) के संबंध में, अधिनियम की धारा 19(4) के तहत, उक्त आवेदन पर सम्मन/नोटिस जारी करने का अनुग्रह कर रहा है (दस्तावेजों इत्यादि की प्रतियों सहित आवेदन संलग्न है)।

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत आप प्रतिवादी(यों) को निम्न निर्देश भी दिया जाता है :-

i) सम्मन की तामील के तीस दिन के भीतर कारण बताएं कि प्रार्थित राहत क्यों मंजूर नहीं की जाए ;
ii) मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के अतिरिक्त सम्पत्तियों अथवा आस्तियों का विवरण, प्रस्तुत करें ;
iii) आप को, सम्पत्ति की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई तथा आवेदन के निस्तारण के दौरान, प्रत्याभूत आस्तियों अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के संबंध में संव्यवहार अथवा निपटान करने की मनाही की जाती है ;
iv) आप किसी भी आस्ति जिस पर कोई प्रतिभूति हित सृजित किया गया है तथा/अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट अथवा खुलासा की गई सम्पत्तियों तथा आस्तियों का अंतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से, आपके व्यवसाय के साधारण कोर्स को छोड़कर, न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, नहीं करेंगे ;
v) आप व्यवसाय के साधारण कोर्स में प्रत्याभूत आस्तियों अथवा अन्य आस्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का हिसाब रखने तथा ऐसी बिक्री प्राप्तियां इन आस्तियों पर प्रतिभूति हित धारक बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं में अनुरक्षित खाते में जमा करने हेतु जिम्मेदार होंगे।

आपको लिखित बयान दाखिल करने, उसकी प्रति आवदेक को मुहैया कराने तथा दिनांक 12-09-2023 को पूर्वा. 10.30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हाने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर लगाकर 26-06-2023 को दिया गया।

सम्मन जारी करने हेतु प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

अब साल में दो बार होगी बोर्ड परीक्षा

11वीं एवं 12वीं कक्षा में छात्रों के पसंद के विषय चुनने की आजादी होगी : एनसीएफ

भाषा। नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा का नया राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ) तैयार किया है जिसके तहत अब बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार होंगी और छात्र-छात्राओं को इसमें सर्वश्रेष्ठ अंक बरकरार रखने का विकल्प होगा। इसरो के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार एनसीएफ में कहा गया है कि स्कूल बोर्ड उचित समय में मांग के अनुसार परीक्षा की पेशकश करने की क्षमता विकसित करेंगे। मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार नया पाठ्यचर्या ढांचा तैयार है और इसके आधार पर 2024 के शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्य पुस्तकें तैयार की जाएंगी। इसमें कहा गया है कि कला एवं विज्ञान, पाठ्यक्रम संबंधी या पाठ्एत्तर गतिविधियों तथा व्यवसायिक एवं अकादमिक विषयों के बीच कोई सख्त विभाजन रेखा नहीं होनी चाहिए।

स्कूली स्तर पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे के दस्तावेज के अनुसार, कक्षा 11वीं और 12वीं में विषयों का चयन कला, विज्ञान, वाणिज्य स्ट्रीम तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि छात्र-छात्राओं को अपनी पसंद का विषय चुनने की आजादी मिलेगी। इसमें कहा गया है कि नए पाठ्यचर्या ढांचे के तहत बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार होंगी और छात्र-छात्राओं को सर्वश्रेष्ठ अंक बरकरार रखने की इजाजत होगी।

दस्तावेज में कहा गया है कि वर्तमान में जिस तरह से बोर्ड परीक्षाएं ली जाती हैं, उससे किसी एक दिन अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने से बोर्ड परीक्षा के परिणाम पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। चूंकि ए परीक्षाएं साल में एक बार ली जाती हैं तो किसी एक दिन खराब प्रदर्शन करने वाले छात्र के पास कोई विकल्प नहीं बचता है। इसमें कहा गया है कि ऐसी परीक्षाएं बहुत अधिक मात्रा में तथ्यों संबंधी परीक्षा से संबंधित होती हैं और इसके कारण तनाव भी पैदा होता है।

एनसीएफ के अनुसार, ऐसे में बोर्ड परीक्षा संबंधी बदलाव की बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि बोर्ड परीक्षा को पाठ्यक्रम के अनुरूप माध्यमिक स्तर पर क्षमताओं का मूल्यांकन करना चाहिए। ए परीक्षाएं छात्र के प्रदर्शन की वैध एवं विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करने वाली होनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि छात्रों पर बोर्ड परीक्षा के बोझ को कई कदमों के जरिए कम किया जा सकता है। इसमें पाठ्य सामग्री के बोझ को कम करना और आसान बनाना, तथ्यों पर जोर देने की बजाए क्षमताओं पर ध्यान देना शामिल है।

दस्तावेज के अनुसार, इसमें बोर्ड परीक्षा वर्ष में कम से कम दो बार पेश करना शामिल है ताकि छात्रों को दूसरी बार परीक्षा देने और अपना प्रदर्शन बेहतर बनाने का विकल्प मिल सके। पाठ्यचर्या ढांचे के अनुसार, छात्र उस बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हो सकता है जिसके लिए वह तैयार महसूस कर रहा हो। इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए एक समग्र परीक्षा सामग्री बैंक तैयार किया जा सकता है जिसका उपयोग उपयुक्त साफ्टवेयर के माध्यम से परीक्षा लेने में किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि दीर्घकाल में सभी बोर्ड को सेमेस्टर या आवधिक प्रणाली को अपनाना चाहिए।

दस्तावेज के अनुसार, छात्र इसमें से उस परीक्षा में उपस्थित हो सकते हैं जिसके लिए वे अपने को तैयार महसूस करेंगे। कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति के अनुसार, हाल के दशकों में भारत में यह दुर्भाग्यपूर्ण चलन पाया गया है कि 11वीं और 12वीं कक्षा को केवल उच्च शिक्षा में दाखिला हासिल करने के माध्यम के रूप में देखा जाता है। इसमें कहा गया है कि माध्यमिक स्कूली स्तर पर, खास तौर पर 11वीं और 12वीं कक्षा को उच्च शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के चयन के तंत्र के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।

पाठ्यचर्या के अनुसार, व्यवसायिक शिक्षा, कला शिक्षा और शारीरिक शिक्षा एवं सेहत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि इन मामलों में अधिकांश मूल्यांकन प्रदर्शन आधरित होना चाहिए और लिखित परीक्षा आधारित नहीं। इसमें कहा गया है कि ऐसी सिफारिश की जाती है कि सम्पूर्ण प्रमाणन में 75 प्रतिशत जोर प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन पर दिया जाए और 25 प्रतिशत लिखित परीक्षा पर। दस्तावेज के अनुसार, बोर्डो को इसके लिए उच्च गुणवत्ता की प्रणाली तैयार करनी होगी और इसे लागू करना होगा जो स्थानीय रूप से (स्कूलों में) प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन करेंगे।

विज्ञान एवं अन्य विषयों का मूल्यांकन प्रदर्शन आधारित अर्थात प्रयोग करने से जुड़ा होना चाहिए। विषय के प्रमाणन में इसका 20-25 प्रतिशत महत्व हो। नए पाठ्यचर्या ढांचे के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं महीनों की कोचिंग और रट्टा लगाने की क्षमता के मुकाबले छात्र-छात्राओं की समझ और दक्षता के स्तर का मूल्यांकन करेंगी। इसके तहत कक्षाओं में पाठ्य पुस्तकों को कवर करने की मौजूदा प्रथा से बचा जाएगा और पाठ्य पुस्तकों की कीमतों में कमी लाई जाएगी। दस्तावेज के अनुसार, स्कूली शिक्षा पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप चार स्तरों में विभाजित किया गया है। इसमें पहला बुनियादी स्तर है जिसमें 3 से 8 वर्ष आयु वर्ग के छात्र आएंगे। दूसरा तैयारी स्तर है जिसमें 8 से 11 वर्ष आयु वर्ग के छात्र होंगे। तीसरा मध्य स्तर है जिसमें 11 से 14 वर्ष आयु वर्ग के छात्र होंगे तथा चौथा माध्यमिक स्तर है जिसमें 14 से 18 आयु वर्ग के छात्र होंगे।

मिजोरम में निर्माणाधीन रेलवे पुल ढहा, 18 लोगों की मौत

भाषा। आइजोल, कोलकाता

मिजोरम के आइजोल जिले में सैरांग इलाके में 100 मीटर ऊंचे निर्माणाधीन रेलवे पुल के ढह जाने के कारण कम से कम 18 श्रमिकों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग लापता हो गए। हताहतों में अधिकतर पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राजधानी आइजोल से लगभग 21 किलोमीटर दूर सैरांग इलाके में सुबह करीब 10 बजे घटी इस घटना में तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। आइजोल में एक अधिकारी ने बताया कि 12 शवों की शिनाख्त हो गई है जो पश्चिम बंगाल के रहने वाले मजदूरों के हैं।

पूर्वोत्तर राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर मृतक संभवत: पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के पुकुरिया, इंग्लिश बाजार और मानिकचक के रहने वाले थे। पश्चिम बंगाल के श्रमिकों की मौत पर शोक जताते हुए राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा कि उनके (मृत श्रमिकों के) शवों को लाने की व्यवस्था की गई है। पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) लालबियाकथांगा खियांगते ने बताया, मलबे से अब तक 16 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि दो अन्य शवों को अभी निकाला जाना है। पांच मजदूरों के लापता होने की खबर है। अधिकारी ने बताया कि मौके पर बचाव एवं राहत कार्य जारी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को बचाव अभियान में सहायता के लिए मिजोरम सरकार के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया है। रेलवे ने कहा कि यह दुर्घटना एक गैन्ट्री (एक प्रकार की क्रेन) के गिरने के कारण हुई। भैरवी-सैरांग नई रेलवे लाइन परियोजना के तहत 130 पुलों में से एक इस निर्माणाधीन पुल से जुड़ी इस घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की। उन्होंने कहा, मिजोरम में पुल हादसे से दुख हुआ। उन लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। प्रार्थना करता हूं कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। बचाव अभियान जारी है और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्एक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और बचाव अभियान में मदद करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैं सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बचाव कार्यों में मदद के लिए बड़ी संख्या में सामने आए लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इससे पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुल ढहने पर शोक जताया और कहा कि पीड़ितों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा जल्दी ही की जाएगी।उन्होंने एक्स पर लिखा, मिजोरम में आज निर्माणाधीन रेलवे पुल हादसे के बारे में जानकर सदमे में हूं। इस हादसे में कई मजदूरों की मौत हो गई जिनमें से कुछ हमारे मालदा जिले से थे। बनर्जी ने कहा, अधिकारियों को बचावअभियानों में मदद के लिए मिजोरम प्रशासन से समन्वय करने का निर्देश दिया है। मालदा जिला प्रशासन को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचकर हर संभव मदद देने कहा गया है।

9वीं-10वीं के छात्रों को दो भारतीय भाषाएं, 11 व 12वीं वालों को एक भारतीय भाषा पढ़नी होगी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा का नया राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ) तैयार किया है जिसके तहत 9वीं एवं 10वीं कक्षा के छात्रों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा जिसमें दो भारतीय भाषाएं होंगी। वहीं कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं को दो भाषाओं का अध्ययन करना होगा और इनमें से कम से कम एक भाषा भारतीय होनी चाहिए। इसरो के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार एनसीएफ में कहा गया है कि 9-10वीं कक्षा के लिए सात विषय अनिवार्य होंगे जबकि 11-12वीं कक्षा के लिए छह विषय अनिवार्य होंगे। विभिन्न स्तरों पर भाषाओं से लोकतांत्रिक एवं ज्ञानमीमांसा आधारित मूल्यों को विकसित करने तथा संस्कृति एवं समाज की विविधता के प्रति सम्मान की भावना (सांस्कृतिक साक्षरता) के विकास में मदद मिलेगी।

वर्तमान में 9वीं एवं 10वीं कक्षा के छात्र दो भाषाओं का अनिवार्य रूप से अध्ययन करते हैं जबकि 11वीं एवं 12वीं कक्षा के छात्र एक भाषा का अध्ययन करते हैं। 9वीं एवं 10वीं कक्षा के छात्रों को पांच विषय पढ़ने होते हैं और एक विषय अतिरिक्त शामिल करने का विकल्प होता है। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि कस्तूरीरंगन के मार्गदर्शन में संचालन समिति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए पाठ्यचर्या तैयार की है और सरकार को सौंपा है तथा सरकार ने इसे राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को सौंप दिया है।

स्कूली शिक्षा के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा के अनुसार, 9वीं एवं 10वीं कक्षा के लिए सभी स्कूलों को तीन भाषाओं की पेशकश करने की जरूरत है और इसमें से कम से कम दो भारतीय भाषा होनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि तीन भाषाओं के साथ सात अन्य विषय छात्रों को पढ़ने होंगे जिनमें गणित, गणनात्मक सोच, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, सेहत, व्यवसायिक शिक्षा और अंत: विषयक क्षेत्र शामिल हैं। बोर्ड परीक्षा भाषा सहित केवल सात विषयों के लिए ली जाएगी और कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, सेहत, व्यवसायिक शिक्षा का मूल्यांकन आंतरिक परीक्षा के रूप में होगा। कला एवं विज्ञान, पाठ्यक्रम संबंधी या पाठ्एत्तर गतिविधियों तथा व्यावसायिक एवं अकादमिक विषयों के बीच कोई कड़ी विभाजन रेखा नहीं होनी चाहिए। एनसीएफ के अनुसार, 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को भाषा शिक्षा के खंड से दो भाषाओं का अध्ययन करना होगा जिसमें एक भारतीय भाषा शामिल है। स्कूली स्तर पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे के दस्तावेज के अनुसार, कक्षा 11वीं और 12वीं में विषयों का चयन कला, विज्ञान, वाणिज्य स्ट्रीम तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि छात्र-छात्राओं को अपनी पसंद का विषय चुनने की आजादी मिलेगी।

क्विक न्यूज

आजम खां को आवाज का नमूना देने के निचली अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश पर बुधवार को अंतरिम रोक लगा दी, जिसके तहत सपा के नेता आजम खां को 2007 में बसपा की अध्यक्ष मायावती के खिलाफ कथित तौर पर नफरत भरा भाषण देने और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में आवाज का नमूना देने का निर्देश दिया गया था। आजम की आवाज का नमूना 2007 में रामपुर के टांडा इलाके में एक जनसभा में उनके द्वारा दिए गए भाषण से मिलान के लिए मांगा गया था। इस भाषण को एक सीडी में रिकॉर्ड किया गया था। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने इस मामले में आजम की ओर से दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, प्रतिवादी को नोटिस जारी करें। इस बीच, निचली अदालत के 29 अक्टूबर 2022 के उस आदेश पर अंतरिम रोक रहेगी, जिसे उच्च न्यायालय ने 25 जुलाई 2023 को बरकरार रखा था। आजम ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 25 जुलाई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने आजम की याचिका का निपटारा करते हुए मामले में रामपुर की अदालत का फैसला बरकरार रखा था। धीरज कुमार शील नाम के एक व्यक्ति ने 2007 में आजम के खिलाफ टांडा पुलिस थाने में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण)अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। शील ने सपा नेता पर नफरत भरा भाषण देने और बसपा अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। रामपुर में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 171-जी (चुनाव के संबंध में गलत बयान देना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आजम के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की प्रासंगिक धाराएं भी लगाई थी।

पूर्व नौसेना अधिकारी अभिलाष टॉमी गगनयान अभियान में इसरो की मदद करेंगे

कोच्चि (केरल)। पूर्व नौसेना अधिकारी और जहाज से अकेले पूरी दुनिया की यात्रा करने वाले केरल के नाविक एवं कमांडर अभिलाष टॉमी भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान गगनयान के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की मदद करेंगे। टॉमी एकल नौकायान के क्षेत्र मे प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब रेस 2022 मे दूसरे स्थान पर रहे थे। टॉमी ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व मे ट्विटर) पर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह गगनयान के संबंध में अंतरिक्ष यात्रा पर इसरो के साथ विचार विमर्श कर रहे है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वह अपने अगले नौकायान प्रयास को लेकर भारतीय नौसेना के साथ काम कर रहे है। उन्होने एक्स पर पोस्ट किया, मै अपने अगले नौकायान प्रयास को लेकर नौसेना के साथ काम करूंगा। इसके अलावा मै भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान मे इसरो की मदद करूंगा। उन्होंने ट्वीट किया, एकसाथ समुद्र और अंतरिक्ष यात्रा (गगनयान) के लिए सलाह लिए जाने को लेकर रोमांचित हूं। दोनो मेरे दिल के बेहद करीब है। सच मे, रोमांचक यात्रा का अनूठा अनुभव होता है। गगनयान इसरो की एक महत्वाकांक्षी मानयुक्त अंतरिक्ष यात्रा परियोजना है जिसमे तीन सदस्यो के एक दल को तीन दिन तक 400 किलोमीटर की कक्षा मे ले जाकर और समुद्र मे उतारकर सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाने की क्षमता के प्रदर्शन की परिकल्पना की गई है। टॉमी ने इस साल अप्रैल में प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब रेस 2022 को पूरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया था।

तेजस ने किया मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने बुधवार को गोवा के तट पर हवा से हवा में मार करने वाली दिखाई नही पड़ने वाले लक्ष्य को भेदने की क्षमता वाली (बीवीआर) मिसाइल अस्त्र का परीक्षण किया, जो सफल रहा। अधिकारियों ने बताया कि करीब 20,000 फुट की ऊंचाई पर विमान से मिसाइल प्रक्षेपण किया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एलएसपी-7 ने 23 अगस्त को गोवा के तट पर हवा से हवा में मार करने वाली बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल अस्त्र का परीक्षण किया। मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरे हो गए है। प्रक्षेपण की निगरानी वैमानिकी विकास एजेसी (एडीए), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के परीक्षण निदेशक और वैज्ञानिकों और सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन (सीईएमआईएलएसी) और एयरोनॉटिकल क्वालिटी एश्योरेंस महानिदेशालय (डीजी-एक्यूए) के अधिकारियो ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेजस-एलसीए से मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए एडीए, डीआरडीओ, सीईएमआईएलएसी, डीजी-एक्यूए को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्षेपण से तेजस की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और आयातित हथियारो पर निर्भरता कम होगी।

इसरो की उपलब्धि बेमिसाल सामूहिक संकल्प का नतीजा: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की बेमिसाल उपलब्धि करार देते हुए बुधवार को कहा कि यह किसी एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प का नतीजा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान से लैस एलएम की साफ्ट लैंडिग कराने में सफलता हासिल की। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता प्रत्एक भारतीय की सामूहिक सफलता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग को इसरो की शानदार उपलब्धि करार देते हुए बुधवार को कहा कि यह सफलता वैज्ञानिक समुदाय की प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में विश्वस्तरीय क्षमता विकसित करना आवश्यक: राष्ट्रपति

पणजी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च शिक्षण संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तरीय क्षमता विकसित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय नीति से कौशल विकास, उद्योग सम्पर्क और रोजगार के बीच सामंजस्य स्थापित करके समग्र शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुर्मू ने गोवा के राजभवन में गोवा विवि के 34 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षा एक आजीवन प्रक्रिया है। निरंतर सीखने वाले, जीवन में अवसरों का लाभ उठाने के साथ-साथ चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम होंगे। प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष आज विश्व में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि गोवा विवि नवोन्मेष को बढ़ावा दे रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व स्तरीय क्षमता विकसित करना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु हमारी शिक्षा प्रणाली में सुधार लाए जा रहे हैं। यह शिक्षा नीति कौशल विकास, उद्योग सम्पर्क और रोजगार के बीच सामंजस्य स्थापित करके समग्र शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। इस कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लै और राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। मुर्मू ने छात्रों से कहा कि उन्होंने जो डिग्रियां अर्जित की हैं, वे उन्हें रोजगार पाने या व्यवसाय शुरू करने में मदद करेंगी लेकिन एक गुण जो उन्हें जीवन में बहुत आगे ले जा सकता है, वह है कभी हार न मानने का साहस। राष्ट्रपति ने गोवा विवि के छात्रों को डिग्रियां प्रदान कीं जिन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूरा किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न विभागों को समेकित करके अंत: विषई अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए गोवा विवि के परिसर में विभिन्न स्कूल बनाए गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इस पहल के लिए गोवा विवि की सराहना की और कहा कि इस विवि में शिक्षा, अनुसंधान और नवोन्मेषण के लिए उत्कृष्टता का केंद्र बनने की असीम संभावनाएं हैं। मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में लगभग 55 प्रतिशत लड़कियां हैं।

चंद्रयान की सफलता से रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र के शेयरों ने भरी रफ्तार

नई दिल्ली। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारतीय अंतरिक्ष यान चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग की उम्मीद में विमान प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र से संबंधित कंपनियों के शेयरों के प्रति बुधवार को निवेशकों का खासा रुझान देखा गया। चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान से लैस लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिग करने में सफल रहा। भारत ऐसी उपलब्धि पाने वाला पहला देश है।

बुधवार को चंद्रयान मिशन को लेकर शेयर बाजार में भी गहमागहमी देखी गई और विमान, अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित कंपनियों के प्रति निवेशकों का उत्साह देखने को मिला। इनमें चंद्रयान-3 अभियान में 200 से भी अधिक कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाली कंपनी सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स भी शामिल है। बीएसई पर सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स का शेयर 14.91 प्रतिशत तक उछल गया जबकि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर में 5.47 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। एमटीएआर टेक्नोलॉजीज में 4.84 प्रतिशत और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर में 3.57 प्रतिशत की तेजी देखी गई।

रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी भारत फोर्ज का शेयर 2.82 प्रतिशत, अस्त्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स में 1.72 प्रतिशत और लार्सन एंड टुब्रो में 1.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खास बात यह है कि इनमें से अधिकार कंपनियों के शेयर कारोबार के दौरान पिछले एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख (खुदरा शोध) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, चंद्रयान-3 अभियान में इस्तेमाल हुए कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाली कई रक्षा कंपनियों के शेयर सफल लैंडिंग की संभावना से चढ़ गए। स्टॉक्स बॉक्स में तकनीकी एवं डेरिवेटिव विश्लेषक रिचेज वनारा ने कहा, चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के पहले शेयर कारोबार के दौरान एलएंडटी, एमटीएआर और एचएएल जैसी रक्षा कंपनियों को लेकर बाजार में खासा रुझान देखा गया।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल के राजनीतिक सलाहकार और दो ओएसडी के परिसरों पर ईडी का छापा

रायपुर/दुर्ग। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, मुख्यमंत्री के दो ओएसडी और कारोबारी के यहां छापे की कार्वाई की है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि सूत्रों के माध्यम से अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि ईडी ने किस मामले में यह कार्वाई की है। मुख्यमंत्री बघेल ने ईडी की इस कार्वाई को अपने जन्मदिन का तोहफा बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया। प्रांतीय राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर में स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी में विनोद वर्मा के आवास पर और दुर्ग जिले के पुरानी भिलाई इलाके में स्थित ओएसडी आशीष वर्मा और मनीष बंछोर के मकानों पर अर्धसैनिक बल के कुछ जवानों को देखा गया।

विनोद वर्मा पहले पत्रकार रहे हैं तथा कई बड़े संस्थानों में काम कर चुके हैं। वह मुख्यमंत्री बघेल के करीबी हैं। इसी तरह दुर्ग जिले के भिलाई शहर के नेहरूनगर इलाके में कारोबारी विजय भाटिया के घर के बाहर भी सुरक्षाकर्मी नजर आए।

बताया जा रहा है कि ईडी की कार्वाई के बाद आशीष वर्मा और मनीष बंछोर के समर्थक उनके आवासों के बाहर एकत्र हुए और भाजपा नीत केन्द्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। दोनों के समर्थकों ने भाजपा पर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। बंछोर भिलाई इस्पात संयंत्र में कर्मचारी हैं तथा प्रतिनियुक्ति पर मुख्यमंत्री के ओएसडी के रूप में तैनात हैं। अपने राजनीतिक सलाहकार और अन्य लोगों के यहां ईडी के छापे पर मुख्यमंत्री बघेल ने इसे अपने जन्मदिन पर अमूल्य उपहार बताया।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा है, आदरणीय प्रधानमंत्री जी एवं श्री अमित शाह जीउ मेरे जन्मदिन के दिन आज आपने मेरे राजनीतिक सलाहकार एवं मेरे ओएसडी सहित करीबियों के यहां ईडी भेजकर जो अमूल्य तोहफा दिया है, इसके लिए बहुत आभार।

मुख्यमंत्री बघेल का जन्मदिन 23 अगस्त को होता है। इस अवसर पर उनके गृह जिले दुर्ग और अन्य स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ईडी छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाला, शराब घोटाला, जिला खनिज फाउंडेशन फंड में अनियमितता और एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से संबंधित विभिन्न मामलों की जांच कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पिछले दो दिनों में ऑनलाइन सट्टेबाजी के संबंध में रायपुर और दुर्ग में कई स्थानों पर तलाशी ली थी। ईडी ने पिछले साल दिसंबर में कथित कोयला लेवी घोटाले से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में राज्य कैडर की आईएएस अधिकारी सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया था। चौरसिया मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर तैनात थीं।

हिमाचल में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में 12 लोगों की मौत

भाषा। शिमला

हिमाचल प्रदेश में बीती रात हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन की घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई और कुछ मकानों के क्षतिग्रस्त होने के अलावा 400 से अधिक सड़कें अवरूद्ध हो गईं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के 12 में से छह जिलों मेंं भारी से भीषण बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भीषणतम बारिशै होने का अनुमान जताते हुए बुधवार को रेड अलर्ट जारी किया। इस मॉनसून में भारी बारिश के तीन बड़े दौरों के बाद राज्य में कुल 709 सड़कें बंद हो गई हैं। भारी बारिश के कारण प्रदेश में बड़ पैमाने पर विनाश एवं मौत की घटनाएं हुई हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रदेश के शिमला, मंडी और सोलन जिलों में बुधवार से दो दिनों के लिए सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, प्रदेश में हुई 12 मौतों में से सात लोगों की मौत मंडी और शिमला में भूस्खलन के कारण हुई, इसके अलावा, बिजली का करंट लगने से तीन अन्य लोगों की मौत हुई, और राज्य के विभिन्न हिस्सों में डूबने और ऊंचाई से गिरने के कारण एक-एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। उपायुक्त अरिंदम चौधरी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मंडी जिले के सेराज क्षेत्र के दो गांवों में बादल फटने से हुए भूस्खलन में पांच लोगों की मौत हो गई है।

मंडी जिले के सेराज के दगोल गांव में भूस्खलन में दो लोगों – परमानंद (62) और उनके पोते गोपी (14) – की मौत हो गई, जबकि अन्य तीन की सराची गांव में भूस्खलन में मौत हो गई। मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। इलाके में कुछ घर और एक स्कूल भी क्षतिग्रस्त हो गया। बारिश के कारण शिमला शहर बुरी तरह प्रभावित हुआ, भूस्खलन और उखड़े पेड़ों के कारण मुख्य कार्ट रोड और साथ ही शिमला-मेहली बाईपास कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गया। कई घरों में दरारें भी आ गई हैं और एहतियात के तौर पर लोगों को वहां से हटा दिया गया है। शिमला जिले के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बलदेयां इलाके में एक कच्चे मकान में झालो नामक प्रवासी और उनकी पत्नी राजकुमारी के शव मिले हैं।

पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अनावश्यक यात्रा नहीं करने का अनुरोध किया। इस महीने राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में 120 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 24 जून को हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के बाद से कुल 238 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है और 40 लोग अब भी लापता हैं। मौसम विभाग ने कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के कुछ हिस्सों के लिए दोपहर में रेड अलर्ट जारी की थी। विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की नारंगी चेतावनी भी जारी की है। सोलन जिले में भूस्खलन से कुछ घर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

उत्तराखंड में बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, भूस्खलन में एक की मौत

देहरादून (भाषा)। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में बुधवार को भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में बुधवार के लिए बारिश का रेड या आरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद प्रशासन से 24 घंटे मुस्तैद रहने को कहा गया है। प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर लगातार बारिश होने के कारण नदीनाले उफान पर हैं और राष्ट्रीय राजमार्गों समेत अनेक सड़कें यातायात के लिए अवरूद्ध हो गई हैं। इससे सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है। पौड़ी के जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, थलीसैंण तहसील के जगतपुरीउफरैंखालरामनगर मोटर मार्ग पर उफरैंखाल के नजदीक पापतोली में अचानक पहाड़ी से मलबा आ गिरा और वहां काम कर रहे दो श्रमिक उसकी चपेट में आ गए। प्राप्त सूचना के अनुसार, शाम करीब चार बजे हुए हादसे में एक श्रमिक हीरा सिंह (55) की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा, श्याम सिंह (35) घायल हो गया। दोनों श्रमिक पापतोली के ही रहने वाले हैं। हरिद्वार में चंडीदेवी मंदिर के पास बनी तीन दुकानों के नीचे की दीवार धंसने की सूचना है। हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर पुलिस तैनात कर दी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, पिथौरागढ़ जिले में गौरीगंगा नदी का जलस्तर खतरे का निशान पार कर गया है जबकि उधमसिंह नगर जिले में फीका बैराज में पानी का स्तर अधिकतम बाढ़ स्तर से उपर चला गया है। पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी और बंगापानी में गौरी गंगा नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने और उधमसिंह नगर जिले के जसपुर में फीका बैराज के अधिकतम जलस्तर पार करने के मद्देनजर संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को इस पर लगातार निगरानी रखने तथा पर्याप्त सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 अगस्त 2023

भारतीय क्रिकेटरों ने चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की साफ्ट लैंडिंग का जश्न मनाया

भाषा। नई दिल्ली

भारत के मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने बुधवार को चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की सफलता का जश्न मनाते हुए इस उपलब्धि को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व करार दिया। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) द्वारा जारी एक वीडियो में भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से कुछ घंटे पहले टीवी पर चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल के सॉफ्ट लैंडिंग के अपडेट देखते हुए जश्न मनाती दिखी।

बीसीसीआई ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, डबलिन से इतिहास बनते हुए देख रहे हैं। भारत के विक्रम लैंडर ने जिस क्षण चंदमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह को सफलतापूर्वक छुआ। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश तथा चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले चार देशों में शामिल हो गया है।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए लिखा, विजई विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा। इसरो भारत के सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करता है। मेहनती महिलाएं और पुरुष, एक साथ मिलकर चुनौतियों से निपट रहे हैं और हमारे तिरंगे को ऊंचा कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, भारत को चंद्रयान-2 टीम को बधाई देनी चाहिए और जश्न मनाना चाहिए। प्रत्एक हार्ड लैंडिंग में ऐसे सबक होते हैं जो हमें सॉफ्ट लैंडिंग के करीब ले जाते हैं - चंद्रमा पर और जीवन में भी।

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भी एक्स पर लिखा, चंद्रयान-3 की टीम को बहुत बहुत बधाई। आपने देश को गौरवान्वित किया। जय हिंद।

दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लिखा, इतिहास बन गया। इसरो को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई। जय हिंद। पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने इतिहास रच दिया।

तीसरा टी20 बारिश की भेंट चढ़ा, भारत ने श्रृंखला 2-0 से जीती

मालाहाइड। भारत और आयरलैंड के बीच बुधवार को यहां तीसरा और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा। भारत ने इसके साथ ही तीन मैच की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। चोट के बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अगुआई में खेलते हुए भारत ने वर्षा से प्रभावित पहला मैच डकवर्थ-लुईस पद्धति के आधार पर दो रन जबकि दूसरा मैच 33 रन से जीता था। बारिश के कारण अंतिम टी20 में टॉस भी नहीं हो सका। कई बार निरीक्षण करने के बाद अंपायरों ने मैच शुरू होने के निर्धारित समय से तीन घंटे बाद इसे रद्द करने का फैसला किया। यह श्रृंखला चोट के बाद वापसी कर रहे दो तेज गेंदबाजों बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के लिए अच्छी रही। दोनों ने दो मैच में चार-चार विकेट चटकाए। इन दोनों की अब 30 अगस्त से शुरू हो रहे एकदिवसीय एशिया कप में कड़ी परीक्षा होगी।पांच अक्टूबर से स्वदेश में शुरू हो रहे आईसीसी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप को देखते हुए बुमराह की फॉर्म और फिटनेस भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। बुमराह की अगुआई में खेल रहे युवा खिलाड़ियों को इस श्रृंखला से अगले महीने चीन में होने वाले एशिया कप की तैयारी का मौका मिला जहां भारत अपनी दूसरे दर्जे की टीम भेजेगा क्योंकि सीनियर खिलाड़ी विश्व कप की तैयारियों में व्यस्त हैं। चीन में टीम की अगुआई करने वाले रुतुराज गायकवाड़ को वेस्टइंडीज दौरे पर अधिकतर समय बाहर बैठने के बाद लगातार दो मैच खेलने का मौका मिला।

विश्वकप फाइनल: प्रज्ञानानंदा और कार्लसन के बीच दूसरी बाजी भी ड्रॉ

भाषा। बाकू (अजरबेजान)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के बीच बुधवार को यहां फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट की दूसरी क्लासिकल बाजी भी ड्रॉ रही।

दूसरी बाजी में डेढ़ घंटे के खेल और 30 चाल के बाद दोनों खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हो गए।

चैंपियन का फैसला अब गुरुवार को टाईब्रेकर के जरिए होगा।

नॉर्वे के कार्लसन ने सफेद मोहरों से प्रज्ञानानंदा के खिलाफ ठोस प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी को हालांकि काले मोहरों से खेलते हुए किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और दोनों खिलाड़ी 30 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ करने पर राजी हो गए।

मंगलवार को पहली बाजी भी चार घंटे से अधिक खेल और 70 से अधिक चाल के बाद ड्रॉ रही थी।

प्रज्ञानानंदा ने बाजी के बाद कहा, मैंने वास्तव में नहीं सोचा था कि वह आज जल्दी ड्रॉ के लिए तैयार हो जाएगा लेकिन जब उसने ऐसी शुरुआत की तो मुझे अहसास हुआ कि वह ड्रॉ कराना चाहता था। मुझे भी इससे कोई दिक्कत नहीं थी।

उन्होंने कहा, मैं भी थका हुआ महसूस करता हूं जैसा कि मैंने पिछले साक्षात्कारों में कहा था। अब मैं कल सब कुछ झोंक सकता हूं और इसके बाद आराम कर सकता हूं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें अहसास हुआ कि पहली बाजी के दौरान कार्लसन खराब स्थिति में थे, भारतीय खिलाड़ी ने कहा, हां। मुझे लगा कि उनमें ज्यादा ऊर्जा नहीं है। मुझे उम्मीद है कि वह कल ठीक हो जाएंगे।

क्या वह भविष्य में विश्व कप के आयोजकों को फाइनल से पहले एक अतिरिक्त दिन के आराम का सुझाव देंगे, यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हां, अगर ऐसा होगा तो यह अच्छा होगा।

खुद को मीडिया में मिल रही सुर्खियों पर भारतीय स्टार ने कहा, मुझे निश्चित रूप से इसकी आदत हो रही है। इतने सारे लोगों को शतरंज का अनुसरण करते हुए देखना अच्छा है। शतरंज निश्चित रूप से लोकप्रिय हो रहा है, इस तरह से मैं बहुत खुश हूं।

भारत के 18 साल के प्रज्ञानानंदा ने सोमवार को सेमीफाइनल में टाईब्रेक के जरिए दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो करूआना को हराया था और फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामूरा को हराया था।

प्रज्ञानानंदा इसके साथ ही 2024 में कनाडा में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। महान बॉबी फिशर और कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने।

मैच के बाद कार्लसन ने कहा, प्रज्ञानानंदा पहले ही बेहद मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ काफी टाईब्रेक खेल चुका है... मुझे पता है वह काफी मजबूत है। अगर मेरे अंदर कुछ ऊर्जा होगी, अगर मेरा दिन अच्छा होगा तो बेशक मेरे पास अच्छा मौका होगा।

उन्होंने कहा, मैं आयोजकों, फिडे और डॉक्टरों तथा नर्सों का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरा अच्छा इलाज दिया। आज मैं थोड़ा बेहतर महसूस कर रहा हूं लेकिन मुझे अब भी ऐसा महसूस नहीं हो रहा है कि मेरे पास पूरे संघर्ष के लिए ऊर्जा है इसलिए मैंने सोचा चलो एक और दिन आराम कर लेते हैं। नॉर्वे के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने कहा, उम्मीद करता हूं कि कल मेरे अंदर अधिक ताकत होगी।

अब रेपिड प्रारूप में दो टाईब्रेक बाजियां खेली जाएंगी जिसमें प्रत्एक खिलाड़ी को 25 मिनट का समय मिलेगा। प्रत्एक चाल के बाद खिलाड़ी के समय में 10 सेकेंड जुड़ जाएंगे।

अगर इन दो बाजी में नतीजा नहीं निकलता है तो दो और बाजी खेली जाएगी जिसमें प्रत्एक खिलाड़ी के पास पांच मिनट का समय होगा और खिलाड़ी की प्रत्एक चाल के बाद उसके समय में तीन सेकेंड जुड़ जाएंगे।

प्रज्ञानानंदा महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर आनंद ने लिखा, हमने इस तरह की शुरुआत की उम्मीद नहीं की थी। क्या मैग्नस 2016 की 12वीं बाजी की रणनीति को दोहरा रहे हैं और टाईब्रेक के लक्ष्य के साथ उतरे हैं। उन्होंने कहा, अगर ऐसा है तो मैग्नस ने टाईब्रेक के बारे में सोचते हुए दिन बिताया है जबकि प्रज्ञानानंदा बाजी के बाद ही ऐसा करना शुरू करेंगे।

शुभमन गिल वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर

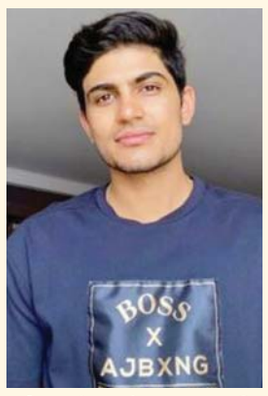

दुबई। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल आईसीसी एक दिवसीय क्रिकेट बल्लेबाजों की रैंकिंग मे एक पायदान चढकर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर रवि बिश्नोई की टी20 रैंकिंग मे सुधार आया है। पाकिस्तान और अफ्गानिस्तान के बीच पहले वनडे के बाद आईसीसी द्वारा जारी रैंकिंग मे गिल के 743 रेटिंग अंक है और वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज है। आयरलैड के खिलाफ श्रृंखला मे भारत की कप्तानी कर रहे बुमराह सात पायदान चढकर 84वे स्थान पर पहुंच गए जबकि बिश्नोई 17 पायदान चढकर 65वे स्थान पर है। बल्लेबाज रुतुराज गायक्वाड़ 143 पायदान चढकर 87वे स्थान पर है। सूर्यकुमार यादव टी20 बल्लेबाजो की रैंकिंग मे शीर्ष पर बने हुए है। वनडे मे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पहले और इमाम उल हक तीसरे स्थान पर है। भारत के विराट कोहली नौवे और कप्तान रोहित शर्मा 11वे स्थान पर बने हुए है। टेस्ट मे भारतीय स्पिनर आर अश्विन गेदबाजो मे और रविंद्र जडेजा हरफ्नमौलाओ मे शीर्ष पर है।

सेरेना विलियम्स ने बेटी को जन्म दिया

वॉशिंगटन। तेईस बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन सेरेना विलियम्स ने टेनिस स्टार के रूप मे अपना आखिरी मैच खेलने के ठीक एक साल बाद बेटी को जन्म दिया। उन्होने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी। 41 वर्ष की सेरेना और उनके पति एलेक्सिस ओहानियन की यह दूसरी संतान है। उनकी पहली बेटी ओलंपिया का जन्म 2017 मे हुआ था। सेरेना का आखिरी टूर्नामेंट 2022 अमेरिकी ओपन था जिसमे वह तीसरे दौर तक पहुंची थी।

मेरी कड़ी मेहनत अब रंग ला रही है : मिन्नू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम मे जगह बनाने वाली केरल की पहली महिला क्रिकेटर मिन्नू मणि ने कहा कि उन्होने यह मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और इस दौरान उन्हे कई तरह की विषम परिस्थितियो से जूझना पड़ा। स्थानीय नगर पालिका ने पिछले महीने मैसूरु रोड जंक्शन का नाम मिन्नू मणि जंक्शन रखा था। यह मननथावडी मे वही स्थान है जहां से वह रोजाना 42 किलोमीटर की दूरी तय करके केसीए स्टेडियम मे अभ्यास के लिए जाती थी। दिल्ली कैपिटल्स की क्रिकेटर ने यहां अपने शिविर से इतर कहा, मैने नौवी कक्षा से स्नातक बनने तक केरल क्रिकेट संघ की क्रिकेट अकादमी मे अभ्यास किया और पढ़ाई पूरी की। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, लेकिन स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे अपने घर से अभ्यास मैदान तक जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। एक दिहाड़ी मजदूर की बेटी मिन्नू को प्रत्एक दिन तीन घंटे यात्रा करनी पड़ती थी। मिन्नू ने कहा, मै प्रत्एक दिन तीन घंटे यात्रा करती थी और मेरे परिवार के लिए मेरी यात्रा जरूरतो को पूरा करना भी मुश्किल हो रहा था। हालांकि मैने जो कड़ी मेहनत की वह अब रंग ला रही है।

विश्वकप अभ्यास मैच में इंग्लैंड और नीदरलैंड से भिड़ेगा भारत

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को कहा कि एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पहले मुकाबले से पूर्व भारत इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ दो आधिकारिक अभ्यास मैच खेलेगा।

दो बार का चैंपियन भारत 30 सितंबर को गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में गत चैंपियन इंग्लैंड का सामना करेगा जिसके बाद टीम तीन अक्टूबर को तिरूवनंतपुरम में नीदरलैंड से भिड़ेगी।

तीन आयोजन स्थल गुवाहाटी, तिरूवनंतपुरम और हैदराबाद न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच पांच अक्टूबर को होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के शुरुआती मुकाबले से पूर्व सभी 10 टीम के आधिकारिक अभ्यास मैचों की मेजबानी करेंगे।

आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा, सभी 10 टीम पांच अक्टूबर को विश्व कप की शुरुआत से पहले के हफ्ते में 50 ओवर के दो आधिकारिक मुकाबले खेलेंगी जिनका आयोजन भारत के तीन अलग-अलग शहरों में किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार, ए मैच गुवाहाटी, हैदराबाद और तिरूवनंतपुरम में शुक्रवार, 29 सितंबर से मंगलवार तीन अक्टूबर तक खेले जाएंगे और टीमों को विश्व कप के दौरान की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने का परफेक्ट मौका देंगे।

सभी अभ्यास मैच दोपहर दो बजे शुरू होंगे और प्रत्एक टीम को अपने सभी 15 खिलाड़ियों को मैच में उतारने की इजाजत होगी।

अभ्यास मैचों का कार्यक्रम इस प्रकार है:

29 सितंबर: बांग्लादेश बनाम श्रीलंका (गुवाहाटी), दक्षिण अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान, (तिरूवनंतपुरम) और न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान (हैदराबाद)।

30 सितंबर: भारत बनाम इंग्लैंड (गुवाहाटी), ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड (तिरूवनंतपुरम)।

दो अक्टूबर: इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश (गुवाहाटी), न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका (तिरूवनंतपुरम)।

तीन अक्टूबर: भारत बनाम नीदरलैंड (तिरूवनंतपुरम), अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका (गुवाहाटी), पाकिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया (हैदराबाद)।

भारत को विश्व निशानेबाजी में एक स्वर्ण और एक कांस्य

भाषा। बाकू

अमनप्रीत सिंह ने बुधवार को यहां पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में पहला स्थान हासिल करके आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत को पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया जबकि महिलाओं ने स्टैंडर्ड पिस्टल की टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

भारत ने अभी तक इस प्रतियोगिता में पांच स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते हैं और वह पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। चीन ने 13 स्वर्ण पदक सहित 24 पदक जीते हैं।

अमनप्रीत ने पुरुषों की स्टैंडर्ड पिस्टल में 577 अंक बनाए और वह कोरिया के रजत पदक विजेता ली गुनह्योक से तीन अंक आगे रहे। फ्रांस के केविन चैपोन ने कांस्य पदक हासिल किया। हर्ष गुप्ता (573 अंक के साथ चौथे), अक्षय जैन (545) तथा अमनप्रीत की भारतीय टीम मामूली अंतर से पदक से चूक गई। वह 1695 अंकों के साथ चीन, जर्मनी और कोरिया के बाद चौथे स्थान पर रही। महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में तियाना (538 के साथ 11वें), याशिता शौकीन (536 के साथ 12वें) और कृतिका शर्मा (527 के साथ 14वें) व्यक्तिगत पदक नहीं जीत पाई लेकिन उन्होंने कुल 1601 अंकों के साथ टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। चीनी स्वर्ण पदक और अजरबैजान ने रजत पदक जीता।

इस बीच राजेश्वरी कुमारी ने महिला ट्रैप क्वालीफायर के पहले दिन 73 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और वह चौथे स्थान पर हैं। क्वालीफायर के बाकी बचे दो दौर गुरुवार को होंगे जिसके बाद छह खिलाड़ी फाइनल में जगह बनाएंगे। फाइनल भी गुरुवार को ही खेला जाएगा। इस ओलंपिक स्पर्धा में राजेश्वरी दो निशाने चूक गई थी। उन्होंने पहले तीन दौर में 24, 25 और 24 का स्कोर बनाया। भारत की ही मनीषा कीर और प्रीति रजक ने क्रमश: 68 और 67 का स्कोर बनाया और पहले दिन के बाद वे 24वें और 41वें स्थान पर हैं। भारत की तीनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 208 है और वह टीम स्पर्धा में कांस्य पदक की दौड़ में हैं।

सात्विक-चिराग, त्रिसा-गायत्री की जोड़ियां विश्व चैम्पियनशिप के प्रीक्वार्टर फाइनल में

भाषा। कोपेनगेहन

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बुधवार को यहां केनेथ झे हुई चू और मिंग चुएन लिम की आस्ट्रेलियाई जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष युगल के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

भारतीय खिलाड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिन टुन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर महिला युगल वर्ग के तीसरे दौर में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी ने पिछले चरण में पहला कांस्य पदक जीता था। उन्होंने आस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वियों को 30 मिनट में 21-16 21-9 से शिकस्त दी। राष्ट्रमंडल खेलों की मौजूदा चैम्पियन जोड़ी का सामना अब इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और डेनियल मार्तिन की 10वीं वरीय जोड़ी से होगा।

इससे पहले गायत्री और त्रिसा की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी। उन्होंने 37वीं रैंकिंग पर काबिज चांग और यांग की जोड़ी को 38 मिनट में 21-18 21-10 में हराया। यह भारतीय जोड़ी आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के पिछले दो चरण के सेमीफाइनल में पहुंची थी और अब उनका सामना अगले दौर में चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान की शीर्ष वरीय जोड़ी से होगा।

त्रिसा और गायत्री पहले 2-5 से पिछड़ रही थी लेकिन जल्द ही उन्होंने रैली के जरिए अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गलतियां कम करते हुए 8-6 से बढ़त बना ली।

चांग और यांग हालांकि 8-8 की बराबरी पर आ गई लेकिन भारतीय जोड़ी ताइवान की जोड़ी के नेट पर शॉट लगाने से ब्रेक तक 11-9 से आगे हो गई।

ब्रेक के बाद त्रिसा और गायत्री 14-11 से बढ़त बनाए थीं। तभी त्रिसा ने कुछ गलतियां कर दी लेकिन भारतीय जोड़ी चांग और यांग की सर्विस गलती से चार गेम प्वाइंट हासिल करने में सफल रहीं। यांग के शॉट के नेट पर जाने से भारतीय जोड़ी ने गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने यही लय बनाए रखी और एक समय 8-5 से आगे चल रही थीं। एक ताकतवर सर्व से भारतीयों ने ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाए रखी।

गायत्री और त्रिसा जल्द ही 14-8 से आगे हो गई। उन्हें ऊंचाई के कारण सर्विस की गलती के लिए बुलाया गया लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को गलतियों की वजह से 19-10 से बढ़त बना ली।

भारतीय शतरंज की यह स्वर्णिम पीढ़ी है : विश्वनाथन आनंद

भाषा। चेन्नई

भारत से इतने सारे शतरंज ग्रैंडमास्टर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना नाम रोशन कर रहे हैं कि महान भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद का मानना है कि मौजूदा पीढ़ी भारतीय शतरंज की स्वर्णिम पीढ़ी है।

उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारतीय खिलाड़ी अजरबेजान के बाकू में चल रहे शतरंज विश्व कप में सुर्खियां बटोर रहे हैं जिसमें युवा ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रगानानंद फाइनल में नार्वे के मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से भिड़ रहे हैं।

आनंद ने एक साप्ताहिक न्यूज मैग्जीन से बातचीत कि वह इस बात से ही हैरान थे कि ज्यादातर खिलाड़ियों की ईएलओ रेटिंग 2,700 से ज्यादा की है, विशेषकर 20 साल के कम उम्र के खिलाड़ियों की जिसे उन्होंने विशेष करार दिया।

आनंद ने कहा कि हो सकता है कि यह जल्दबाजी हो लेकिन ए खिलाड़ी स्वर्णिम पीढ़ी के हैं। उन्होंने कहा, ए सभी खिलाड़ी 2,700 से ज्यादा की ईएलओ रेटिंग में शामिल हैं। और ए सभी अंडर-20 हैं। ऐसा आमतौर पर नहीं होता है, इसलिए यह वास्तव में विशेष है।

उन्होंने कहा, मैं उन्हें इसलिए स्वर्णिम पीढ़ी कह रहा हूं क्योंकि वे अगले 10 साल शीर्ष पर ही खेलते रहेंगे। निश्चित रूप से उनके करियर का चढ़ाव अलग अलग रहेगा लेकिन वे अगले 10 साल इसी तरह से बिताएंगे। वह इस बात से भी खुश थे कि इतने सारे भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं जबकि उनके समय में ऐसा नहीं होता था।

आनंद ने कहा, यह बहुत ही अलग तरह का अहसास है क्योंकि काफी लंबे समय तक टूर्नामेंट में एकमात्र मैं भारत की चुनौती पेश करता था। हालांकि हाल के समय में शतरंज के खेल में वह बदलाव महसूस करते हैं लेकिन वह अगली पीढ़ी को सलाह देने के इच्छुक हैं।

विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के कोचिंग स्टाफ में फोस्टर, फ्लेमिंग और बेल शामिल

आकलैंड। न्यूजीलैंड ने भारत में होने वाले विश्व कप से पहले टीम के कोचिंग स्टाफ में पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग के साथ इंग्लैंड के इयान बेल और जेम्स फोस्टर को शामिल किया है।

फ्लेमिंग और पूर्व विकेटकीपर फोस्टर के पास आईपीएल का अनुभव भी है।

फ्लेमिंग एक दशक से अधिक समय से चेन्नई सुपर किंग्स के कोच हैं और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली टीम को पांच आईपीएल खिताब दिला चुके हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के जरिए कीवी टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा , फ्लेमिंग का आना टीम के लिए और स्टाफ के लिए भी बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा , उनके पास भारत में खेलने का अपार अनुभव है और आईपीएल की शुरूआत से चेन्नई टीम के साथ है। उनसे भारत में खेलने को लेकर काफी उपयोगी जानकारी मिलेगी।

दूसरी ओर फोस्टर कोलकाता नाइट राइडर्स के मौजूदा सहायक कोच हैं। वह दुनिया भर में टी20 लीग में कोचिंग कर चुके हैं।वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के जरिए टीम से जुड़ेंगे। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज बेल इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के आखिर में होने वाली टी20 श्रृंखला के जरिए न्यूजीलैंड टीम से जुडेंगे। वह ल्यूक रोंची की जगह बल्लेबाजी कोच होंगे।

एलड्रिन विश्व चैम्पियनशिप में लंबी कूद फाइनल्स में, श्रीशंकर क्वालीफिकेशन दौर से बाहर

भाषा। बुडापेस्ट

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी लंबी कूद के एथलीट जेस्विन एलड्रिन ने बुधवार को यहां पहली बार विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया लेकिन उनके साथी प्रतिस्पर्धी मुरली श्रीशंकर खराब प्रदर्शन के बाद क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हो गए। भाला फेंक एथलीट अनु रानी 57.05 मीटर के प्रयास से सत्र का अपना दूसरा खराब प्रदर्शन करते हुए क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हो गईं। वह ग्रुप ए में 11वें स्थान और कुल 19वें स्थान पर रहीं। राष्ट्रीय रिकार्डधारी अनु पिछले कुछ समय से फॉर्म में नहीं हैं। एलड्रिन (21 वर्ष) ने अपने पहले प्रयास में 8.0 मीटर की कूद लगाई लेकिन अगले दो प्रयासों में फाउल कर गए। यह प्रदर्शन उन्हें गुरुवार को होने वाले 12 खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचाने के लिए काफी था। फाइनल्स में वही एथलीट पहुंचते हैं जो 8.15 मीटर की कूद लगाते हैं या फिर दो क्वालीफिकेशन ग्रुप के शीर्ष 12 पर रहते हैं। मार्च में 8.42 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीट के तौर पर उतरे एलड्रिन ग्रुप बी क्वालीफिकेशन दौर में छठे स्थान पर रहे और वह दोनों ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ 12वें एथलीट के तौर पर अंतिम क्वालीफायर के रूप में फाइनल्स में पहुंचे। बुधवार को वह विश्व चैम्पियनशिप में श्रीशंकर के बाद लंबी कूद के फाइनल्स में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष एथलीट बने। श्रीशंकर ने 7.74 मीटर, 7.66 मीटर और 6.70 मीटर के निराशाजनक प्रयास किए। वह ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में 12वें स्थान से कुल 22वें स्थान पर रहे।

उनका क्वालीफिकेशन दौर से बाहर होना भारतीय खेमे के लिए बुरी खबर रही क्योंकि 3000 मीटर स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले पहले ही फाइनल्स में पहुंचने में विफल रहे थे जिनसे कम से कम फाइनल्स में पहुंचने की उम्मीद थी। श्रीशंकर (24 वर्ष) इस सत्र में एलड्रिन से ज्यादा निरंतर रहे थे, वह कई मौकों पर आठ मीटर की कूद लगाने में सफल रहे थे। उन्होंने जून में भुवनेश्वर में 8.41 मीटर से अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। जुलाई में एशियाई चैम्पियनशिप में 8.37 मीटर की कूद से उन्होंने रजत पदक जीता था। श्रीशंकर की यह तीसरी विश्व चैम्पियनशिप थी, वह 2022 विश्व चैम्पियनशिप में सातवें स्थान पर रहे थे।एलड्रिन के लिए यह दूसरी विश्व चैम्पियनशिप है। वह अमेरिका में 2022 चरण में क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हो गए थे।एलड्रिन और श्रीशंकर दोनों ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ लंबी कूद खिलाड़ियों की सूची में क्रमश: पहले और दूसरे स्थान की रैंकिंग से विश्व चैम्पियनशिप में प्रवेश किया था जो दुर्लभ उपलब्धि है। वहीं 30 साल की अनु रानी का निराशाजनक प्रदर्शन सवाल खड़े कर सकता है कि उन्हें विश्व चैम्पियनशिप में भेजा ही क्यों गया। उन्होंने विश्व रैंकिंग कोटे के आधार पर प्रवेश किया था क्योंकि वह इस सत्र में विश्व चैम्पियनशिप से पहले चार टूर्नामेंट में एक में भी 60 मीटर का थ्रो नहीं कर पाई थीं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 6-2 से हराया

भाषा। डसेलडोर्फ (जर्मनी)

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बुधवार को यहां इंग्लैंड को 6-2 से हराकर चार देशों के टूर्नामेंट-डसेलडोर्फ 2023 में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत की ओर से नीलम (25वें मिनट), अनु (26वें और 43वें मिनट), सुनेलिता टोप्पो (35वें मिनट), हिना बानो (38वें मिनट) और मुमताज (40वें मिनट) ने गोल दागे। इंग्लैंड की तरफ से क्लॉडिया स्वेन (16वें मिनट) और चार्लोट बिनगैम (54वें मिनट) ने गोल किए। पहले क्वार्टर में दोनों टीम ने तेज शुरुआत की लेकिन दोनों ही टीम पहले क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रहीं। दोनों टीम का डिफेंस भी पहले क्वार्टर में काफी मजबूत रहा। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी अच्छी शुरुआत की लेकिन मैच का पहला गोल इंग्लैंड की ओर से स्वेन ने दागा। भारत ने इसके बाद हमले तेज किए। टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे नीलम ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। मंगलवार को स्पेन के खिलाफ गोल करने वाली अनु ने शानदार मैदानी गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई। मध्यांतर तक भारत 2-1 से आगे था। बढ़त बनाने के बाद आत्मविश्वास से भरे भारत ने तीसरे क्वार्टर में लगातार हमले किए। सुनेलिता ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर 3-1 किया। हिना ने स्कोर 4-। जबकि मुमताज और अनु ने भी भारत की बढ़त को 6-1 तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने बिनगैम के गोल से हार के अंतर को कम किया।